RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-13 अंक:34 ता. 30 जुलाई 2024, मंगलवार, कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

पहला कॉलम

सुप्रीम कोर्ट ने 65 फीसदी आरक्षण पर रोक लगाने से किया इनकार

बिहार हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ दायर की गई थी याचिका

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को पटना हाईकोर्ट के उस आदेश पर रोक लगाने से इनकार कर दिया, जिसमें बिहार में पिछड़े वर्गों के लिए 65 फीसदी आरक्षण को रद्द कर दिया था। बिहार सरकार ने आरक्षण को 50 फीसदी से बढ़ाकर 65 फीसदी करने के सरकार के फैसले को रद्द करने के हाईकोर्ट के आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। पटना हाईकोर्ट की एकल खंडपीठ ने 20 जून को बिहार विधानसभा द्वारा 2023 में पारित संशोधनों को यह कहते हुए रद्द कर दिया था कि वह संविधान की शक्तियों से परे हैं और संविधान के समानता खंड का उल्लंघन करते हैं। पिछले महीने पटना हाईकोर्ट ने सरकारी नौकरियों और शैक्षणिक संस्थानों में राज्य सरकार द्वारा तय 65 फीसदी आरक्षण की सीमा को रद्द कर दिया था। हाईकोर्ट ने मार्च में राज्य में सरकारी नौकरियों और उच्च शिक्षण संस्थानों में पिछड़े, अत्यंत पिछड़े वर्गों, अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लिए कोटा 50 फीसदी से बढ़ाकर 65 फीसदी करने की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली रिट याचिकाओं पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था।

शराब नीति मामला: सीबीआई ने केजरीवाल के खिलाफ दाखिल किया आरोप-पत्र

नई दिल्ली। सीबीआई ने सोमवार को दिल्ली सीएम अरविंद केजरीवाल के खिलाफ राउज एवेन्यू कोर्ट में दिल्ली आबकारी नीति के कथित दुरुपयोग की व्यापक जांच के बाद आरोप-पत्र दाखिल किया, जिसमें वित्तीय कदाचार शामिल होने का दावा किया गया है। यह आरोप-पत्र शराब मामले से संबंधित अनियमितताओं की जांच का हिस्सा है, जिसने सभी का ध्यान आकर्षित किया है। सीबीआई की यह कार्रवाई केजरीवाल की परेशानियां बढ़ा रही हैं, जो पहले ही गंभीर आरोपों का सामना कर रहे हैं, दिल्ली के सीएम के रूप में उनकी स्थिति और दिल्ली में व्यापक राजनीतिक परिदृश्य को प्रभावित कर सकते हैं। विगत दिवस आम आदमी पार्टी (आप) ने आरोप लगाया था कि केजरीवाल के साथ राजनीतिक कैदी जैसा व्यवहार किया जा रहा है।

जुलाई में कश्मीर में चल रही लू

लोग मान रहे ग्लोबल वॉर्मिंग का असर

नई दिल्ली । मैदानी इलाकों में गर्मी बढ़ने पर लोग कश्मीर, हिमाचल और उत्तराखंड का रुख करते रहे हैं। लेकिन जब इन राज्यों में भी लू चलने लगे तब क्या होगा? कश्मीर का हाल इस गर्मी में ऐसा ही है। इतना ही नहीं जुलाई माह में दो दिनों के लिए प्राइमरी स्कूलों को बंद करना पड़ा है। ऐसा इसलिए क्योंकि वहां लू चल रही है। 30 जुलाई को कश्मीर में सभी निजी और सरकारी स्कूलों को बंद रखने का आदेश दिया गया है। कश्मीर के डिविजनल कमिश्नर वीके बिधूड़ी ने आदेश जारी कर कहा कि छात्रों को न बुलाया जाए। हालांकि शिक्षकों को स्कूल में मौजूद रहने का आदेश दिया गया है। दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग जैसे इलाकों में ऐसी स्थिति है कि लोगों को खड्डों में नहाते दिख रहे है। एक नागरिक ने कहा कि ऐसी स्थिति शायद ग्लोबल वॉर्मिंग के चलते हो रही है। श्रीनगर सहित कश्मीर के ज्यादातर इलाकों में इतनी भीषण गर्मी नहीं देखी जाती थी। इस साल कश्मीर में भीषण गर्मी के हालात हैं और बीते 25 सालों का रिकॉर्ड जुलाई में टूट चुका है। रविवार श्रीनगर में तापमान 36 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। 9 जुलाई, 1999 के बाद पहली बार श्रीनगर में जुलाई के महीने में इतना ज्यादा तापमान पाया गया। हालांकि अब तक के इतिहास में श्रीनगर में सबसे ज्यादा तापमान 10 जुलाई, 1946 को दर्ज किया गया था। तब तापमान 38.3 डिग्री सेल्सियस तक हो गया था। दक्षिण कश्मीर के काजीगुंड और कोकरनाग में भी रविवार को तापमान 35.6 डिग्री सेल्सियस रहा। इसके अलावा कोकरनाग में भी 34 डिग्री सेल्सियस रहा।

जिम्मेदारी के साथ 2047 तक विकसित भारत बनाना होगा: मनसुख मांडविया

नई दिल्ली। केंद्रीय खेल एवं श्रम मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने कहा है कि आने वाले 2047 तक भारत को पूरी जिम्मेदारी के साथ विकसित भारत बनाना है। इसके लिए हम सबको एक साथ प्रयास करने होंगे। माई भारत पोर्टल की प्रभावशीलता बढ़ाने के लिए रूस में ब्रिक्स युवा शिखर सम्मेलन में भाग लेने वाले भारतीय युवा प्रतिनिधियों सहित विभिन्न क्षेत्रों के युवाओं के साथ एक संवादात्मक सत्र की अध्यक्षता की।इस दौरान अपने संबोधन में केंद्रीय मंत्री ने माई भारत प्लेटफॉर्म को युवाओं से जुड़ी और उन्हें लाभ पहुंचाने वाली गतिविधियों से जोड़ने के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने जोर देकर कहा कि इन गतिविधियों को माई भारत प्लेटफॉर्म पर प्रमुखता से प्रदर्शित जाना चाहिए ताकि उनका प्रभाव अधिकतम हो सके। इस बैठक में युवाओं को माई भारत पोर्टल के प्रभाव को बढ़ाने के लिए अपने सुझाव और अंतर्दृष्टि साझा करने का अवसर दिया गया। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के अनुसार डॉ. मनसुख मांडविया ने 28 जुलाई को युवाओं से माई भारत पोर्टल की प्रभावशीलता बढ़ाने पर बातचीत की। युवाओं की अपार क्षमता और ऊर्जा को पहचानते हुए, डॉ. मांडविया ने कहा, युवाओं को देश की उन्नति में योगदान देने और 2047 तक 'विकसित भारत' के विजन को साकार करने की जिम्मेदारी लेनी चाहिए।

उज्जैन। श्रावण माह के दूसरे सोमवार को उज्जैन में चहुंओर बम भोले की गूंज और ढोल-नगाड़ों के नाद के बीच प्रजा का हाल-चाल जानने नगर भ्रमण पर निकले राजाधिराज बाबा महाकाल...! दिव्य सवारी में बाबा महाकाल के चन्द्रमौलेश्वर स्वरूप को देखने आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। पहली बार 350 जवानों के विशेष पुलिस बैंड ने सवारी के साथ चलकर अद्भुत प्रस्तुति दी, जो आकर्षण का केन्द्र रही।

भारत और सऊदी अरब के बीच पहली बैठक वर्चुअली.....निवेश पर हुई चर्चा

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

भारत और सऊदी अरब ने सार्वजानिक और निजी सेक्टर में निवेश को लेकर हाई लेवल टास्क फोर्स की पहली बैठक वर्चुअली आयोजित की। प्रधानमंत्री कार्यालय के बयान के अनुसार, रिफाइनिंग और पेट्रोकेमिकल संयंत्र, नई और नवीकरणीय ऊर्जा, बिजली, दूरसंचार, नवाचार सहित सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों में विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय निवेश के विभिन्न मौके पर रचनात्मक चर्चा हुई।

बैठक की सह-अध्यक्षता प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव पी के मिश्रा और सऊदी ऊर्जा मंत्री प्रिंस अब्दुलअजीज बिन सलमान बिन अब्दुलअजीज अल सऊद ने की।

बैठक के दौरान, पीएम मोदी के प्रधान सचिव ने सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस और प्रधानमंत्री की यात्रा के दौरान किए गए 100 बिलियन अमेरिकी डॉलर के सऊदी निवेश को सक्रिय समर्थन प्रदान करने के भारत सरकार के दृढ़ इरादे को दोहराया।

सऊदी के निवेश के लिए फिर दिया समर्थन

पेट्रोलियम सचिव के नेतृत्व में एक सशक्त प्रतिनिधिमंडल तेल और गैस क्षेत्र में पारस्परिक रूप से लाभप्रद निवेश पर चर्चा के लिए सऊदी अरब का दौरा करेगा। बयान में कहा गया है कि सऊदी पक्ष को भारत में सॉवरेन वेल्थ फंड पीआईएफ का एक कार्यालय स्थापित करने के लिए भी आमंत्रित किया गया था। इसमें दोनों पक्षों के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हैं, जिनमें नीति आयोग के सीईओ, आर्थिक मामलों के सचिव, वाणिज्य, विदेश मंत्रालय, डीपीआईआईटी, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस और भारत के बिजली सचिव शामिल हैं।

दो हिस्सों में बंट गई......बिहार संपर्क क्रांति, यात्री सुरक्षित

समस्तीपुर।

बिहार के समस्तीपुर में सोमवार को बिहार संपर्क क्रांति एक्सप्रेस दो हिस्सों में बंट गई। ट्रेन का इंजन और एक कोच पटरी पर दौड़ने लगी। बाकी कोच पीछे छूट गए। इंजन के बाद वाले कोच का कपलिंग टूटने से ये हादसा हुआ। हादसा समस्तीपुर-मुजफ्फरपुर रेल खंड के कर्पूरीग्राम पूसा स्टेशन के बीच हुआ। कपलिंग टूटने से इंजन और एक बोगी करीब 100 मीटर तक आगे गई। इसके बाद लोको पायलट ने इमरजेंसी ब्रेक लगाकर ट्रेन रोकी। बिहार संपर्क क्रांति एक्सप्रेस दरभंगा से नई दिल्ली जा रही थी।

रेलवे अधिकारियों ने तुरंत मौके पर पहुंच बचाव कार्य शुरु कर दिया है। हादसे में सभी यात्री सुरक्षित बताए जा रहे हैं।

सुभाषचंद्र बोस के अवशेषों को वापस लाए मोदी सरकार और अंतिम बयान करे जारी

नेताजी के पोते चंद्र बोस ने कहा-झूठी बातों और कहानियों पर लगे विराम

कोलकाता।(एजेंसी)

नेताजी सुभाष चंद्र बोस के पोते चंद्रकुमार बोस ने पीएम नरेंद्र मोदी को पत्र लिखा है। जिसमें उन्होंने पीएम मोदी से 18 अगस्त तक जापान के रेंकोजी से नेताजी के पार्थिव अवशेषों को वापस लाने की अपील की है। एक साक्षात्कार में चंद्रकुमार बोस ने कहा कि मैं चाहता हूं कि सरकार नेताजी की मौत से जुड़ी रिपोर्ट्स के आधार पर अंतिम बयान जारी करे, ताकि उनके बारे फैली झूठी बातों पर विराम लग सके। चंद्र कुमार बोस ने मोदी सरकार से नेताजी की मौत की जांच से जुड़ी फाइलों को सार्वजनिक करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि दस बार राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जांच होने के बाद यह साफ हो चुका है कि नेताजी की 18 अगस्त 1945 को ताइवान में एक हवाई दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी। इसलिए यह जरूरी है कि भारत सरकार अंतिम बयान जारी करे, ताकि झूठी बातों और कहानियों पर विराम लग सके। चंद्र बोस, नेताजी जी के बड़े भाई शरतचंद्र बोस के दूसरे बेटे अमिय नाथ के छोटे बेटे हैं। वे टाटा स्टील में नौकरी करते थे। नेताजी से जुड़ी फाइलों को सार्वजनिक करने के बीजेपी सरकार के फैसले पर उन्होंने पीएम मोदी की तारीफ भी की थी। इसके बाद 2016 में बीजेपी नेता अमित शाह ने उन्हें बीजेपी की सदस्यता दिलाई थी। बीजेपी के टिकट पर बोस 2016 का विधानसभा चुनाव और 2019 का लोकसभा चुनाव भी लड़ चुके हैं। 2016 में उन्हें पश्चिम बंगाल बीजेपी का उपाध्यक्ष बनाया गया था, लेकिन 2020 में उनसे ये पद बीजेपी ने छीन लिया था तब चंद्र बोस ने बीजेपी की सदस्यता से इस्तीफा देते हुए आरोप लगाया था कि बीजेपी ने वादा किया था कि वह नेताजी सुभाषचंद्र बोस की विचारधारा को आगे बढ़ाएगी, लेकिन उसने ऐसा नहीं किया।

अदालत ने दिया बाबा रामदेव और बालकृष्ण को करारा झटका

-कोरोनिल से संबंधित सभी दावे वापस लेने को कहा

नई दिल्ली। (एजेंसी)

दिल्ली हाईकोर्ट से सोमवार को बाबा रामदेव और आचार्य बालकृष्ण को करारा झटका लगा है। कोर्ट ने कोरोना महामारी के दौरान लाखों लोगों की मौत के लिए एलोपैथी डॉक्टर्स को दोषी ठहराने और पतंजलि की कोरोनिल दवा को इलाज के रूप में बढ़ावा देने वाले सभी दावों को वापस लेने संबंधी आदेश आज सुनाया है। गौरतलब है कि रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन ने दिल्ली हाईकोर्ट में याचिका दायर करते हुए कहा था कि बाबा रामदेव की पंतजलि आयुर्वेद कंपनी की दवा कोरोनिल को कोविड-19 का

शर्तिया इलाज होने का दावा करना सही नहीं है। दरअसल बाबा रामदेव का कहना था कि कोरोनिल सिर्फ इम्युनिटी बूस्टर नहीं, बल्कि कोविड-19 ठीक करने की सर्तिया दवा है। यहां बताते चलें कि दिल्ली हाईकोर्ट में बाबा रामदेव, आचार्य बालकृष्ण और पतंजलि आयुर्वेद के खिलाफ साल 2021 में याचिका दाखिल करते हुए दावों को गलत बताया था। इस याचिका पर हाईकोर्ट की सिंगल बेंच जस्टिस अनूप जयराम भंबानी ने सभी पक्षों की दलीलें सुनने और प्रमाण देखने के बाद 21 मई को सुनवाई पूरी करते हुए निर्णय को सुरक्षित रख लिया था। दिल्ली हाईकोर्ट ने सोमवार 29 जुलाई को अपना निर्णय सुनाया, जिसमें कहा गया कि कोरोनिल से जुड़े सभी दावे वापस लिए जाएं। सुनवाई के दौरान आईएमए यानी इंडियन मेडिकल एसोशिएन ने अदालत को बताया था कि बाबा रामदेव लोगों को वैक्सीन नहीं लगाने का कह रहे थे। एलोपैथी को स्टूपिड साइंस कहते और डॉक्टरों का मजाक उड़ा रहे थे। दायर याचिका में दावा किया गया था कि बाबा रामदेव ने 250 करोड़ रुपये की कोरोनिल बेची है। बहरहाल हाईकोर्ट के निर्णय को बाबा रामदेव और आचार्य बालकृष्ण के लिए करारा झटका माना जा रहा है।

मानसून सत्र: 21वीं सदी में एक नया चक्रव्यूह बना जिसमें छह लोगों ने देश को फंसाया

-लोकसभा में राहुल गांधी ने केंद्र सरकार को घेरा, नीतियों, कार्यों की आलोचना की

नई दिल्ली। (एजेंसी)

लोकसभा में सोमवार को सांसद और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने केंद्र सरकार जोरदार हमला बोला। उन्होंने कई मुद्दों पर केंद्र की नीतियों और कार्यों की आलोचना की। अपने भाषण में राहुल गांधी ने विशेष रूप से बेरोजगारी, महंगाई, किसानों की स्थिति और कानून-व्यवस्था के मुद्दों को उठाया। राहुल गांधी ने लोकसभा में कहा कि भारत में डर का माहौल है और यह डर हमारे देश के हर पहलू में व्याप्त है। हजारों साल पहले कुरुक्षेत्र में छह लोगों ने अभिमन्यु को चक्रव्यूह में फंसाकर उसकी हत्या कर दी थी। मैंने थोड़ा शोध किया और पाया कि चक्रव्यूह को पद्मव्यूह भी कहते हैं- जिसका मतलब है कमल का फूल। चक्रव्यूह कमल के आकार का होता है। 21वीं सदी में एक नया चक्रव्यूह बना है-वह भी कमल के फूल के आकार का है। पीएम मोदी इसका प्रतीक अपनी छाती पर लगाते हैं। अभिमन्यु के साथ जो हुआ, वह भारत के साथ हो रहा है- युवा, किसान, महिलाएं, छोटे और मध्यम व्यापारी आज भी चक्रव्यूह के केंद्र में छह लोग हैं। आज भी छह लोग नियंत्रण कर रहे हैं- नरेंद्र मोदी, अमित शाह, मोहन भागवत, अजीत डोभाल, अंबानी और अडाणी। स्पीकर ओम बिरला के हस्तक्षेप के बाद राहुल गांधी ने कहा कि अगर आप चाहें तो मैं एनएसए, अंबानी और अडाणी का नाम छोड़ दूंगा और सिर्फ तीन नाम लूंगा। सदन में नेता प्रतिपक्ष ने जैसे ही अंबानी-अडाणी का नाम लिया तो हंगामा हो गया संसद के मानसून सत्र में सोमवार को कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने बजट पर चर्चा करते हुए अपने भाषण में मोदी सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि सरकार ने बजट में मध्यम वर्ग की पीठ में छुरा घोंपा है। राहुल ने अपने संबोधन में कहा कि मध्यम वर्ग इस बजट से पहले पीएम मोदी को सपोर्ट करता था। जब पीएम मोदी ने कोरोना के सामने ताली बजवाई तो उन्होंने धड़-धड़-धड़ज.थाली बजाई। हमें अजीब लगा। इसके बाद पीएम मोदी ने उसी मध्यम वर्ग से कहा कि मोबाइल फोन की लाइट जलाओ तो इसी मिडिल क्लास ने मोबाइल की लाइट जला दी। अब इस बजट में उसकी पीठ में एक छुरा मारा तो दूसरा छाती में। एक इधर मारा तो दूसरा इधर। राहुल गांधी ने बजट को लेकर सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि आपने जो इंडेक्शन कैंसिल की, वो पीठ में छुरा था और जो आपने कैपिटल गेन्स टैक्स बढ़ाया, वो छाती में छुरा था। दुख इस बात का है लेकिन इंडिया गठबबंधन के लिए हिडेन बेनिफिट है कि मध्यम वर्ग आपको

छोड़ रहा है और इस साइड आ रहा है। मेरा कहना है कि जहां भी आपको मौका मिलता है आप चक्रव्यूह बना देते हैं। आप चक्रव्यूह बनाते हो, हम तोड़ने का काम करते हैं। किसान का कर्जा माफ हुआ, मनरेगा हुआ, हमने सबमें चक्रव्यू तोड़ा। आप चाहते हो कि हिंदुस्तान छोटे-छोटे खांचे में रहें, हिंदुस्तान के गरीब लोग सपना न देख पाएं। इसके बाद राहुल ने जैसे ही दो उद्योगपतियों का नाम लिया तो हंगामा शुरु हो गया। इसके बाद राहुल गांधी ने नाम के बदले थ्री और फोर से उन दोनों को संबोधित किया।

यूपी-एमपी में नदियां उफान पर

देश के 15 राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट जारी

नई दिल्ली। (एजेंसी)

बारिश देश के कई राज्यों में आफत बन गई है। कहीं बाढ़ तो कहीं भूस्खलन से लोगों की जानें जा रही ही हैं। वहीं हिमाचल प्रदेश के कई जिलों में रविवार देर रात हुई तेज बारिश से लैंडस्लाइड हो गया। चंडीगढ़-शिमला नेशनल हाईवे-5 पर पहाड़ गिरने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। वहीं, तीन घायल हो गए। राज्य में अलग-अलग जगह लैंडस्लाइड के चलते 80 से ज्यादा सड़कें बंद हो गई हैं।

इसके अलावा किन्नौर जिले में बादल फटा गया। इससे इलाके में तेज बारिश हो रही है। घरों में पानी घुस गया है। वहीं यूपी के ललितपुर में बारिश से बाढ़ जैसे हालत बन गए हैं। राजघाट बांध के आठ और माताटीला बांध के 20 गेट खोले दिए गए हैं। इसके चलते बेतवा नदी उफान पर आ गई है। नदी किनारे बसे गांवों में अलर्ट जारी कर दिया गया है।

उधर, मध्य प्रदेश में भी तेज बारिश का दौर जारी है। प्रदेश में अब तक सामान्य से सात फीसदी ज्यादा बारिश हो चुकी है। यहां नर्मदा नदी उफान पर बह रही है। कोलार, बरगी, सतपुड़ा समेत कई डैम के गेट खोल दिए गए हैं और पानी छोड़ा जा रहा है। भारतीय मौसम विभाग ने आज यानी सोमवार को 15 राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है।

भारी बारिश 13 राज्य, 4 केंद्र शासित प्रदेश में हो सकती मध्य प्रदेश, गोवा, महाराष्ट्र, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, हरियाणा, दिल्ली, चंडीगढ़, कर्नाटक, केरल, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा, अंडमान-निकोबार। 30 जुलाई को नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में भारी से बहुत भारी बारिश हो सकती है। जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, यूपी, पूर्वी राजस्थान, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखंड, ओडिशा, गोवा, मध्य महाराष्ट्र, गुजरात में भारी बारिश की संभावना जताई गई है।

उज्जैन में शिप्रा नदी में मंदिर डूबे

मध्यप्रदेश के उज्जैन में शिप्रा नदी के तट पर मंदिर डूब गए हैं। शाजापुर में बाढ़ आ गई है, जिससे घर और दुकानों में पानी भर गया है। सोमवार को जबलपुर समेत आठ जिलों में तेज बारिश का अलर्ट जारी किया है। मंगलवार को तेज या भारी बारिश का दौर थमा रहेगा, लेकिन 31 जुलाई से प्रदेश में फिर मौसम एक्टिव होगा। इससे पूरा प्रदेश तरबतर हो जाएगा। प्रदेश के पश्चिमी हिस्से- भोपाल, इंदौर, उज्जैन, नर्मदापुरम, ग्वालियर-चंबल संभाग में एवरेज से 10फीसदी ज्यादा पानी गिर चुका है, जबकि पूर्वी हिस्से- रीवा, सागर, जबलपुर और शहडोल संभाग में 4फीसदी ज्यादा बारिश हुई है। पूर्वी हिस्से सिवनी, डिंडौरी, छिंदवाड़ा, मंडला और बालाघाट में सबसे ज्यादा बारिश हुई है।

ग्लोबल वार्मिंग: गंगोत्री ग्लेशियर का आकार एक साल में 18 फीसदी बढ़ा

अब गंगा बेसिन में रहने वाले लोगों को मिलेगा भरपूर पानी

देहरादून। (एजेंसी)

ग्लोबल वार्मिंग के चलते गंगोत्री ग्लेशियर का आकार एक साल में 18फीसदी बढ़ गया है। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि इस साल सर्दियों में गंगा में पर्याप्त पानी रहेगा। इससे उत्तराखंड से लेकर बंगाल तक गंगा बेसिन में रहने वाले लोगों को पानी की कमी नहीं होगी। एक रिपोर्ट के मुताबिक मई 2023 में गंगोत्री ग्लेशियर में बर्फ का आवरण 83फीसदी था, जो जून में 69फीसदी रह गया लेकिन ऊंचाई वाले हिमालय में अच्छी बर्फबारी हुई है, जिससे मार्च 2024 तक ग्लेशियर पर बर्फ का आवरण 86.14फीसदी पहुंच गया है।

वैज्ञानिकों का मानना है कि ग्लेशियर की सेहत सुधरेगी। ग्लोबल वार्मिंग से गंगोत्री ग्लेशियर पर पड़ रहे असर का अध्ययन करने के लिए अध्ययन केंद्र बनाए गए हैं, जहां मौसम, जल और भूकंप विज्ञान की वेधशाला स्थापित की गई है। इससे ग्लेशियर में हिमपात, बारिश और तापमान का अध्ययन किया जा रहा है। उपग्रह चित्रों का इस्तेमाल भी किया जा रहा है।

हिमालय में 2400 किमी में फैले हिमालय में 9,575 ग्लेशियर हैं। इसमें से 968 उत्तराखंड में हैं। इन ग्लेशियरों से भागीरथी, मंदाकिनी, पिंडर, यमुना, काली, कोसी जैसी बड़ी नदियां बहती हैं। इन नदियों पर 40 करोड़ से ज्यादा लोगों का जीवन निर्भर है। वैज्ञानिक शोध में यह सामने आ चुका है कि 87 साल में गंगोत्री ग्लेशियर करीब 1700 मीटर पिघल चुका है। 1935 से लेकर 2022 तक गंगोत्री ग्लेशियर का मुहाना लगातार पीछे खिसका है। ग्लोबल वार्मिंग को इसका मुख्य कारण माना जा रहा है।

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने अप्रैल में सैटेलाइट इमेज जारी कर दावा किया था कि हिमालय के ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं। हिमालय में पहचानी गई ग्लेशियल झीलों का आकार बढ़ा है। 1984 से 2023 तक हिमालय के भारतीय क्षेत्र में नदी घाटियों का कैचमेंट कवर करने वाली सैटेलाइट इमेजेज ने ग्लेशियल झीलों में आए परिवर्तन का संकेत दिया है। इसमें बताया गया है कि 2431 झीलों में से 676 ग्लेशियल झीलों का 1984 से 2016-17 में 10 हेक्टेयर से ज्यादा बढ़ी हैं। इसरो ने कहा था कि 676 झीलों में से 601 झीलें दो गुना से ज्यादा बढ़ी हैं, जबकि 10 झीलें 1.5 से दो गुना और 65 झीलें 1.5 गुना हैं।

बिहार में शिक्षा विभाग लापरवाही से नियोजित शिक्षकों के प्रमाण-पत्र गायब!

-कुछ सर्टिफिकेट विभाग के शौचालय और कूड़ेदान में मिले, जांच शुरु

किशनगंज। (एजेंसी)

बिहार के किशनगंज में चौंकाने वाली घटना घटी। यहां 700 से ज्यादा नियोजित शिक्षकों के प्रमाण पत्र गायब हो गए। इतना ही नहीं कुछ शिक्षकों के शिक्षा प्रमाण-पत्र शिक्षा विभाग के शौचालय और कूड़ेदान में मिले हैं। मामला तब प्रकाश में आया जब 1 अगस्त से शुरू होने वाली राज्यकर्मी का दर्जा देने की काउंसिलिंग से पहले इन शिक्षकों के सर्टिफिकेट गायब मिले। विभागीय लापरवाही के आरोपों के बीच अधिकारियों ने मामले की जांच शुरू कर दी है और दोषी कर्मचारियों को नोटिस जारी किया है। जानकारी के मुताबिक नियोजित शिक्षकों को राज्यकर्मी का दर्जा देने की प्रक्रिया शुरू होने वाली है। ऐसे में उनके प्रमाण पत्र काफी अहम हैं। शिक्षकों के भविष्य के लिए प्रमाण पत्र शिक्षा विभाग के आफिस में गायब हो गए। जांच में खुलासा हुआ कि 700 में से करीब 630 प्रमाण-पत्र आफिस के शौचालय और कूड़ेदान से बरामद किए गए हैं। इस घटना के बाद शिक्षकों ने विभाग की लापरवाही की कड़ी आलोचना की है और जिला प्रशासन से मामले की गहन जांच की मांग की है। उनका कहना है कि अगर उनके दस्तावेज ही सुरक्षित नहीं हैं, तो इससे उनकी नौकरी और भविष्य पर सवाल उठता है। शिक्षकों ने यह भी सवाल उठाया है कि जब उनके दस्तावेज ही गायब हैं तो एक अगस्त को होने वाली काउंसिलिंग किस आधार पर होगी? डीपीओ ने कहा है कि शुरुआती जांच में पता चला है कि ठाकुरगंज के शिक्षकों के दस्तावेज चार महीने पहले ही लेखा सहायक सुमित कुमार द्वारा क्लर्क साकेत सुमन को सौंप दिए गए थे। हालांकि, अभी यह साफ नहीं हुआ है कि ये अहम दस्तावेज शौचालय और कूड़ेदान में कैसे पहुंचे? जिला कार्यक्रम पदाधिकारी स्थापना ने बताया कि शिक्षा विभाग द्वारा फरवरी 2024 को सक्षमता परीक्षा हुई थी। सफल शिक्षकों का मार्च में वेरिफिकेशन के दौरान जिला कार्यक्रम पदाधिकारी स्थापना के कार्यालय में प्रवेश पत्र को बीआरसी में जमा लिया गया था। एक प्रखंड की फाइल ऑफिस से गायब थी जब नोटिस जारी किया तो फाइल मिल गई। नियोजित शिक्षकों को उसका प्रमाणपत्र वितरण की प्रक्रिया चल रही है। लापरवाह क्लर्क के खिलाफ नोटिस जारी कर आगे जो भी विधि सम्मत कार्रवाई होगी कि जाएगी।

मनीष सिसोदिया की जमानत याचिका पर सुनवाई टली

-अब 5 अगस्त को होगी सुनवाई

नई दिल्ली।

सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को मनीष सिसोदिया की जमानत याचिका पर सुनवाई होने थी, लेकिन सुनवाई स्थगित कर दी गई। आबकारी नीति और भ्रष्टाचार से जुड़े मामले में दिल्ली के पूर्व उप-मुख्यमंत्री और आप नेता मनीष सिसोदिया की जमानत याचिका पर सुनवाई को 05 अगस्त तक के लिए स्थगित कर दिया गया है। सुप्रीम कोर्ट में आबकारी नीति मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जमानत याचिका खारिज करने के दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती देने वाली आप नेता मनीष सिसोदिया की याचिका पर सोमवार को सुनवाई तय थी, जिसे स्थगित करते हुए 05 अगस्त को सुनवाई करने के लिए कहा गया है। इसी के साथ सुप्रीम कोर्ट ने प्रवर्तन निदेशालय को 01 अगस्त तक जवाब दाखिल करने को कहा है। इसी दौरान सीबीआई ने सुप्रीम कोर्ट को सूचित करते हुए बताया कि उनकी तरफ से जवाब दाखिल किया जा चुका है। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई के जवाब को रिकॉर्ड पर लाने के निर्देश दे दिए।

गौरतलब है कि जस्टिस बीआर गवई और केवी विश्वनाथन की पीठ 29 जुलाई को इस मामले में सुनवाई कर रही थी। यहां सिसोदिया की ओर से पेश वकील ने तर्क देते हुए कहा कि आप के वरिष्ठ नेता 16 माह से जेल में हैं और केस आगे नहीं बढ़ रहा है। अक्टूबर 2023 से जांच में किसी प्रकार की प्रगति नहीं हुई है। अब जमानत मामले में सुनवाई 05 अगस्त तक टाल दी गई है।

सभापति धनखड़ ने क्यों कहा.......कोचिंग एक धंधा बन चुका, विज्ञापन देखिए

नई दिल्ली। (एजेंसी)

दिल्ली के आईएएस कोचिंग संस्थान में पानी भरने से तीन छात्रों की मौत का मामला सोमवार को संसद में गूंजा। इस पर राज्यसभा में बहस छिड़ी तब सभापति जगदीप धनखड़ ने भी टिप्पणी की। सभापति धनखड़ ने संसद में कहा कि कोचिंग एक धंधा बन चुका है। उन्होंने कहा, कोचिंग आज एक तरह से धंधा बन गया है। हम हमेशा अखबार पढ़ते हैं,तब शुरुआत के एक दो पन्नों में उनके ही विज्ञापन मिलते हैं। बता दें कि बेसमेंट में पानी भरने से तीन कोचिंग स्टूडेंट्स की मौत हुई थी। इसके अलावा बीते सप्ताह ही एक छात्र की बारिश होने के बाद करंट लगने से मौत हुई थी। सभापति धनखड़ ने कहा, यह

गंभीर मुद्दा है। हम अखबार पढ़ते हैं तब देखते हैं कि पहला पेज कोचिंग, दूसरा पेज कोचिंग और फिर तीसरा पेज भी कोचिंग के विज्ञापन से भरा हुआ है। यह खर्चा आखिर कहां से आता है। उन्हीं छात्र से जो अपना भविष्य बनाना चाहता है। यह घटना दुखद है। इस पर आप सभी लोग सुझाव दीजिए। आप लोग बताएं कि आखिर कैसे नवयुवकों को रोजगार मिल सकते हैं।

मैं जब इसरो गया वहां देखा कि कोई भी आईआईटी और आईआईएम का नहीं था। सभी गांवों के पढ़े हुए लोग थे।

आज हमारे डॉक्टर ही बीमार हो रहे, यह स्वास्थ्य मंत्री के लिए शर्म की बात

सपा विधायक ने सदन में उठाए सवाल, ब्रजेश पाठक ने दिया जवाब

लखनऊ। (एजेंसी)

यूपी विधानसभा में मानसून सत्र के पहले दिन समाजवादी पार्टी की विधायक रागिनी सोनकर ने यूपी सरकार में स्वास्थ्य मंत्री ब्रजेश पाठक पर सवाल दागे। उन्होंने कुछ तस्वीरें भी लहराईं। सपा विधायक के सवालों का यूपी के डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने जवाब भी दिया। एमएलए रागिनी ने आरोप लगाया कि हम मरीजों को क्या ठीक करेंगे, हमारे तो डॉक्टर बीमार हो रहे हैं। कोई मलेरिया तो कोई डेंगू से। यह हमारे स्वास्थ्य मंत्री के लिए बहुत ही शर्मिंदगी की बात है। उन्होंने आरोप लगाया कि बीते सालों में डॉक्टर्स की संख्या नहीं बढ़ी। आज यूपी कैंसर जैसी बीमार से देश में टॉप पर है। 2024 में कैंसर के 16 लाख मरीज हैं। हर साल 2 लाख मरीज बढ़ रहे हैं। गरीब मरीजों के पास न तो पैसा है और न ही अस्पताल में बेड। अगर कोई निजी अस्पताल जाता हैं तो ज्यादा खर्च होता है। क्या यूपी सरकार इस बड़े खर्च में मरीजों की आर्थिक मदद करेगी?सपा विधायक ने पूछा कि क्या पीपीपी मॉडल के आधार पर गंभीर रूप से ग्रसित बीमारियों के शिकार मरीजों का मुफ्त में और समय पर इलाज देने के लिए सरकार काम करेगी?

रागिनी के सवाल पर मंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि यूपी सरकार ने जिला अस्पताल के जरिए लगातार बेहतर स्वास्थ्य व्यवस्था दी हैं। जहां तक पैसे के अभाव में इलाज न होने की बात है तो आयुष्मान योजना के जरिए लोगों का इलाज किया जा रहा है। सरकारी के साथ-साथ निजी अस्पतालों में भी निःशुल्क इलाज हो रहा है। हमारे पास 108 और 102 दोनों मिलाकर 4400 एंबुलेंस है। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि आज हर जिला मुख्यालय के जिला अस्पताल में डायलिसिस की सुविधा मौजूद है। 71 अस्पतालों में सिटी स्कैन की सुविधा है। टीबी रोगियों पर भी हमारी सरकार ने काम किया और उनका इलाज हो रहा है। गंभीर रोगों से पीड़ित लोगों के इलाज के लिए हमारी सरकार मदद कर रही है। जौनपुर मेडिकल कॉलेज के संदर्भ में ब्रजेश पाठक ने कहा कि यहां का मेडिकल कॉलेज का काम सपा के कार्यकाल में शुरु हुआ और उसमें टेंडर टाटा कंपनी को मिला था।

संक्षिप्त समाचार

1831 तीर्थयात्रियों का जत्था बाबा बफार्नी के दर्शन करने रवाना

जम्मू। अमरनाथ यात्रा के लिए 1831 तीर्थयात्रियों का जत्था सोमवार को जम्मू-कश्मीर के भगवती नगर शिविर से अमरनाथ गुफा मंदिर के लिए रवाना हुआ। तीर्थयात्री 63 वाहनों के काफिले में पहलगाम और बालटाल दोनों मार्गों के लिए रवाना हुए। इनमें से बालटाल के लिए 568 तीर्थयात्री और पहलगाम के लिए 1263 तीर्थयात्री कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच रवाना हुए। गौरतलब है कि पिलछे साल 4.5 लाख से ज्यादा तीर्थयात्रियों ने गुफा मंदिर में बाबा बफार्नी के दर्शन किए थे। इस साल 52 दिवसीय अमरनाथ यात्रा 19 अगस्त को संपन्न होगी।

9वीं, 10वीं और 11वीं के आधार पर बनेगा 12वीं का रिजल्ट

-केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय को सौंपी रिपोर्ट

नई दिल्ली । केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय को सौंपी गई रिपोर्ट में सुझाव दिया गया है कि 12वीं कक्षा में अंतिम अंक देते समय कक्षा 9वीं, 10वीं और 11वीं में एक छात्र के प्रदर्शन पर विचार होना चाहिए। देश भर के स्कूल बोर्डों द्वारा मूल्यांकन को मानकीकृत करने के उद्देश्य से एनसीईआरटी की एक इकाई, परख के प्रस्ताव में सुझाव दिया गया है कि कक्षा 12वीं के रिपोर्ट कार्ड में परीक्षा और निरंतर क्लासवर्क के आधार पर तीन कक्षाओं में प्रदर्शन का मूल्यांकन किया जाना चाहिए। परख रिपोर्ट में 12वीं के रिजल्ट में 9वीं की 15 प्रतिशत, कक्षा 10वीं की 20 प्रतिशत और कक्षा 11वीं की 25 फीसदी वेटेज की कही गई है। सूत्रों ने कहा कि इस रिपोर्ट को फीडबैक के लिए सभी स्कूल बोर्डों के साथ साझा किया जाएगा। दरअसल, पिछले हफ्ते हरियाणा, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, राजस्थान, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश और बिहार के अधिकारियों के साथ पहले दौर की चर्चा हुई थी। बैठक में राज्यों ने तर्क दिया कि कक्षा 9, 10 और 11 के प्रदर्शन को अंतिम कक्षा 12 के रिपोर्ट कार्ड में एकीकृत करने के बजाय, कक्षा 9 से 40 प्रतिशत स्कोर और कक्षा 10 से 60 प्रतिशत को अंतिम कक्षा 10 के स्कोर में योगदान देना चाहिए। इसतरह कक्षा 11 के स्कोर का 40 प्रतिशत और कक्षा 12 का 60 प्रतिशत अंतिम कक्षा 12 के स्कोर में योगदान देना चाहिए।

जब सदन में गूंजा मनु का नाम, स्पीकर बोले- वे हैं बधाई की पात्र

नई दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने पेरिस ओलंपिक में कांस्य जीतने वाली मनु भाकर को बधाई दी। उन्होंने कहा कि मनु ने कांस्य पदक जीतकर भारत का मान और सम्मान बढ़ाया है और इसके लिए वे बधाई की पात्र हैं। स्पीकर ने कहा कि मनु भाकर ने पेरिस ओलंपिक में महिलाओं की दस मीटर एयर पिस्टल प्रतिस्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर इतिहास रचा है। ऐसा करके वह निशानेबाजी में ओलंपिक पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी बन गईं हैं। उनकी सफलता मनु ने जिस तरह से देश का नाम ऊंचा किया है, उसकी जितनी तारीफ की जाए, उतनी कम है। हम सदन की ओर से उन्हें बधाई देते हैं। इसके अलावा, हम शेष खिलाड़ियों से भी उम्मीद करते हैं कि वह इसी तरह पेरिस ओलंपिक में पदक जीतकर भारत का नाम ऊंचा करेंगे। हमारे खिलाड़ी लगातार वैश्विक मंच पर तिरंगा लहरा रहे हैं। इसके लिए उनकी तारीफ कर उनका हौसला बढ़ाना चाहिए। बता दें मनु भाकर के मेडल जीतने के बाद पीएम मोदी ने उनसे फोन पर बात की। पीएम ने उनसे कहा कि आपकी मेहनत रंग लाई है। मुझे पूरी उम्मीद है कि आप आगे की स्पर्धाओं में भी अच्छा प्रदर्शन करेंगी। मनु ने पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतकर 12 साल के इंतजार को खत्म कर दिया। इसके साथ ही वो मेडल जीतने वाली पहली भारतीय महिला निशानेबाज बन गई।

लगातार घट रही है वेतन भोगियों की संख्या, स्वरोजगार की संख्या बढ़ी

नई दिल्ली । भारत सरकार ने 2024-25 के बजट में घोषणा की है। सरकार रोजगार सृजन करने के लिए 2 लाख करोड रुपए खर्च करेगी। बजट के पहले जो केंद्र सरकार का आर्थिक सर्वेक्षण आया था। उसे सर्वे के अनुसार 2022-23 में भारत में वेतन भोगियों की संख्या घटी है। आर्थिक सर्वेक्षण में इसकी हिस्सेदारी 20.9 फ़ीसदी बताई गई है। जबकि 2019 में यह 23.8 फ़ीसदी थी। लगभग 3 फ़ीसदी 2018 की तुलना में घट गई है। स्वरोजगार करने वालों की हिस्सेदारी लगातार बढ़ रही है। 2018 में यह 52.1 फ़ीसदी थी। जो 2023 में बढ़कर 57.3 फ़ीसदी हो गई है। केंद्र सरकार ने जो आर्थिक सर्वे पेश किया था। उसके अनुसार भारत की श्रम शक्ति 58.5 करोड़ है। इसमें वेतन भोगी नौकरियों की संख्या 11.8 करोड़ है। शहरी क्षेत्र में वेतन भोगियों की संख्या 56 फ़ीसदी है। इसमें मैन्युफैक्चरिंग, ट्रेड एंड ट्रेवल तथा होटल और टूरिज्म के साथ सरकारी नौकरियों भी शामिल हैं। इसमें श्रमिकों की हिस्सेदारी लगभग 38 फ़ीसदी है।

55 लाख के नकली नोट थमा......दो कारोबारियों से ठगी

नई दिल्ली । (एजेंसी)

बेंगलुरु के कारोबारी के साथ ऐसा धोखा हुआ है, जिसकी उन्होंने कल्पना भी नहीं की होगी। दो अलग-अलग मामलों में करीब 92 लाख रुपये के नकली नोट इधर से उधर करने की खबर आई है। दो व्यापारियों ने अपने बिजनेस में पैसा लगाने के लिए अपने ही दोस्तों से पैसा मांगा था। पैसा मिला, लेकिन नोट नकली थे। इस मामले की केंद्रीय अपराध शाखा (सीसीबी) पुलिस इन मामलों की जांच कर रही है।

रिपोर्ट में दिव्यांश संकलेचा ने बताया कि वे इंदिरानगर में एक फर्नीचर आउटलेट चलाते हैं। उन्हें 30 लाख रुपये की तुरंत जरूरत थी। उन्होंने अपने रिश्तेदार ज्योति बाबू से मदद मांगी। संकलेचा दिल्ली आकर पैसे लेने में असमर्थ थे, इसलिए उनके पिता ने अपने रिश्तेदारों और दोस्तों से पैसे इकट्ठा करने को कहा। 2 जुलाई को एक व्यक्ति ने संकलेचा के पिता को फोन कर अपना नाम रमेश बताया। रमेश ने दावा किया कि उसके दोस्तों ने बताया था कि उन्हें 30 लाख लाने के लिए किसी की जरूरत है। उसके आदमी काम कर देगा और एक बार जब उसके आदमी बाबू से दिल्ली में पैसे पा लेगा, उसका सहयोगी सुरेश उन्हें बेंगलुरु में पैसा सौंप देगा।

संकलेचा ने बाबू की डिटेल रमेश को भेजी। 3 जुलाई को लगभग 2 बजे सुरेश ने फोन कर बताया कि 30 लाख रुपये तैयार हैं और मराठाहल्ली में नकद लेने के लिए कहा। जब संकलेचा मौके पर पहुंचे तब सुरेश और एक अन्य व्यक्ति उनकी कार में बैठ गए और उन्हें 500 रुपये के बंडल दे दिए। बंडल पर बैंक की सील लगी थी। संकलेचा ने बाबू को फोन कर बताया कि कैश मिल गया है। घर लौटने के बाद उन्होंने देखा कि प्रत्येक बंडल में ऊपर और नीचे के केवल दो नोट असली हैं, और बाकी नकली थे। उनके पैरों तले से जमीन खिसक गई और उन्हें एहसास हो गया उन्हें ठग लिया गया है।

एक अन्य बिजनेसमैन प्रेम कुमार जैन ने भी ऐसा ही मामला रिपोर्ट किया है। कपड़े के कारोबार के लिए 25 लाख रुपये की जरूरत थी, इसलिए उन्होंने अपने दोस्त बिपिन से संपर्क किया। बिपिन ने बताया कि उसका दोस्त माही दिल्ली से उन्हें पैसे देगा।

जैन ने दावा किया कि एक व्यक्ति जयेश ने फोन पर बताया कि अगर कोई बेंगलुरु में बड़ी रकम लाना चाहता है, तब वह काम कर सकता है। इसलिए जैन ने माही की डिटेल जयेश को दी। 14 जून को जैन ने जयेश से नागरथपेट के एक मंदिर के पास मुलाकात की और 500 रुपये के नोटों के बंडल प्राप्त किए। बाद में जैन ने पाया कि प्रत्येक बंडल में ऊपर और नीचे के दो नोट असली थे, बाकी सब नकली।

ठगों ने नोएडा की नैनीताल बैंक के एटीएम से निकाले 16.1 करोड़ रुपए

नोएडा । (एजेंसी)

नोएडा में सेक्टर-62 स्थित नैनीताल बैंक से 16.1 करोड़ रुपए निकालने के मामले में पुलिस को अहम जानकारी मिली है। नोएडा समेत देश के कुल 9 एटीएम से ठगी की रकम निकाली गई है। इसके सबूत साइबर क्राइम थाने की पुलिस को मिले हैं।

बैंक ने पुलिस को पहले सर्वर हैक कर रुपए के ट्रांजेक्शन की जानकारी दी थी। तब बताया था कि 84 बार ट्रांजेक्शन कर बैंक से पैसे निकाले गए। हालांकि जांच के दौरान पुलिस को अलग-अलग राज्यों से ट्रांजेक्शन का पता चला है। अब इन एटीएम बूथ के अंदर और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज खंगाले जा रहे हैं। ताकि ठगों की पहचान की जा सके और यह भी पता लगाया जा सके कि कैसे इस फ्रॉड को अंजाम दिया गया। नोएडा में नैनीताल बैंक का सर्वर हैक कर ठगों ने 16 करोड़ से ज्यादा ट्रांसफर किए। बैलेंस शीट का सही मिलान न होने पर बैंक कर्मचारियों के होश उड़ गए। आटी मैनेजर ने साइबर क्राइम थाने में केस दर्ज कराया। जांच हुई तो सामने आया कि ठगों ने बैंक के रियल टाइम ग्रंस सेटलमेंट चैनल को ही हैक कर लिया था। बैंक से 5 दिनों में 84 बार ट्रांजेक्शन किया गया, लेकिन कर्मचारियों को इसकी भनक तक नहीं लगी। नोएडा के 2 लोगों ने 7 लाख रुपए सेक्टर-51 स्थित एक एटीएम से निकाले 2 लोगों द्वारा सात लाख रुपए निकालने का मामला सामने आया था। पुलिस ने एटीएम में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी कब्जे में कर ली थी।

जानकारी मिली है कि जिन लोगों ने यह राशि निकाली वे गाजियाबाद के रहने वाले हैं। ये लोग वे हैं जिन्होंने अपने खाते का इस्तेमाल किया है। इसके अलावा सेक्टर-62 के केनरा बैंक के खाते में 42 लाख रुपए आए थे।

खैबर पख्तूनख्वा में दो कबाइली समूहों में संघर्ष, 36 की मौत, 162 जख्मी

करांची। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा के कुर्रम जिले में जमीन के एक टुकड़े के लिए दो कबाइली समूहों में भीषण संघर्ष हुआ जिसमें कम से कम 36 लोगों की मौत हो गई और करीब 162 घायल हो गए हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अधिकारियों ने बताया कि कुर्रम जिले के बोशेरा गांव में पांच दिन पहले भीषण संघर्ष हुआ। इस गांव में पहले भी जनजातियों और धार्मिक समूहों के बीच संघर्ष के साथ-साथ सांप्रदायिक झड़पें और आतंकवादी हमले हो चुके हैं। पुलिस ने बताया कि अफगानिस्तान की सीमा से लगे खैबर पख्तूनख्वा के कुर्रम जिले में पिछले पांच दिन में जनजातीय संघर्ष में 36 लोग की मौत हो गई और करीब 162 घायल हुए हैं। घायलों का अस्पताल में इलाज जारी है। पुलिस ने बताया कि आदिवासी बुजुर्गों, सैन्य नेतृत्व, पुलिस और जिला प्रशासन की मदद से कुछ समय पहले बोशेरा, मलिकेल और डंडार इलाकों में कबाइली जनजातियों के बीच समझौता कराया गया था। हालांकि, जिले के कुछ अन्य हिस्सों में गोलीबारी अभी भी जारी है। वहीं, एक अधिकारी ने बताया कि अन्य इलाकों में भी संघर्षविराम के प्रयास किए जा रहे हैं।

चीन में भारी से बारिश से हुए भूस्खलन में 15 की मौत

बीजिंग। चीन के दक्षिणी हुनान प्रांत में भारी बारिश से हुए भूस्खलन से मरने वालों की संख्या 15 हो गई है। करीब छह घायल हुए हैं। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटनास्थल पर 300 से ज्यादा बचावकर्मियों को तैनात किया गया था। अब अभियान पूरा हो गया है। इससे पहले रविवार को एक घटना हेंगयांग जिले में एक गांव में हुई थी। भूस्खलन से एक गेस्ट हाउस धंस गया था जिसमें 21 लोग मलबे में दब गए।

लक्ष्मी साबित हो रही कमला हैरिस, 1 हफ्ते में जुटाए 1600 करोड़ रुपये

वाशिंगटन। अमेरिका में राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार कमला हैरिस ने रविवार को अपने लेटेस्ट फंडरेजिंग की घोषणा की। इस दौरान उन्होंने बताया कि हैरिस की कैंपेन टीम को 66 प्रतिशत से अधिक फंड 2024 के चुनाव में पहली बार चंदा दे रहे लोगों से प्राप्त हुआ है। वहीं, 1,70,000 से अधिक वॉलंटियर्स ने कमला हैरिस के कैंपेन में मदद करने के लिए साइन अप किया है। फोन कॉल, जनसंपर्क और वोटिंग से जुड़े कामों में यह लोग मदद करेंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन राष्ट्रपति पद की दौड़ से बाहर होने के बाद उन्होंने अपने उत्तराधिकारी के रूप में अपनी डिप्टी कमला हैरिस का समर्थन किया। इसके एक हफ्ते बाद ही कमला हैरिस ने आधिकारिक तौर पर अमेरिका के राष्ट्रपति पद के लिए अपनी उम्मीदवारी की घोषणा की। इसके बाद से कमला हैरिस लगातार चुनाव अभियान में जुटी हुई है। उनके चुनावी अभियान को जबरदस्त

समर्थम मिल रहा है। शायह यहीं कारण है कि कमला हैरिस को महज एक सप्ताह में ही 200 मिलियन डॉलर (16,74,20,70,000) का फंड मिला है। यह सभी धनराशि उन्होंने चुनाव अभियान के दौरान जुटाई है। इस बीच, डोनाल्ड ट्रंप के अभियान ने जुलाई की शुरुआत में कहा कि उसने दूसरी तिमाही में 331 मिलियन अमरीकी डॉलर जुटाए, जो कि डेमोक्रेटिक सहयोगियों द्वारा जुटाए गए 264 मिलियन अमरीकी डॉलर से अधिक है। जून के अंत में ट्रंप के अभियान के पास 284.9 मिलियन अमरीकी डॉलर नकद थे, जबकि उस समय डेमोक्रेटिक अभियान के पास 240 मिलियन अमरीकी डॉलर नकद थे। चुनावों में अब 100 दिन बाकी हैं। पिछले हफ़्ते के सर्वेक्षणों में हैरिस और ट्रंप के बीच बराबरी का मुकाबला देखने को मिला है, जिससे अभियान के लिए कड़ी टक्कर की स्थिति बन गई है।

ईरान में आसमान से बरस रही आग, लोगों से बाहर नहीं निकलने की अपील

–सरकारी ऑफिसों में काम के घटाए घंटे, स्कूल, कॉलेज व निजी संस्थान बंद

तेहरान। जलवायु परिवर्तन के इस दौर में मौसम कब और कैसा हो जाए यह कह नहीं सकते। भारत में जहां कई इलाकों में भारी बारिश तबाही मचा रही है। वहीं, ईरान में आसमान से आग बरस रही है। भीषण गर्मी के चलते ऑफिस, स्कूल, बैंक आदि में काम के घंटों में कटौती करने के साथ ही रविवार को सभी सरकारी और वाणिज्यिक संस्थानों को बंद रखने का आदेश दिया गया। मौसम विभाग के मुताबिक ईरान की राजधानी तेहरान में तापमान 37 डिग्री सेल्सियस से लेकर 42 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ज्यादा तापमान से लोगों की हेल्थ और बिजली बचाने के लिए रविवार को देशभर में बैंक और सार्वजनिक संस्थान बंद रखे गए। केवल इमरजेंसी और हेल्थ सेवाएं ही चाले रही। भीषण गर्मी से कई प्रांतों में काम के घंटों में कटौती की गई है। बता दें शुक्रवार से तेहरान में 40 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा तापमान दर्ज किया गया है। अधिकारियों ने लोगों को शाम पांच बजे तक घरों से बाहर नहीं निकलने की सलाह दी है। मीडिया के मुताबिक ईरान का तापमान वैश्विक तापमान की दोगुनी गति से बढ़ रहा है। ईरान के कई राज्यों में भीषण गर्मी का अलर्ट जारी किया है। करमानशाह, सेमनान, यज़्द, इस्फहान, लोरेस्तान, कोम, हमादान, सिस्तान और बलूचिस्तान और मरकजी प्रांतों में भीषण गर्मी से निपटने के लिए कई उपाय किए जा रहे हैं। लोरेस्टन में सरकारी ऑफिसों को सुबह 6 बजे से 11 बजे तक काम करने को कहा गया है। हमीदान, सिस्तान और बलूचिस्तान प्रांतों में कार्यालय दो घंटे पहले बंद हो जाएंगे। करमानशाह प्रांत ने पूरी तरह बंद की घोषणा की।

कैलिफोर्निया के जंगलों लगी आग, लाखों एकड़ जमीन जलकर राख

अमेरिका। अमेरिका का कैलिफोर्निया शहर आग से जूझ रहा है। जंगल में तेज से बढ़ रही आग को हजारों अग्निशामक बुझाने का प्रयास कर रहे हैं। कैलिफोर्निया के पार्क की आग ने 350,000 एकड़ से लेकर उत्तर की 90 मील से ज्यादा जमीन को पूरी तरह से तबाह कर दिया है। मीडिया रिपोर्ट में कैलिफोर्निया और अग्नि सुरक्षा विभाग की तरफ से बताया गया है कि क्षेत्र में ठंडे तापमान और ज्यादा तेज हवा की उम्मीद जताई जा रही है, संभावित रूप से इसके प्रसार को कम करने के प्रयास किए जा रहे हैं। शनिवार शाम तक जमीन के 10 फीसदी हिस्से पर लगी आग काबू पा लिया गया था। अधिकारियों ने कहा कि 134 संरचनाएं नष्ट हो गई है। साथ ही अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन को आग के बारे में जानकारी दे दी गई है। उन्होंने अपनी टीम को हर संभव प्रयास करने का निर्देश दिए हैं। कई लोगों वहां से निकले आदेश और चेतावनियां जारी की है। थोम्पसन की आग की शुरुआत सैक्रामेंटो से करीब 70 मील यानी 110 किलोमीटर उत्तर में बट काउंटी के ओरोविले शहर के पास से शुरु हुई। इसके चलते धुएं का एक विशाल गुबार उठा, जिसे अंतरिक्ष से भी देखा जा सकता था क्योंकि यह 5.5 वर्ग मील यानी 14 किलोमीटर से ज्यादा तक फैल हुआ था। वहीं अमेरिका का पैराडाइज वह शहर है जो 2018 कैंप फायर से तबाह हो गया था। नेशनल इंटरएजेंसी फायर सेंटर के मुताबिक यह आग दर्जनों सक्रिय आग में से सबसे बड़ी थी। इस आग ने दो मिलियन एकड़ से ज्यादा की जमीन को राख कर दिया था।

टोक्यो में अमेरिकी विदेशमंत्री एंटोनी ब्लींकन ऑस्ट्रेलियाई विदेशमंत्री पेनी वोंग और भारतीय विदेशमंत्री एस जयशंकर के साथ ही जापान के विदेशमंत्री योको केमीकोवा एक साथ नजर आये।

विदेश मंत्रियों की बैठक में बोले जयशंकर, बड़ी-बड़ी बातें करने का नहीं, व्यावहारिक परिणाम का है ये मंच

टोक्यो (एजेंसी)। विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने कहा कि भारत में 1,400 जापानी व्यवसाय चल रहे हैं। हम इस संख्या को बढ़ते देखना चाहते हैं, हमने 2027 तक अ5 ट्रिलियन यानी 42 बिलियन का निवेश लक्ष्य रखा है। जापानी कंपनियों ने कई मायनों में भारत में ऑटोमोबाइल क्रांति को गति दी। यह साझेदारी मेट्रो के प्रसार के लिए कारण थी। हम अभी एक महत्वपूर्ण हाई-स्पीड रेलवे परियोजना में लगे हुए हैं और निश्चित रूप से सेमीकंडक्टर, एआई या ईवी और ग्रीन एनर्जी जैसी वैश्विक प्राथमिकताएँ हमारे साथ काम करने के लिए बहुत संभावनाएँ प्रदान करती हैं...ये आज द्विपक्षीय और क्वाड दोनों में हमारी बातचीत का केंद्र बिंदु हैं क्योंकि इनका बड़ा निहितार्थ है। हमारे व्यापारिक समुदायों के गहन नेटवर्किंग से हमारे प्रयासों को बल मिलेगा, जिसे हम बढ़ावा देना चाहेंगे।

टोक्यो में क्वाड देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक में जयशंकर ने कहा कि क्वाड लंबे समय तक टिकने, काम करने और आगे बढ़ने के लिए है। क्वाड के सदस्य देशों के बीच सहयोग यह सुनिश्चित कर सकता है कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र स्वतंत्र, खुला, स्थिर, सुरक्षित और समृद्ध बना रहे। राजनैतिक लोकतंत्र, बहुलवादी समाज और बाजार आधारित अर्थव्यवस्था होने के नाते क्वाड देशों पर अतिरिक्त महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां हैं। क्वाड बड़ी-बड़ी बातें करने का नहीं, बल्कि व्यावहारिक परिणाम उत्पन्न करने का मंच है। क्वाड विश्वसनीय साझेदारी और अंतरराष्ट्रीय सहयोग का शानदार समकालीन उदाहरण है। क्वाड देश मुक्त एवं खुले हिंद-प्रशांत क्षेत्र, नियम-आधारित व्यवस्था और वैश्विक भलाई के लिए मिलकर काम कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि मैं 'क्वाड' समूह के निरंतर आगे बढ़ने में उनके मार्गदर्शन की सराहना करता हूं तथा भारत-जापान संबंधों को और प्रगाढ़ बनाने के बारे में उनके विचारों को महत्व देता हूं। भारत समेत 'क्वाड' (चतुष्पक्षीय सुरक्षा संवाद) के सदस्य देशों ने सोमवार को स्वतंत्र एवं खुले हिंद-प्रशांत को लेकर अपनी दृढ़ प्रतिबद्धता दोहराई और कहा कि किसी भी देश को दूसरे देश पर हावी नहीं होना चाहिए तथा प्रतिस्पर्धा का जिम्मेदारी से प्रबंधन किया जाना चाहिए।

रुस नहीं दे पा रहा हथियार, अब भारत से आर्मेनिया ने खरीदे खतरनाक रॉकेट, तोप और ड्रोन

येरेवान। आर्मेनिया भारत से हथियार खरीदने वाला सबसे बड़ा आयातक बन गया है। आर्मेनिया ने भारत के साथ पिनाका मल्टीपल लॉन्च रॉकेट सिस्टम और आकाश एयर डिफेंस सिस्टम खरीदा है। आर्मेनिया ने अजरबैजान के हाथों नगर्नो कराबाख युद्ध में हार के बाद भारत से हथियार खरीदने की ओर बढ़ा है। अजरबैजान ने तुर्की, इजरायल और पाकिस्तान के हथियारों की मदद से आर्मेनिया को हराया था। यही नहीं रूस भी यूक्रेन युद्ध के बाद आर्मेनिया को हथियार नहीं दे रहा था। आर्मेनिया को भारत के हथियार देने से अजरबैजान के राष्ट्रपति इल्हाम अलियेव टेंशन में आ गए है। अलियेव ने पिछले दिनों कहा था कि यह हमारे लिए राष्ट्रीय सुरक्षा का मामला है। हम देख रहे हैं कि फ्रांस, भारत और ग्रीस किस तरह से हमारे खिलाफ आर्मेनिया को हथियार भेज रहे हैं और खुलकर वे ऐसा कर रहे हैं। हम बैठकर इंतजार नहीं कर सकते हैं। बताया जा रहा है कि आर्मेनिया ने 60 करोड़ डॉलर का हथियार भारत से साल 2024-25 में खरीदा है। बता दें भारत और आर्मेनिया ने साल 2020 में कराबाख युद्ध के बाद द्विपक्षीय सैन्य संबंधों को बढ़ाया है। वह भी तब जब पाकिस्तान और तुर्की अजरबैजान को हथियार दे रहे हैं। तुर्की ने अपने किलर टीबी-2 किलर ड्रोन अजरबैजान को दिए हैं। भारत से आर्मेनिया ने पिनाका रॉकेट सिस्टम, तोप, एंटी टैंक रॉकेट और एंटी ड्रोन सिस्टम खरीदा है। आर्मेनिया ने भारत से 90 तोप खरीदी है जो अगले तीन साल में उसे मुहैया कराई जाएगी। इनमें से छह तोपें पहले ही आर्मेनिया को भेजी जा चुकी है। इस साल मई महीने में दोनों देशों के सैन?य अधिकारियों ने बैठक आयोजित की थी। इस बैठक सैन्य सहयोग में न केवल हथियारों की सप्लाई शामिल है, बल्कि सैन्य शिक्षा, रणनीतिक ट्रेनिंग और अनुभव साझा करना शामिल है।

अगर इमरान बातचीत के लिए राजी तो हम भी तैयार हैं : बिलावल भुट्टो

इस्लामाबाद। बिलावल भुट्टो जरदारी की पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी ने कहा है कि अगर पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के संस्थापक इमरान खान बातचीत करने के इच्छुक हों, तो उनकी पार्टी उनसे बातचीत करने को तैयार है। इमरान खान फिलहाल जेल में बंद हैं। पीपीपी के वरिष्ठ नेता खुर्शीद शाह ने बलूचिस्तान की राजधानी क्वेटा में मीडिया से बात करते हुए कहा कि अगर पीटीआई संस्थापक इमरान खान बातचीत के लिए तैयार हैं तो यह सकारात्मक बात है। शाह ने बातचीत की संभावना का स्वागत करते हुए इसे सकारात्मक घटनाक्रम बताया। मीडिया रिपोर्ट में शाह के हवाले से कहा गया है राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने हमेशा बातचीत के जरिए समस्याओं को सुलझाने की कोशिश की है और जरूरत पड़ने पर पीपीपी अपनी भूमिका निभाएगी। पीपीपी की इमरान खान की पार्टी के साथ सहयोग करने की इच्छा, पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) के नेतृत्व वाली सरकार के खिलाफ पीटीआई के सख्त रुख के बाद बढ़ी हुई राजनीतिक अस्थिरता के बीच सामने आई है।

अमेरिकी आदेश के बाद पुतिन की धमकी... क्या तीसरी जंग की तैयारी

मॉस्को (एजेंसी)। जर्मनी में लॉन्ग रेंज की मिसाइल तैनात करने के अमेरिकी फैसले को लेकर रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने आपत्ति जाहिर कर धमकी दी है। पुतिन ने कहा कि अगर अमेरिका ऐसा करता है, तब वह इंटरमीडिएट रेंज के न्यूक्लियर हथियारों को बनाना शुरू कर देगा। इसके अलावा पश्चिमी देशों को जद में रखने वाली मिसाइलों को तैनात कर दिया जाएगा। पुतिन ने कहा कि जर्मनी में अमेरिका द्वारा लंबी दूरी की और हाइपरसोनिक मिसाइलों की तैनाती की योजना के जवाब में रूस नए हमलावर हथियार तैनात किए जाएंगे।

पुतिन ने कहा कि 2026 से ही एसएम-6, तोमाहॉक क्रूज मिसाइल और हाइपरसोनिक हथियारों को तैनात करेगा।

दरअसल अमेरिका ने घोषणा की थी कि वह 2026 में हथियारों की तैनाती शुरू कर देगा ताकि फरवरी 2022 में यूक्रेन में मॉस्को के चौतरफा आक्रमण के बाद, उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) और यूरोपीय देशों की रक्षा के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि कर सके। वाशिंगटन और मॉस्को दोनों ने हाल के हफ्तों में मध्यम दूरी की मिसाइल तैनात करने में तत्परता का संकेत दिया है। इसपर 1987 की अमेरिका-सोवियत संधि के तहत दशकों से प्रतिबंध लगा हुआ था। अमेरिका ने 2019 में इस समझौते से खुद को अलग कर लिया था और मॉस्को पर मिसाइल परीक्षण करने का आरोप लगाया था, जो समझौते का उल्लंघन करता है। रूस ने इन आरोपों का खंडन किया है।

पाकिस्तान के खिलाफ ग्वादर में जुटाई लाखों की भीड़, बलूच शेरनी की दहाड़

–मांग पूरी नहीं होने तक अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन करने का ऐलान

इस्लामाबाद (एजेंसी)। बलूच अपनी ही जमीन पर शरणार्थी बनते जा रहे हैं। बलूचों ने अब पाकिस्तान और चीन के अत्याचारों के खिलाफ खड़े होने का फैसला कर लिया है। बलूच यकजेहती कमेटी (बीवायसी) की केंद्रीय आयोजक डॉ. महरंग बलूच ने अपनी मांगें पूरी नहीं होने पर ग्वादर में अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन करने का ऐलान किया है। रविवार को बलूच नेशनल गैदरिंग के दौरान इसका ऐलान किया गया। जहां पाकिस्तानी अधिकारियों की तमाम कोशिशों के बावजूद हजारों बलूच यहां पहुंचे थे।

डॉ. महरंग ने वैश्विक शक्तियों से बलूचों पर किए जा रहे मानवाधिकारों के हनन पर तत्काल ध्यान देने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि आज एक जागरूक बलूच राष्ट्र यहां मौजूद है, जो पूरी तरह जानता है कि उसका असली दुश्मन कौन है और कौन उनके संसाधनों का शोषण कर रहा है। उन्होंने घोषणा की कि मांगे पूरी होने तक ग्वादर के मरीन ड्राइव पर धरना जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि बलूच महिलाओं पर हमला किया गया, उनके ऊपर आंसू गैस के गोले फेंके गए। बलूच को यहां आने से रोका गया हर इलाके में बाधाएं डाली गई हैं लेकिन उसके बावजूद ग्वादर में हजारों लोग इकट्ठा हुए।

बलूच यकजेहती कमेटी ने ऐलान किसर कि बलूच राजी मुची सम्मेलन जो एक दिनों के लिए होना था, वह सरकार की हिंसा के कारण अनिश्चितकाल के लिए बढ़ा दिया गया है। बयान में कहा गया कि कर्फ्यू और क्रूरता के बावजूद हजारों लोग ग्वादर में मौजूद हैं। तलार चौकी पर धरना दिया जा रहा है। बीवाईसी ने कहा कि सरकार ने पूर्ण रूप से कर्फ्यू लगा दिया है। इंटरनेट और मोबाइल नेटवर्क बंद कर दिया है और अंधाधुंध गोलियां बरसाई जा रही है।

अकड़ गई निकल... भारत की तारीफ कर रहे मुइज्जू

माले (एजेंसी)। भारत ने मालदीव के सहयोग में कभी कसर नहीं छोड़ी। जब जहां जरुरत पड़ी भारत सबसे पहले मालदीव के साथ खड़ा रहा। जैसे ही सत्ता की बागडोर राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने संभाली उन्होंने भारत से पंगा लेना शुरु कर दिया। नतीजा ये हुआ कि दोनों देशों के बीच मतभेदों की खाई बढ़ने लगी। अब हालात बदल रहे हैं मुइज्जू बात बात पर भारत की तारीफ करते नजर आ रहे हैं। ऐसे में सवाल उठने लगा कि आखिर उनकी मंशा क्या है? मालदीव के 59वें स्वतंत्रता दिवस के मौके पर आयोजित आधिकारिक समारोह में फिर ऐसा किया। उन्होंने कहा कि भारत मालदीव का करीबी देश बना रहेगा, इसमें कोई शक नहीं है। उन्होंने कहाकि उनके देश का लोन चुकाने में भारत सबसे अधिक सहायता करते हैं। हालांकि उन्होंने इसके साथ ही चीन का भी नाम लिया, लेकिन तवज्जो भारत को अधिक दी। मुइज्जू ने उनके देश की कमजोर अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में

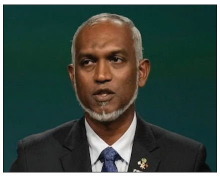

मदद करने के लिए भारत और चीन का आभार जताया। साथ ही कहा कि देश के ऋण संकट को दूर करने में नई दिल्ली और बीजिंग की भूमिका महत्वपूर्ण है।

मुइज्जू के हवाले से कहा कि मैं मालदीव के लोगों की ओर से देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने, हमारी आर्थिक संप्रभुता को कायम रखने और मालदीव के लोगों की खातिर इस प्रयास में उनके सहयोग के लिए चीन सरकार और भारत सरकार का आभार व्यक्त करता हूं। उन्होंने भारत द्वारा दी गई 400 करोड़ रुपये की सहायता की भी सराहना की। बता दें कि मुइज्जू ने सरकार में आने के बाद भारत के खिलाफ मोर्चा खोल दिया था। इसके चलते मालदीव के साथ भारत के संबंधों में खटास भी आई थी। भारत ने कई अहम फैसले लिए थे, जिससे मालदीव के आर्थिक हालात बिगड़ने लगे थे। इतना ही नहीं, मालदीव जाने वाले भारतीय पर्यटकों की संख्या में भी बड़े पैमाने पर कमी आई थी। इसके बाद मुइज्जू सरकार के मंत्री और खुद प्रेसीडेंट मुइज्जू ने भी भारत की तारीफ शुरू कर दी। मुइज्जू पीएम मोदी के तीसरे कार्यकाल के शपथग्रहण में भी शामिल हुए थे। मुइज्जू ने बताया कि मालदीव भारत के साथ फ्री ट्रेड एग्रीमेंट करने की प्रक्रिया में है।

कनाडा में खालिस्तानियों ने कराया जनमत संग्रह, किल इंडिया के लगे नारे

–भारत ने जताया विरोध, पुलिस मूकदर्शक बनी सब देखती रही

ओटावा (एजेंसी)। कनाडा में खालिस्तान समर्थक अलगाववादियों ने जनमत संग्रह शुरू कर दिया है। हजारों सिख अलबर्टा प्रांत के कैलगरी के म्यूनिसपल प्लाजा में इकट्ठा हुए। इस आयोजन में भारत के खिलाफ भड़काऊ नारे लगाए गए। इसमें किल इंडिया और दिल्ली बनेगा खालिस्तान के नारे लगाए गए। जनमत संग्रह का आयोजन चरमपंथी समूह सिख फॉर जस्टिस (एसएफजे) ने अमेरिका के दूतावास के ठीक सामने किया। नई दिल्ली ने भारत विरोधी इस आयोजन के खिलाफ कनाडा के विदेश मंत्रालय में अपनी शिकायत दर्ज कराई। इसके बावजूद पुलिस ने इसे रोकने का प्रयास नहीं किया। बल्कि जब भारत विरोधी नारे लगाए जा रहे थे, तो कनाडा की पुलिस मूकदर्शक बनी यह सब देखती रही। जनमत संग्रह सुबह से शाम तक जारी रहा, जिसमें अलबर्टा में मौजूद सिख समुदाय के हजारों लोगों ने इसमें भाग लिया। अलबर्टा में सिखों की बड़ी आबादी रहती है। प्रमुख खालिस्तानी चरमपंथी हरदीप सिंह निज्जर का परिवार सबसे पहले वोट डालने वालों में से था। निज्जर की 28 जून 2023 को कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। निज्जर खालिस्तान समर्थक उन कनाडाई सिखों में हैं, जिनकी हत्या की गई है। इस सूची में लखबीर सिंह रोडे और तलविंद सिंह परमार जैसे लोग भी शामिल हैं। कनाडा में भारत विरोधी जनमत संग्रह को लेकर सवालों पर कैलगरी की भारतीय-कैनेडियन मेयर ज्योति गोंडेक ने कहा कि इसे रोकना उनके हाथ में नहीं है। उन्होंने कहा कि म्यूनिसिपल प्लाजा में कई गतिविधियां होती हैं क्योंकि यह एक सार्वजनिक स्थान है। इन आयोजनों को हमारी ओर से अनुमति या स्वीकृति नहीं दी जाती है।

..तो कर्ज चुकाते-चुकाते ही अमेरिका की अर्थव्यवस्था तोड़ देगी दम

–सरकार को कर्ज का ब्याज चुकाने दूसरे खर्चों में करनी पड़ रही कटौती

वॉशिंगटन (एजेंसी)। दुनिया की सबसे बड़ी और सबसे मजबूत अर्थव्यवस्था वाला देश अमेरिका पर दिन-ब-दिन कर्ज बढ़ता जा रहा है। अमेरिकी की फेडरल गवर्नमेंट का कर्ज अब 35 ट्रिलियन डॉलर से महज 2.5 अरब डॉलर दूर रह गया है। 2019 के बाद इसमें 13 ट्रिलियन डॉलर की तेजी आई है जो भारतीय अर्थव्यवस्था का करीब तीन गुना है। देश का डेट-टू-जीडीपी रेश्यो 122 फीसदी है। पिछले पांच साल में इसमें 19 फीसदी की तेजी आई। अमेरिका के इतिहास में फेडरल गवर्नमेंट के कर्ज में इतनी तेजी पहले कभी नहीं आई है। हालत यह हैं कि अमेरिका को कर्ज का ब्याज चुकाने के लिए दूसरे खर्चों में कटौती करनी पड़ रही है।

अमेरिका का कर्ज हर तीन महीने में करीब एक ट्रिलियन डॉलर बढ़ जाता है। इस साल 4 जनवरी को यह 34 ट्रिलियन डॉलर हो गया था। उससे पहले पिछले साल 15 सितंबर को यह 33 ट्रिलियन डॉलर और 15 जून को 32 ट्रिलियन डॉलर हो गया था। इसे 31 ट्रिलियन डॉलर से 32 ट्रिलियन डॉलर पहुंचने में आठ महीने का समय लगा था। यूएस डेट वह राशि है जो अमेरिका की संघीय सरकार अपने खर्चों को कवर करने के लिए रुपया उधार लेती है।

माना जा रहा है कि अगर अमेरिका का कर्ज इसी तरह बढ़ता गया तो 2054 तक अमेरिका की अर्थव्यवस्था 166फीसदी पहुंच जाएगी। इससे साफ है कि अमेरिका में सरकार की कमाई कम हो रही है और खर्च बढ़ रहे हैं। जानकारों की मानें तो देश की अर्थव्यवस्था और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए अच्छे संकेत नहीं हैं। स्थिति यह है कि अमेरिका को रोज 1.8 अरब डॉलर ब्याज के रुप में खर्च करने पड़ रहे हैं। अगर ऐसा हुआ तो कर्ज चुकाते-चुकाते ही अमेरिका की अर्थव्यवस्था दम तोड़ देगी। इससे सरकार को रिसर्च एंड डेवलपमेंट, इन्फ्रास्ट्रक्चर और शिक्षा पर होने वाले कुल खर्च से ज्यादा रुपया ब्याज चुकाने में देना होगा। चिंता की बात

यह है कि अमेरिका का कर्ज ऐसे समय बढ़ रहा है जब देश की अर्थव्यवस्था अच्छी स्थिति में है और बेरोजगारी कम है। अमूमन जब अर्थव्यवस्था कमजोर होती है तो सरकार खर्च बढ़ाती है ताकि ग्रोथ को और आगे बढ़ाया जा सके।

संपादकीय

पौधों के बदले नाम

मानव संसार धीरे-धीरे शालीन हो रहा है, इसी कड़ी में पहली बार वनस्पतिशा्त्रियों ने निर्णय लिया है कि 200 से अधिक पौधों, कवक और शैवाल प्रजातियों के नामों को बदला जाएगा। सदियों से इन प्रजातियों के ऐसे नाम रखे जाते रहे हैं, जिनसे नस्लवाद की बू आती है। मध्ययुगीन बर्बरता की वजह से भी खासकर अफ्रीका में पाई गई विभिन्न प्रकार की वनस्पतियों के नाम नस्लीय आधार पर रखे गए थे। एक लंबा दौर था, जब अफ्रीकी देशों में लोगों और वहां की संस्कृति के साथ ही वहां की प्रकृति को भी हिकारत भरी निगाहों से देखा गया। शायद यह वही दौर था, जब अफ्रीकियों को दास बनाकर दुनिया की बदनाम दास मंडियों में बेचा जाता था। अनेक नाम ऐसे रखे गए, जो स्थानीय बोलियों में बिल्कुल गाली की तरह थे। वनस्पतियों के नाम रखते हुए 'कैफ्रा' शब्द का सर्वाधिक इस्तेमाल किया गया। अब चूंकि पूरी दुनिया में रंगभेद और नस्लवाद के खिलाफ निरंतर आंदोलन चलते रहे हैं, तो वनस्पति विज्ञान के विशेषज्ञों का यह फैसला बहुत सुखद और स्वागतयोग्य है। पहली बार, शोधकर्ताओं ने ऐसे वैज्ञानिक नामों को खत्म करने के लिए मतदान किया है, जो आपत्तिजनक हैं। ये ऐसे शब्द या नाम हैं, जिनका उपयोग ज्यादातर दक्षिणी अफ्रीका के अश्वेतों के खिलाफ किया जाता रहा है। मैड्रिड में आयोजित अंतरराष्ट्रीय वनस्पति कांग्रेस में इन बदलावों के पक्ष में बाकायदा मतदान हुआ। पूरी सावधानी बरतते हुए गुप्त मतदान किया गया, नाम सुधार के पक्ष में 351 वोट पड़े, जबकि विरोध में 205। मिसाल के लिए, इसका एक बड़ा लाभ यह होगा कि साल 2026 से तटीय मूंगा जैसे पौधों को औपचारिक रूप से एरिथ्रिना कैफ्रा के बजाय एरिथ्रिना एफ्रा कहा जाएगा। नेल्सन मंडेला यूनिवर्सिटी (एनएमयू) के वनस्पति विशेषज्ञ गिदोन स्मिथ कहते हैं कि हमें इस प्रक्रिया में हमारे सहयोगियों से वैश्विक समर्थन का पूरा भरोसा था, भले ही वोट का नतीजा करीबी रहने वाला था। बेशक, नस्लभेदी या रंगभेदी नामों को बदलना जरूरी था, ताकि नफरत के आदिम दौर से पीछा छुड़ाया जा सके। बदलाव के पक्षधर वैज्ञानिकों को शायद शुरू में परेशानी और विरोध का सामना करना पड़ेगा, बहुत सारी किताबों को फिर प्रकाशित करने की जरूरत पड़ेगी, पर यह फैसला हर दृष्टि से गरिमापूर्ण और न्यायपूर्ण है। किसी भी किताब में अपशब्दों की क तई जरूरत नहीं है। निरंतर सभ्य और शालीन समाज के निर्माण के लिए ऐसे सुधार की कोशिश लंबे समय से जारी थी। इससे नाम सुधार की समग्र प्रक्रिया को बल मिलेगा। समाज में व्याप्त ऐसे अनगिनत शब्द हैं, जो किसी न किसी मानव समूह या वर्ग के लिए अपमानजनक हैं। ऐसे में, एक साथ 200 नाम बदलने का फैसला प्रेरणा की वजह बनेगा। शायद हर देश को अपने स्तर पर अपमानजनक नामों से छुटकारा पाना होगा। बहरहाल, वनस्पति विज्ञान में अब नए नाम रखते हुए भी काफी सावधानी बरतने का इरादा है। तमाम वैज्ञानिक सहमत हैं कि अब नाम ऐसे नहीं रखे जाएंगे, जिनसे कोई आहत हो। मसलन, यदि अकेले ऑस्ट्रेलिया की बात करें, तो वहां जल्द ही सबसे बड़ी चुनौती उन हजारों नई प्रजातियों के नामकरण की होगी, जिनकी खोज हो चुकी है या होने वाली है। पिछले 50 वर्षों में लगभग 7,000 ऑस्ट्रेलियाई पौधों की प्रजातियां दर्ज हुई हैं, जिनका नामकरण होना बाकी है। ऐसे में, 200 वनस्पतियों के नामों में बदलाव के साथ यह महज एक शुरुआत है।

जीवन की यही है रीत, यहाँ हार के बाद होती है जीत

(लेखक- विनोद कुमार सिंह)

संसार तो एक समर क्षेत्र है ।इस समर क्षेत्र में दोनो प्रतिद्वन्दी अपने अपने सर्मथकों,शुभ चिन्तकों के सहारे अपनी किस्मत अजमानें उतरता है,किसी के पक्ष में विजयश्री का ताजपोशी होती है वही दूसरी ओर उसके प्रतिद्वन्धी को पराजय की पीड़ा से गुजरना पड़ता है ।मै आज आप के समक्ष चुनावी समर क्षेत्र में पराजित प्रत्याशी की पीड़ा पर मार्मिक कहानी बताऊँ इसके पहले एक प्रचलित भजन सहारा लेना चाहूँगा- वैशण्व जन तेनें कहियें पीर पराई जाने रे ।अर्थात-सच्चे हितेषी,मित्र तो सच्चे संत के समान होते है ।जो हमेशा ही आपका अपना हितेषी,मित्र,शुभ चिन्तक व समर्थक हमेशा ही आपके साथ खड़े होते है ।आपको मदद करने के तत्पर रहते है ।लेकिन कुछ ऐसे भी होते है जो केवल आपके सु:ख व अच्छे वक्त में खड़े रहते है लेकिन मौका मिलते व आपके विपरीत समय में बीच मझधार में छोड़ कर खिसक जाते है ।खैर आज मै आप के समक्ष चुनाव की एक चर्चित घटना की चर्चा कर रहें है ।कहानी का प्राराम्भ एक पराजित प्रत्याशी की प्रणाम से प्रारम्भ है ।यह बात 13 जुलाई 24 की है ।देश की राजधानी दिल्ली के लुटियन जोन के रायसीना मार्ग स्थित प्रजातंत्र के प्राण व सच्चे प्रहरी का ऐतिहासिक प्रेस कल्ब ऑफ इण्डिया परिसर में जहाँ पर आज विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत की इतिहास के पन्ने में एक नया अध्याय जुड़ने जा रहा है ।मौका है एक मात्र मान्यता प्राप्त पत्रकारों की सन 1966 में स्थापित संगठन जो प्रेस ऐसोशिएशन के द्विवार्षिक चुनाव 24। मै यहाँ स्पष्ट कर दूँ कि प्रेस ऐसोशिएशन का वही पत्रकार सदस्य बन सकते है जिन्हे सुचना प्रसारण मंत्रालय भारत के अधीनस्थ पी आई वी से जिन पत्रकारों को मान्यता मिली हो ।वही इस चुनाव में हिस्सा व मतदान कर सकते है ।शनिवार की सुबह,समय करीब 10:30 बजे ।आज हमें दोहरी भूमिका निभा करनी है ।एक तरफ जहाँ हमें एक सजग मतदाता के रूप में अपनी मतदान कर अंहम भुमिका अदा करनी है वही दुसरी तरफ चुनावी मैदान में एक कोषाध्यक्ष पद पर एक उम्मीदार के अपने मतदाताओं से अपने पक्ष में मतदान व समर्थन देने मार्मिक अपनी कर अपने आप को विजय श्री बनना है ।यहाँ पर स्पष्ट कर दुँ कि यह चुनाव मेरे जीवन कितना अंहम है इसे मै अपने शब्दों में व्यक्त नही कर सकते है ।कोई व्यक्ति जब किसी क्षेत्र में पहली वार अपना कदम उठाता है तो वह जज्बाती है-मेरे शाथ कुछ ऐसा ही हुआ ।यह चुनाव मेरे जीवन का पहला चुनाव है ।चुनावी मैदान सभी प्रत्याशी ने अपनी विजय के लिए रणनीति तैयार कर लिया था खासकर नायक जी के पैनल की उत्साह व उमंग दिखते ही बनता था,हो भी क्यों नही-स्वयं नायक जी निंविरोध अध्यक्ष पर चुने गए थें,खैर-मेरे व मेरे संग निंदलीय प्रत्याशी जो पहले भी चुनावी मैदान उत्तरे थें कुछ को विजय श्री का सौभाग्य मिला था,कुछ को पराजय स्वीकार करने का अनुभव था ।कुल मिला कर चुनावी मैदान में अनुभवी खिलाड़ी के बीच में बिलकुल ही अनाड़ी था ।24 जुन 24 को मैने अपने शुभ चिन्तकों के विचार विर्मश के बाद एन एम सी में रखें पेटी में अपना दो पदों के नामाकंन पत्र डाल दिया ।पहला कार्यकारणी सदस्य व दुसरा कोषाध्यक्ष पद के लिए अपनी दावेदारी पेश कर दी ।नामांकन पत्र की अधिकृत अधिकारियों के द्वारा मेरे दो नामांकन पत्र सही पायें है। प्रेस एसोशिएसन के संविधान के अनुसार एक सदस्य एक पद पर चुनाव लड़ सकता है ।मैने अपने शुभ चिन्तकों,समर्थकों व मीडिया मित्रों के परामर्श व गहन-चिन्तन मनन के उपरान्त कोषाध्यक्ष पद पर चुनाव लड़ने व कार्यकारणी सदस्यों में अपना नाम वापस ले लिया ।अब बारी थी चुनावी मैदान के लिए रणनीति बना नें के लिए,यहाँ मै चुनावी महाभारत के मैदान में अभिमन्यू की अकेला पड़ गया था,सो मैनें अकेले चुनावी चक्रबहु को तोड़ने जी तोड़ प्रयास कर रहा था,अपने मतदाताओ व समर्थको के सम्पर्क,संवाद व सहयोग के लिए लगातार प्रयास कर रहे थें ।अन्त में मेरी अग्नि परीक्षा के छड़ी आई गई ।13 जुलाई 24 प्रेस कल्ब ऑफ इण्डिया का परिसर, चुनाव में तैनात अधिकारीगण के साथ निंविरोध निर्वाचित अध्यक्ष सी के नायक चुनाव सपन्न कराने में व्यस्त थें ।आज मेरे जीवन का अद्भुत पल था,वही अपनी मतदाताओ को अपने पक्ष में मतदान करने के लिए रिझानें समझानें के लिए चुनौती थी ।एक याचक की तरह मै खड़ा था शायद मै भी चुनावी समर क्षेत्र में एक योद्धा की तरह खड़े थे ऐसा बाद में उस समय के प्रत्यक्षदर्शी व मीडिया मित्रों नें कहा कि - तकियावाला जी आपने आज आपने हम सभी बता दिया कि चुनाव किस तरह लड़ा जाता है। इस बार पी ए चुनाव को काफी ही उत्साह वर्द्धक बना दिया है ।इस दौरान कुछ रोचकक्षण,कुछ नोंक झोक,हल्की फुल्की हँसी मजाक की फुलझड़ी भी दिखाई थी। संध्या के 5:30 बजे मतदान समाप्त की घोषणा हुई ।संग ही संग आपसी सहमति हुई कि आज ही मतगणा करा ली जाए,ताकि कल रविवार व छुट्टी का दिन है ।इस मतदान में 239 मतदाताओ ने अपने मतदान किया ।अब बारी थी मतो की गनती की ।चुनाव अधिकारी व अधिकृत प्रतिनिधियों के देख रेख मतपेटी खोली गई ।दो घंटो की मशक्त के बाद-चुनाव अधिकारियों द्वारा चुनाव में प्रत्यासियों की उपस्थित में मतदाताओ के फैसला को रोचक अंदाज सुनाया,हालकि मुझे मतगना केद्र पर कुछ हितैषी द्वारा सम्मानित मतदाताओं के फैसले के रुझान से अवगत कराते हुए दिलासा व संत्वना दे रहे थें ।आखिरकार अन्तिम फैसला आते ही मेरे अन्दर एक ऐसी शक्ति आ गई थी-जो चुनाव में प्रराजित प्रत्यासी के लिए अति आवश्यक होता है ।मेरे प्रतिद्वन्दी के पक्ष में 137 मत पड़े थै जबकि मेरे पक्ष 85 मत मिले ।अन्तोगत्वा मुझे 52 मतो से अपने हार को स्वीकार करना पड़ा है ।चुनावी समर क्षेत्र में पराजय के बाद बहुत भी बहुत कुछ सीखनें का स्वर्णिम अवसर मिला है ।इस चुनाव में उन मीडिया मित्रो,सहयोगी मित्रो को धन्यवाद देना चाहूंगा जिन्होंने मुझे इस चुनाव में सलाह,समर्थन व सहयोग दिया है ।उनका दिल की गहराईयों से धन्यवाद ।विशेष आभार उन मित्रों व अभिभावक स्वरूप अग्रजों का जो चुनाव मैदान में पराजित होने के बाद भी आज मेरे साथ ना खड़े है बल्कि मुझे अगले चुनावी समर क्षेत्र में उत्तरने के प्रोत्साहित कर रहें ।उनका धन्यवाद। आप सभी मतदाताओं जिन्होने मुझे अपना बहुमुल्य मत दिया है ।मै उन मतदाताओं को विशेष धन्यवाद व आभार व्यक्त कर रहा हूँ जिन्होंने मुझे अपना मत नही दिया है ।क्योंकि मुझे में कोई खमियाँ रही होगी ।मै आपसे यह वादा करता हूँ मै अपने मे सुधार कर आपके मापदण्डों की कसौटी पर खरा उत्तरने की प्रत्यन करूँगा ।अत: में चुनाव में सभी विजयी प्रत्याशियों कों मुबारकबाद देना चाहूँगा ।अंत में मै अपने हितैषी समाचार पत्र के संपादक व संपादकीय टीम के सम्मानित सदस्यों का ,चुनाव प्रचार साम्रगी तैयार करने वाले मित्रो का जिन्होने प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष रूप से मदद व मार्गदर्शन व अपना समर्थन दिया ।अंत में मै अजीज पत्रकार बन्धुओं का जिन्होंनें विश्वास दिलाया है कि जीवन की यही है रीत,यहाँ हार के बाद होती है जीत ।हार जीत तो जीवन के दो पहलू होते है ।अत: मै अपने प्रिय पाठको का जिनका स्नेह,प्रेम व मार्गदर्शन मिलता रहता है।

(नोट - लेखक मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार व स्तम्भकार व प्रेस एसोसएशन के सदस्य है।)

आज का राशीफल

मेष	कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।
वृषभ	आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक कष्ट का सामना करना पड़ेगा। वाणी की सौम्यता आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि करेगी। धन लाभ के योग हैं। वाद-विवाद की स्थिति आपके हित में न होगी।
मिथुन	बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। मन प्रसन्न होगा। जारी प्रयास सार्थक होंगे। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होगा। प्रणय संबंध मधुर होंगे। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें।
कर्क	राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। व्यावसायिक योजना सफल होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें।
सिंह	पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। वाणी की सौम्यता आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि करेगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।
कन्या	पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। मांगलिक कार्य में हिस्सेदारी होगी। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।
तुला	व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी। वाणी की सौम्यता से आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप की संभावना है। व्यर्थ की उलझने रहेंगी।
वृश्चिक	आर्थिक योजना को बल मिलेगा। भाई या पड़ोसी का सहयोग मिलेगा। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।
धनु	गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। राजनैतिक दिशा में किए जा रहे प्रयास सफल होंगे। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।
मकर	जीविका की दिशा में उन्नति होगी। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होगा। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। व्यावसायिक सफलता मिलेगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। धन हानि की संभावना है।
कुम्भ	पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। पिता या उच्चाधिकारी से तनाव मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। वाणी पर नियंत्रण रखें।
मीन	व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

मिसाल कायम करते झुंझुनू के जवान

(लेखक- रमेश सर्राफ धमोरा)

राजस्थान में शेखावाटी क्षेत्र के झुंझुनू जिले के अमर सपूतों की इस वीर भूमि के रणबांकुरों ने जहां स्वतंत्रता पूर्व के आन्दोलनों में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया था। वहीं स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद सेना द्वारा लड़ी गयी लड़ाइयों में भी इस धरती की माटी में जन्मे वीरों ने समय-समय पर अपना पराक्रम दिखाया हैं। वीरों की इस धरती ने सदियों से जन्म लेते रहे सपूतों के दिलों में देशभक्ति की भावना को प्रवाहित किया हैं। वास्तव में यहां की धरती को यह वरदान सा प्राप्त होना प्रतित होता हैं कि इस पर राष्ट्रभक्ति के कीर्तिमान स्थापित करने वाले लाडेसर ही जन्म लेते हैं। चाहे 1948 का पाकिस्तानी कबायली हमला हो या 1962 में चीन से युद्ध हो या 1965 व 1971 का भारत-पाक युद्ध। यहां के वीरों ने मातृभमि की रक्षा हेतू सदैव अपना जीवन बलिदान किया हैं। सेना के तीनो अंगो की आन की रक्षा के लिये यहां के नौजवान सैनिकों के उत्सर्ग को राष्ट्र कभी भुला नही सकता हैं।

राजस्थान में झुंझुनू जिले के नवयुवको में सेना में भर्ती होने की बहुत पुरानी परम्परा रही हैं। यहां के गांवों में घर-घर में सैनिक होता हैं। सेना के प्रति यहां के लगाव के कारण अंग्रेजो ने यहां एक सैनिक छावनी की स्थापना कर 'शेखावाटी ब्रिगेड 'का गठन किया था। देश रक्षा के लिये सेना में शहादत देना राजस्थान की परम्परा रही है। झुंझुनू जिले के वीर जवानो को उनके शौर्यपूर्ण कारनामों के लिये समय-समय पर भारत सरकार द्वारा विभिन्न अलंकरणों से नवाजा जाता रहा हैं। अब तक इस जिले के कुल 130 से अधिक सैनिकों को वीरता पुरस्कार से नवाजा जा चुका है। जो पूरे देश में किसी एक जिले के सर्वाधिक हैं। भारतीय सेना में योगदान के लिये झुंझुनू जिले का देश में अव्वल नम्बर हैं। वर्तमान में इस जिले के 55 हजार जवान सेना में कार्यरत हैं। वहीं जिले में करीबन 60 हजार भूतपूर्व सैनिक व अर्धसैनिक बलों के जवान हैं। आजादी के बाद भारतीय सेना की और से राष्ट्र की सीमा की रक्षा करते हुये यहां के 486 जवान शहीद हो चुके हैं। जो पूरे देश में किसी एक जिले से सर्वाधिक है। कारगिल युद्ध के दौरान पूरे देश में 527 जवान शहीद हुये थे जिनमें यहां के 19 सैनिक शहीद हुये थे जो पूरे देश में किसी एक जिले से शहादत देने वालों में सर्वाधिक जवान थे। झुंझुनू जिले से अब तक 486 से अधिक सैनिक जवान सीमा पर शहीद हो चुके हैं।

यहां के गांवों में लोकदेवताओं की तरह पूजे जाने वाले शहीदों के स्मारक इस परम्परा के प्रतीक हैं। इस जिले के वीरों ने बहादुरी का जो इतिहास रचा है उसी का परिणाम है कि भारतीय सैन्य बल में उच्च पदों पर सम्पूर्ण राजस्थान की ओर से झुंझुनू जिले का ही वर्चस्व रहा है। इस क्षेत्र के सैनिकों ने भारतीय सेना में रहकर विभिन्न युद्धो में बहादुरी एवं शौर्य की बदौलत जो वीरता पदक प्राप्त कियें हैं वे किसी भी एक जिले के लिये प्रतिष्ठा एवं गौरव का विषय हो सकता हैं। सीमा युद्ध के अलावा जिले के बहादुर सैनिकों ने देश मे आंतरिक शान्ति स्थापित करने में भी सदैव विशेष भूमिका निभाई हैं। सीमा संघर्ष एवं नागा होस्टीलीटीज हो या आपरेशन ब्लूस्टार या श्रीलंका सरकार की मदद हेतु किये गये आपरेशन पवन अथवा कश्मीर में चलाया गया आतंकवादी अभियान रक्षक या कारगिल युद्ध। सभी अभियान में यहां के सैनिको ने शहादत देकर जिले का मान बढ़ाया हैं। झुंझुनू जिले के हवलदार मेजर पीरूसिंह शेखावत को 1948 के युद्ध में वीरता के लिये देश का सर्वोच्च सैनिक सम्मान परमवीर चक्र से सम्मानित किया जा चुका है। परमवीर चक्र पाने वाले पीरूसिंह शेखावत देश के दूसरे व राजस्थान के पहले सैनिक थे। यहां के सैनिकों ने द्वितीय विश्व युद्ध में भी बढ़चढ़ कर भाग लिया था। आज भी यहां द्वितीय विश्व युद्ध के पूर्व सैनिकों की विधवाओं को सरकार से पेंशन मिल रही है।

यहां के जवानो ने सेना के सर्वोच्च पदों तक पहुंच कर अपनी प्रतीभा का प्रदर्शन किया है। इस जिले के चित्तोसा गांव के एडमिरल विजय सिंह शेखावत भारतीय नो सेना के अध्यक्ष रह चुकें है। वहीं स्व. कुन्दन सिंह शेखावत थल सेना में लेफ्टिनेन्ट जनरल व भारत सरकार के रक्षा सचिव रह चुके हैं। जे.पी.नेहरा, सत्यपाल कटेवा, लेफ्टिनेंट जनरल केके रेप्सवाल सेना में लेफ्टिनेन्ट जनरल पद से सेवानिवृत हुये हैं। लेफ्टिनेंट जनरल बसंत कुमार रेप्सवाल सेना सेवा कोर में कार्यरत हैं। इसके अलावा यहां के काफी लोग सेना में मेजर जनरल, ब्रिगेडियर, कर्नल, मेजर सहित अन्य महत्वपूर्ण पदों पर कार्यरत है। देश में झुंझुनू एकमात्र ऐसा जिला हैं जहां सैनिक छावनी नहीं होने के उपरान्त भी गत पचास वर्षो से अधिक समय से सेना भर्ती कार्यालय कार्यरत है। जिससे यहां के काफी युवकों को सेना में भर्ती होने का मौका मिल पाता है।

जिले में इतने अधिक लोगों का सेना से जुड़ाव होने के उपरान्त भी सरकार द्वारा सैनिक परिवारों की बेहतरी व सुविधा उपलब्ध करवाने के लिये बहुत कुछ किया जाना अभी बाकी है। कारगिल युद्ध के समय सरकार द्वारा घोषित पैकेज में यह बात भी शामिल थी कि हर शहीद के नाम पर उनके गांव में किसी स्कूल का नामकरण किया जायेगा मगर जिले के ऐसे कई शहीदों के नाम पर अब तक सरकार ने स्कूलों का नामकरण कई नहीं किया है।

झुंझुनू जिले के दोरासर गांव में सैनिक स्कूल प्रारम्भ हो चुकी है जिसका लाभ सेना में जाने वाले यहां के युवाओं को मिलेगा। 19 साल पहले हमने करगिल तो जीत लिया था, लेकिन शहीदों के परिवारों के सामने आज भी समस्याओं के कई करगिल खड़े हैं। जिन पर जीत दर्ज करनी अभी बाकी हैं। सरकार द्वारा झुंझुनू जिले को देश का सैनिक जिला घोषित कर यहां के सैनिक परिवारों को सुविधाये उपलब्ध करवाने की तरफ पर्याप्त ध्यान दे तो आज भी झुंझुनू क्षेत्र से अनेक पीरूसिंह पैदा होकर देश के लिये प्राण न्योछावर कर सकते हैं। झुंझुनू जिले के सैनिको की बहादुरी देखकर कवि ने अपनी रचना में भी झुंझुनू के वीरो का गुणगान इस प्रकार किया है।

शुरा निपजे झुंझुनू, लिया कफन का साथ।
रण-भूमि का लाडला, प्राण हथेली हाथ ।।

विचार मंथन

द्वितीय विश्व युद्ध के बाद जैसी बदहाली की स्थिति में ब्रिटेन

(लेखक-सनत जैन)

ब्रिटेन की आर्थिक स्थिति बहुत खराब है। कहा जा रहा है, द्वितीय विश्व युद्ध के बाद जिस तरह के हालात थे। वैसी ही स्थिति ब्रिटेन की 2024 में देखने को मिल रही है। ब्रिटेन की स्कूली शिक्षा, नेशनल हेल्थ सर्विस, बेरोजगारी, बुजुर्गों की दयनीय हालत, खाने-पीने के सामान की किल्लत, ईंधन की कमी, निर्माणकार्य के लिए उपयोग में आने वाले सामान की कमी से ब्रिटेन के नागरिक हलाकान हैं। विकासशील और गरीब देशों जैसे हालात ब्रिटेन के इन दिनों बन गए हैं। कंजरवेटिव पार्टी के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक थे। उन्होंने समय के पहले चुनाव कराए और बुरी तरह से पराजित हुए। जुलाई में हुए 650 सीटों के चुनाव में 412 सीटों पर लेबर पार्टी ने जीत हासिल की है। ऋषि सुनक की कंजरवेटिव पार्टी मात्र 120 सीटों पर सिमट गई। लिबरल डेमोक्रेट्स को 71 सीटों पर तथा 42 अन्य सांसद चुनाव में जीते हैं। कंजरवेटिव पार्टी की हार के पीछे सबसे बड़ा कारण महंगाई, बेरोजगारी एवं आर्थिक संकट था। ब्रिटेन में पिछली सरकार द्वारा लगातार टैक्स बढ़ाए गए। कॉर्पोरेट के ऊपर सरकार मेहरबान रही, ब्रिटेन की कॉर्पोरेट कंपनियां कर चोरी जैसे मामलों में लिप्त थीं, लेकिन सरकार द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गई। आम जनता में पूर्व प्रधानमंत्री ऋषि सुनक के खिलाफ जबरदस्त आक्रोश था। प्रधानमंत्री के रूप में ऋषि सुनक ब्रिटेन की आर्थिक चुनौतियों का सामना नहीं कर सके। अब लेबर पार्टी के कीर स्टार्मर प्रधानमंत्री बने हैं। उनके लिए चुनौतियां का पहाड़ खड़ा हुआ है। लेबर पार्टी ने चुनाव के समय कोई बड़े वादे नागरिकों से नहीं किये। विपक्ष में रहते हुए उन्होंने बड़ी सावधानी बरती थी। सरकार के लिए जो सबसे बड़ी चुनौतियां हैं, उन्हें सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ हल करना होगा। ब्रिटेन की अर्थव्यवस्था वर्तमान में बहुत धीमी गति से चल रही है। पिछले 24 वर्षों से ब्रिटेन जी7 समूह का सदस्य है। ब्रिटेन का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश 12 साल में सबसे कम है। ब्रिटेन की कई नगरीय संस्थाएं दिवालिया हो चुकी हैं। सार्वजनिक क्षेत्र के कर्मचारी और अधिकारी अधिक वेतन की मांग कर रहे हैं। ब्रिटेन की जेलों में क्षमता से अधिक संख्या में कैदी बंद हैं। नेशनल हेल्थ सर्विस के पास पैसा नहीं है। इस कारण ब्रिटेन के नागरिकों को अस्पतालों में उपचार नहीं मिल पा रहा है। ब्रिटेन में स्कूली शिक्षा मुफ्त है, लेकिन वहां की भी हालत बहुत खराब है। सरकार के आर्थिक संकट का असर स्कूली शिक्षा में स्पष्ट रूप से देखने को मिल रहा है। ब्रिटेन के नागरिकों को ईंधन उपलब्ध नहीं हो रहा है। राशन में कालाबाजारी हो रही है। इस तरह की चुनौतियां ब्रिटेन के वर्तमान प्रधानमंत्री के सामने हैं। जल्द ही नई सरकार ने इनसे राहत दिलाने वाले निर्णय नहीं लिए तो ब्रिटेन की स्थिति विस्फोटक हो सकती है। ब्रिटेन में 2010 से सरकारी खर्चे में कटौती की जा रही है। इसका असर ब्रिटेन की अर्थव्यवस्था में पड़ा है। निजी क्षेत्र के पास निवेश नहीं आ रहा है। नागरिकों को लगता है, ब्रिटेन की अर्थव्यवस्था पूरी तरह से धराशाई हो चुकी है। इसके लिए वहां के नागिरक कंजरवेटिव पार्टी को जिम्मेदार मान रही है। हाल ही के चुनाव में लेबर पार्टी के पक्ष में मतदान करने के पीछे कंजरवेटिव पार्टी के खिलाफ गुस्सा है। लेबर पार्टी द्वारा चुनाव प्रचार के दौरान आर्थिक स्थितियों को जल्द से जल्द बेहतर बनाने का वायदा किया गया था। उसके कारण ब्रिटेन में लेबर पार्टी को ऐतिहासिक जीत मिली है। कोरोना महामारी के बाद ब्रिटेन के आर्थिक हालात बहुत खराब हुए हैं। ब्रिटेन की आर्थिक बदहाली का एहसास लेबर पार्टी को पहले से है। वर्तमान संकट की स्थिति में वह लोकप्रियता के चलते लोगों की सोच में बदलाव ला सकते हैं। वर्तमान स्थिति से निपटने के लिए ब्रिटेन की जनता को वास्तविक जानकारी देते हुए, उनका सहयोग भी ले सकती हैं। लेबर पार्टी सरकार की प्रथम प्राथमिकता रोजगार, शिक्षा, नेशनल हेल्थ स्कीम को ठीक करना है। लोगों को खाने-पीने का सामान आसानी से उपलब्ध हो, राशनिंग में जो कालाबाजारी हो रही है, उसको तुरंत रोकने के उपाय करना होंगे। दुनिया के सभी देशों की अर्थव्यवस्था में मंदी छाई हुई है। पिछले वर्षों में सरकार ने अपने खर्च बेतहाशा बढ़ाए थे। खर्च को पूरा करने के लिए टैक्स बड़ी मात्रा में लगाये हैं। जिसके कारण ब्रिटेन में महंगाई और बेरोजगारी बढ़ी है। जिस तरह के हालात ब्रिटेन में बने हुए हैं, ब्रिटेन के नागरिकों ने इस स्थिति की कभी कल्पना नहीं की थी।

बारिश के मौसम में मकान को खूबसूरत रखना बड़ा कठिन है। कहीं कोई सामान भीग रहा है तो कहीं फर्नीचर खराब हो रहा है। अगर इन सबसे बचना है तो थोड़ी सी सावधानियां रखकर इनसे बचा जा सकता है।

बरसात में बनाएं घर को खूबसूरत

काफी इंतजार के बाद अब मानसून का मौसम आ गया है। इस मौसम में घर की खूबसूरती बनाए रखने में सबसे अधिक परेशानी आती है। सबसे पहले तो इस बात का ध्यान रखना आवश्यक है कि घर में ह्यूमिडिटी को कम से कम किया जा सके। दूसरे इस बात के चलते घर के इंटीरियल पर कोई खास असर न पड़े। यदि आप बारिश के मौसम का भरपूर लुत्फ उठाना चाहते है तो इसके लिए आपको घर में कुछ बदलाव करना जरूरी है। आइए जानें ये बदलाब कैसे करें।

हरी-भरी गली

इंडोर प्लांट्स के लिए मानसून सबसे अच्छा मौसम होता है। इस वक्त धूप कम होती है, इसलिए अपने सभी आउटडोर प्लांट्स को निकाल कर बारिश में रख सकते हैं। यदि आप ऐसा करेंगे तो आपके प्लांट्स हरे-भरे और आकर्षक लगेंगे।

फ्रेश वार्डरोब

मानसून में अच्छी धूप न मिल पाने के कारण कपड़े गीले रह जाते हैं। इस कारण से वार्डरोब में गीले कपड़ों की बदबू आने लगती है। आडोनिल के एयरफ्रेशनेस पैक्स, नैपथलीन, बाल्स, कपूर, नीम की पत्तियां और लांस का उपयोग इस स्मेल, बैक्टीरिया और फंगस से बचा जा सकता है।

कारपेट एवं रग्स

मानसून में सबसे ज्यादा परेशानी अपने कारपेट्स और रग्स को संभालने में होती है। कारपेट और रग्स को ड्राई क्लीन कराने के बाद इन्हें प्लास्टिक बैग्स में संभाल कर रख देना चाहिए।

लेदर प्रॉडक्ट्स

नमी के कारण लेदर प्राडक्ट्स, शूज, हैंड बैग्स, लैपटॉप बैग्स, सीट्स और सोफा सेट में फंगस से बचाने के लिए लेदर क्लीनर्स से इन्हें साफ किया जा सकता हैं।

कर्टन के तरीके

मानसून में भी फैबिक्स की लेयर्स नहीं होनी चाहिए। इससे ह्यूमिडिटी बढ़ती हैं। परदों में हलके फैब्रिक्स का उपयोग करें। इसके लिए रेग्यूलर बेसिस पर शिफान, नेट और स्पेशल ओकेजंस पर टस्सर सिल्क फैब्रिक में कर्टन चुनें।

चांदी के सामान

चांदी को सर्वाधिक नुकसान आक्सिडाइजेशन से होता है, जो बारिश के मौसम में होता है। नमी और हवा में मौजूद आक्सीजन दोनों मिलकर चांदी को काला बना देते हैं। इन्हें बचाने के लिए ज्यूलरी और बर्तनों को काटन फैब्रिक और पेपर में लपेट कर रख सकते हैं।

टच वुड

मानसून का असर वुडेन फ्लोरिंग पर भी देखने को मिलता है। एक तो ह्यूमिडिटी और दूसरे गीले कारपेट व मेट, दोनों मिलकर वुडेन फ्लोरिंग, किचन वुड शेल्फ को जल्दी खराब कर सकते हैं। अधिक नमी होने से लकड़ी भीगकर टूटने-मुड़ने लगती है। इसके लिए मानसून से पहले इन्हें वैक्स कोटिंग करा लेना चाहिए।

इलेक्ट्रानिक गैजेट्स

मानसून के मौसम में कैमरा लैंस, कम्प्यूटर मॉनिटर, एलसीडी टेलीविजन में फंगस लग जाती है। कैमरा केस में नमी को कंट्रोल करने के लिए उसमें सिलिकन बेग रखे जा सकते हैं। कंप्यूटर मॉनिटर और एलसीडी टेलीविजन के आसपास नमी पैदा करने वाली चीजों जैसे कूलर को दूर रखना चाहिए। क्लीनिंग के वैक्यूम क्लीनर का उपयोग बेहतर विकल्प हैं।

किराए का घर और साज-सज्जा

कई लोग जो किराये के घर में रहते हैं, उनके लिए घर की सजावट को लेकर कई समस्याएं होती हैं। विशेषकर उन लोगों के लिए, जिनका तबादला बार-बार होता रहता है। उनके लिए फर्नीचर भी ऐसा होना चाहिए, जिससे जगह बदलने पर मुश्किल न हो। जो लोग किराए के घरों में रहते हैं, वे अपना घर कैसे सजाएं? हम यहां किराए के घर में रहने वालों के लिए कुछ टिप्स दे रहे हैं।

- फर्नीचर हल्के बनवाएं। सोफे की जगह केन, रॉट आयरन-वुड कॉम्बीनेशन, मेकेनाइज्ड फर्नीचर या गद्दों का इस्तेमाल करें। ये फर्नीचर जल्दी नहीं टूटते हैं।
- अगर आप सोफा बनवाना चाहती हैं, तो गद्दी अलग रखवाएं।
- स्थानांतरण में इस्तेमाल होने वाले बड़े बॉक्स के ऊपर गद्दा डाल कर सेटी या मेज का काम ले सकती हैं।
- दीवारों पर न्यूट्रल रंग करवाएं, जो हर फर्नीचर के साथ अच्छा लगेगा।
- रोशनी के लिए टेबल लैंप या स्टैंडिंग लैंप लगवाएं। स्थायी व्यवस्था ना करें।
- घर में परदों का बहुत महत्व होता है। किराए के घर में अनेक बदरंगी दीवारों, अलमारियों आदि को ढंकने के लिए खूबसूरत परदे लगाएं।
- परदे खूबसूरत, शालीन व ऐसे रंगों के लें, जो आप घर बदलने पर भी इस्तेमाल कर सकें।
- फोल्डिंग डाइनिंग टेबल बहुउपयोगी होती है। इसे आप किसी भी कमरे में रख सकती हैं। यह जगह भी कम घेरेगी।
- घर के अंदर सिल्क प्लांट का इस्तेमाल करें। ये नकली प्लांट बेहद खूबसूरत, टिकाऊ और इस्तेमाल में आसान होते हैं।
- बेड व सेटी में स्टोरेज बनवाएं, ताकि सामान ले जाते समय दिक्कत न हो।
- किराए के घर में महंगे, भारी-भरकम फर्नीचर रखने का मोह छोड़ें।
- अगर कमरे बड़े हैं, तो दो या तीन सिटिंग अरेंजमेंट कर सकती हैं।
- घर जमाते समय समान की लिस्ट बना लें कि आपके पास क्या-क्या है और कौन-सी चीज आपने अटारी में रखी है।

साफ-सफाई के बेहतर टिप्स

बरसात के मौसम घर में अनेक वस्तुओं की साफ-सफाई करनी पड़ती है। इसके लिए ये टिप्स आपके लिए काफी मददगार साबित होंगे।

- अगर कपड़े की झाड़न पर गर्द कुछ ज्यादा हो गई हो और सफाई में दिक्कत आ रही हो तो हाथों को थोड़ा गीला कर कपड़े पर फिरा दें फिर जल्दी से उसे ब्रश से झाड़ डालें नमी की वजह से कपड़े की पूरी गर्द आसानी से उतर जाएगी।
- रजाई-तकिए के कवर धोकर आखिरी बार खंगालते समय पानी में थोड़ा सिरका मिला दीजिए। अब देखिए चमत्कार, सिरके के अम्ल से कपड़ों से साबुन का क्षार फौरन उतर जाएगा। इससे कवर का कपड़ा भी मुलायम हो जाएगा।
- रजाई के कवर को आसानी से चढ़ाने के लिए धोने के बाद उलटा सुखा दें। उलटे कवर के अंदर रजाई के दोनों कोने डालकर गोल-गोल लपेटते जाएं। जब रजाई पूरी गोल हो जाए तो नीचे वाला सिरा खींच लें। रजाई के दोनों कोनों को पकड़ लें और साथ-साथ उठाकर दो तीन बार झटक दें। उलटा हुआ कवर सीधा होकर रजाई पर आसानी से सीधा होकर चढ़ जाएगा।
- आपके यहां डस्टबिन मेटल का है तो आप उसके अंदर से आने वाली बदबू से जरूर परेशान हो सकते हैं। इसका आसान सा इलाज है। मेटल के कूड़ेदान की बदबू खत्म करने के लिए उसमें पुराने अखबार डाल कर आग लगा दें। आग समस्या का समाधान कर देगी।
- टॉयलेट में बहुत बदबू आ रही हो तो थोड़ी देर के लिए इसे हटाने के लिए माचिस की तीली जला देना भर काफी है।
- आपके घर भी यदि खारा पानी आता है और आपके बाथरूम में हर चीज इसकी वजह से सफेद हो गई है तो आप इन सभी को पैराफिन से साफ कर सकते हैं। इससे बाथरूम का फर्श, बाथ टब और टोंटियां और वाशबेसिन साफ हो जाते हैं। इन पर जमे साबुन की चिकनाई और भी मैल साफ हो जाता है और पैराफिन से इनकी चमक भी लौट आती है।
- बाथरूम में पानी की टपकने या कहीं-कहीं पानी जमने से बने भूरे धब्बों को नमक और सिरके की बराबर मात्र के मिश्रण से दूर किया जा सकता है। टब, बाल्टी या पानी भरने के दूसरे बर्तन में भी यदि सफेदी जमा हो गई हो तो इसी विधि को उन पर भी आजमा सकते हैं।

दीवानगी ड्रेप्ड ड्रेसेज की

आजकल लड़कियां बॉलीवुड और हॉलीवुड की नकल तेजी से कर रही हैं। हॉलीवुड में चर्चित ड्रेप्ड ड्रेसेज का चलन इंडिया में भी तेजी से बढ़ रहा है। किसी खास पार्टी में इस तरह की ड्रेस पहने कोई न कोई दिख ही जाएगा। इन दिनों लड़कियों को ड्रेप्ड ड्रेस खूब भा रहा है। गाउन से मिलती-जुलती ड्रेप्ड ड्रेस बिल्कुल लेटेस्ट फैशन है।

क्या है ड्रेप्ड ड्रेस

जैसा कि इसके नाम से ही लग रहा है कि यह कोई ऐसा ड्रेस है जो लपेटा हुआ होता है। यदि आप इस ड्रेस को देखें तो ऐसा लगेगा कि किसी ने टॉवेल या बेडशीट लपेट लिया हो, लेकिन ऐसा नहीं है। यह एक पूरा का पूरा ड्रेस है। अपने देश में इसका चलन अभी शुरुआती दौर में हैं, लेकिन विदेशों में यह खूब पसंद किया जा रहा है। रिएलिटी शो बिग बॉस में हॉलीवुड एक्टर्स पामेला एंडरसन ने इस ड्रेस को पहन कर लोगो को ड्रेप्ड ड्रेस से रूबरू कराया था। अधिकांश लोग तो समझ ही नहीं पाए थे कि टॉवेल जैसी दिखने वाली यह ड्रेस आखिर में है क्या ? क्या पॉमेला ने कोई कपड़ा लपेटा है या यह कोई खास ड्रेस है। फैशन डिजाइनर मानते हैं कि ड्रेप्ड ड्रेस फिटेड हो या लूज, अगर इसे अच्छे से कैरी करेंगी, तो वह खूब फबेगी। ड्रेप्ड ड्रेसेस को अभी तक बड़े महानगरों में ही पार्टियों में पहने देखा गया है।

स्टाइल व पैटर्न

गाउन जैसा दिखने वाला ड्रेप्ड ड्रेस फैशन में लेटेस्ट ट्रेंड है। इस ड्रेस में सिलुएट्स व नॉट्स पैटर्न को खूब यूज किया जाता है। ड्रेप्ड ड्रेस को लूज ड्रेस माना जाता है, लेकिन डिफरेंट स्टाइल के कारण पतली लड़कियों को भी खूब पसंद आता है। कभी-कभार पहने जाने वाला यह ड्रेस काफी बोल्ड व सेक्सी लुक देती है।

अलग-अलग है वैरायटी

अगर ड्रेप्ड ड्रेस की बात करें, तो यह कई वैरायटी में उपलब्ध हैं। आप इसे शॉर्ट, लॉन्ग, फिटेड व लूज पैटर्न में डिजाइन करवा सकती हैं। वैसे, यह इटैलियन ड्रेस है, जो काफी हद तक जंप सूट से मिलती- जुलती है। इस ड्रेस की खूबी है कि इसे 20 से लेकर 40 साल तक की महिलाएं बड़ी आसानी से कैरी कर सकती हैं।

सिलेब्रिटीज की है खास पसंद

वैसे तो ड्रेप्ड ड्रेस हॉलीवुड एक्ट्रेस की पहली पसंद है, लेकिन अब यह इंडिया में भी पॉपुलर होने लगी है। यह ड्रेस अभी बॉलीवुड तक ही सीमित है। फैशन डिजाइनर मानते भी हैं कि यह बॉलीवुड एक्ट्रेस को खास पसंद आ रहा है। यह एलिगेंट ड्रेस है और इंडियन वुमन की फिगर के हिसाब से एकदम परफेक्ट है। बॉलीवुड की एक्ट्रेस सोनम कपूर, कंगना राणावत, रानी मुखर्जी को ड्रेप्ड ड्रेस बहुत पसंद है और इनकी वजह से ही आम लड़कियों और महिलाएं भी इस ड्रेस की ओर अट्रैक्ट हो रही हैं।

बेस्ट फैब्रिक

अगर आप ड्रेप्ड ड्रेस डिजाइन करवा रही हैं, तो इसके लिए जरूरी है बेस्ट फैब्रिक का चुनाव। चूंकि ड्रेप्ड ड्रेस में सिलुएट्स व नॉट्स खूब यूज की जाती हैं, ऐसे में लाइट कलर के फैब्रिक का चुनाव करना चाहिए। लाइट फैब्रिक में जॉर्जेट, साटन, जरदोजी, क्रेप, लिनन व जॉर्जेट का चुनाव बेहतर रहता है। यदि आप इंडो-वेस्टर्न लुक चाहती हैं तो उसके लिए भी ड्रेप्ड ड्रेस परफेक्ट है।

परफेक्ट कलर

ड्रेप्ड ड्रेस के लिए ब्राइट कलर चुनें। दरअसल, यह ड्रेस वेस्टर्न कॉन्सेप्ट पर बेस्ड है। ऐसे में ब्लैक, रेड, ग्रे व क्रीम कलर ट्राई कर सकती हैं। वैसे, अम्बर प्रिंट्स में भी ड्रेप्ड ड्रेस खूब पसंद की जा रही है। इसे आप दो से तीन कलर में डिजाइन करवा सकती हैं। वैसे तो ड्रेप्ड ड्रेस प्लेन फैब्रिक में ही ज्यादा पसंद की जाती है, लेकिन आप इसे शादी व पार्टी के पर्पज से चाहती हैं तो इसमें स्वरोस्की, नग, लेस व सितारा वर्क करवा सकती हैं।

क्या हुआ इन क्या हुआ आउट

कलरफुल बीड्स

इन दिनों कलरफुल बीड्स का फैशन काफी इन है। खासतौर पर वाइट ड्रेस के साथ इसे खूब कैरी किया जा रहा है। चाहे आप शर्ट पहनें या सूट, बीड्स के साथ कैरी करने के लिए इसे प्लेन होना चाहिए।

सिट्रस शेड्स

आजकल सिट्र्स शेड्स बेहद डिमांड में हैं। इनमें कुर्तियां, फ्लो वाली ड्रेसेज, चूड़ीदार सूट, अनारकली सूट्स, ट्यूनिक्स और साड़ियां जैसी तमाम ड्रेसेज शामिल हैं।

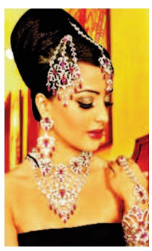

प्लेन जूलरी

इन दिनों प्लेन जूलरी बिल्कुल पसंद नहीं की जा रही है। इसकी जगह थीम पर बेस कॉकटेल जूलरी हॉट बनी हुई है, जो विक्टोरियन व मुगलकाल से इंस्पायर्ड है।

टाइट फिटेड जींस

टाइट फिटेड जींस इस सीजन में फैशन से बाहर हो गई है। हालांकि लेगिंग्स में टाइट लेगिंग्स अभी भी हॉट बनी हुई हैं।

पेट्रोल और डीजल की कीमत स्थिर

नई दिल्ली । वैश्विक बाजार में कच्चे तेल (क्रूड ऑयल) की कीमत में उतार-चढ़ाव देखा जा रहा है। ब्रेंट क्रूड 82 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड 78 डॉलर प्रति बैरल के करीब कारोबार कर रहा है। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों (पीएसयू) ने सोमवार को पेट्रोल-डीजल की कीमत में कोई बदलाव नहीं किया है। इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये, डीजल 87.62 रुपये, मुंबई में पेट्रोल 103.44 रुपये, डीजल 89.97 रुपये, कोलकाता में पेट्रोल 104.95 रुपये, डीजल 91.76 रुपये, चेन्नई में पेट्रोल 100.75 रुपये और डीजल 92.34 रुपये प्रति लीटर की दर पर उपलब्ध है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में हफ्ते के पहले दिन शुरुआती कारोबार में ब्रेंड क्रूड 0.14 डॉलर की गिरावट के साथ 81.27 डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेंड कर रहा है। वहीं वेस्ट टेक्सस इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड 0.01 डॉलर फिसलकर 77.17 यूएस डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है।

कोलगेट को 248.74 करोड़ का मिला टैक्स नोटिस

नई दिल्ली। आयकर विभाग ने ट्रांसफर- प्राइसिंग से जुड़े मामले में कोलगेट-पामोलिव (इंडिया) लिमिटेड को 248.74 करोड़ रुपये का टैक्स डिमांड नोटिस भेजा है। इस नोटिस को लेकर कंपनी ने कहा कि वह अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष चुनौती देगी। कोलगेट-पामोलिव इंडिया लिमिटेड (सीपीआईएल) ओरल केयर और पर्सनल केयर पर काम करती है। कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि उन्हें यह नोटिस 31 मार्च, 2021 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए है। कंपनी को आकलन वर्ष 2020-21 के लिए 248,74,78,511 रुपये की मांग वाला डिमांड अकाउंटिंग आदेश प्राप्त हुआ है। इसमें 79.63 करोड़ रुपये की ब्याज राशि भी शामिल है। इस डिमांड नोटिस को चुनौती देने के लिए कंपनी अपीलीय न्यायाधिकरण में अपील करेगी। कंपनी ने साफ किया कि इस आदेश का असर कंपनी के वित्तीय संचालन या किसी अन्य गतिविधियों पर नहीं पड़ेगा। कंपनी ने पूर्व मूल्यांकन वर्षों में अस्वीकृतियों के अनुरूप मानक अस्वीकृतियां के खिलाफ पहले ही अपील दायर कर दिया है।

सिंपल एनर्जी ने निवेशकों से जुटाए दो करोड़ डॉलर

नई दिल्ली । इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन स्टार्टअप सिंपल एनर्जी ने सीरीज ए फंडिंग दौर में दो करोड़ अमरीकी डॉलर जुटाए हैं। सीरीज ए फंडिंग एक स्टार्टअप द्वारा पूंजी जुटाने की प्रक्रिया के चरणों में से एक है। कंपनी ने कहा कि इस वित्त पोषण चक्र में मौजूदा और नए निवेशकों ने हिस्सा लिया। सिंपल एनर्जी के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि बेंगलुरू में हमारे शुरुआती ग्राहक आधार से मिली महत्वपूर्ण प्रतिक्रिया वास्तव में उल्लेखनीय है। हम अपने सभी निवेशकों का हमारे ब्रांड विश्वास दिखाने के लिए आभार व्यक्त करते हैं। सिंपल एनर्जी अभी दो इलेक्ट्रिक वाहन सिंपल वन और सिंपल डॉट वन बेचती है।

बंधन बैंक के शेयर 13 फीसदी से अधिक उछले

नई दिल्ली । निजी क्षेत्र के बंधन बैंक के शेयर में सोमवार को 13 प्रतिशत से अधिक तेजी आई। कंपनी के अप्रैल-जून तिमाही में मुनाफा में 47 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करने की जानकारी देने के बाद उसके शेयर में तेजी आई। बीएसई पर शेयर 11.97 प्रतिशत बढ़कर 215.50 रुपये पर पहुंच गया। एनएसई पर यह 13.35 प्रतिशत चढ़कर 218.20 रुपये पर रहा। बंधन बैंक ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि कंपनी का अप्रैल-जून तिमाही का मुनाफा सालाना आधार पर 47 प्रतिशत बढ़कर 1,063 करोड़ रुपये हो गया। समीक्षाधीन अवधि में कुल आय बढ़कर 6,063 करोड़ रुपये हो गई।

भारत को 30 ट्रिलियन की अर्थव्यवस्था बनने की जरूरत: नीति आयोग

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार वर्ष 2047 तक विकसित भारत बनाने का लक्ष्य प्राप्त करने के लिए हर संभव कोशिश कर रही है। नीति आयोग ने विजन फार विकसित भारत एट द रेट 2047: एन एप्रोच पेपर नाम का पेपर रिलीज किया। इस पेपर में आयोग ने कहा कि भारत को 2047 तक 30 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लिए 18,000 अमेरिकी डॉलर प्रति व्यक्ति आय करने की आवश्यकता है। इसके अलावा भारत को मिडल-इनकम ट्रैप से भी निकलने की जरूरत है। नीति आयोग के दस्तावेज के अनुसार प्रति व्यक्ति आय के साथ जीडीपी ग्रोथ पर भी ध्यान देने की आवश्यकता है। अगर विकसित भारत बनाना है तो जीडीपी को आज के 3.36 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर से नौ गुना बढ़ाना होगा। वहीं प्रति व्यक्ति आय को आज के 2,392 अमेरिकी डॉलर प्रति वर्ष से 8 गुना बढ़ाना होगा। दस्तावेज के अनुसार मिड-इनकम से हाई-इनकम लेवल तक पहुंचने के लिए 20-30 वर्षों तक 7-10 प्रतिशत की सीमा में निरंतर वृद्धि की आवश्यकता है। इस मामले में बहुत कम देश ही कामयाब हुए हैं। विकसित भारत एक ऐसा भारत है जिसकी सामाजिक, सांस्कृतिक, तकनीकी और संस्थागत विशेषताएं इसे एक समृद्ध विरासत के साथ एक विकसित राष्ट्र के रूप में चिह्नित करेंगी। विकसित भारत

बनने के लिए देश को विनिर्माण और लॉजिस्टिक्स में क्षमताओं को उन्नत करना और ग्रामीण और शहरी आय के बीच अंतर को कम करने जैसे संरचनात्मक चुनौतियों से निपटने की जरूरत है।

जेनसोल को गुजरात में सौर संयंत्र परियोजना का मिला ठेका

नई दिल्ली । जेनसोल इंजीनियरिंग को गुजरात के खावड़ा आरई पावर पार्क में सौर संयंत्र स्थापित करने के लिए 463 करोड़ रुपये का ठेका मिला है। कंपनी के अनुसार जेनसोल इंजीनियरिंग को गुजरात के कच्छ के रण में खावड़ा आरई पावर पार्क में 463 करोड़ रुपये के सौर संयंत्र की इंजीनियरिंग, डिजाइन, खरीद, स्थापना, परीक्षण तथा उसे चालू करने का ठेका मिला है। जेनसोल इंजीनियरिंग लिमिटेड की सोलर ईपीसी (इंडिया) की एक अ धिकारी ने कहा कि यह ठेका जेनसोल की परियोजना प्रबंधन क्षमताओं और निष्पादन विशेषज्ञता के नेतृत्व में विश्वास दर्शाता है। हम वर्तमान में करीब एक गीगावाट की कुल क्षमता वाले कई प्रमुख ग्राहकों के लिए सौर परियोजनाओं का निष्पादन कर रहे हैं। जेनसोल इंजीनियरिंग लिमिटेड की स्थापना 2012 में की गई। यह नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र की एक अग्रणी कंपनी है, जो सौर ऊर्जा इंजीनियरिंग, खरीद तथा निर्माण (ईपीसी) सेवाओं के साथ-साथ इलेक्ट्रिक परिवहन समाधानों में विशेषज्ञता रखती है।

सोने की कीमत 68,400 रुपए, चांदी 81,750 के करीब

नई दिल्ली ।

सप्ताह के पहले दिन सोमवार को सोने और चांदी के वायदा भाव में तेजी देखने को मिल रही है। सोमवार को दोनों के वायदा भाव तेजी के साथ खुले। सोने के वायदा भाव 68,400 रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 81,750 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। वै श्विक बाजार में भी सोने व चांदी के वायदा भाव में तेजी देखी जा रही है। सोने के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स)पर सोने का बेंचमार्क अगस्त कॉन्ट्रेक्ट 240 रुपये की तेजी के साथ 68,426 रुपये के भाव पर खुला। इस समय यह 222 रुपये की तेजी के साथ 68,408 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत भी तेज रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क सितंबर कॉन्ट्रेक्ट 340 रुपये की तेजी के साथ 81,711 रुपये पर खुला। इस समय यह 379 रुपये की तेजी के साथ 81,750 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वै श्विक बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। कॉमेक्स पर सोना 2,38.89 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,381 डॉलर प्रति औंस था। जो इस समय 11.60 डॉलर की तेजी के साथ 2,392.60 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 28.06 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 28.02 था। इस समय यह 0.12 डॉलर की तेजी के साथ 28.14 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

शेयर बाजार हल्की बढ़त पर बंद

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार सोमवार को हल्की बढ़त पर बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबार दिन दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के बाद भी बाजार में मुनाफावसूली हावी रहने से नीचे आया। सेंसेक्स और निफ्टी दोनों ही 81,908 और 24,999 के शीर्ष स्तर पर पहुंचने के बाद नीचे खिसक गये। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 23 अंक की मामूली तेजी के साथ 81,355 और निफ्टी 1.25 की बढ़त के साथ 24,836 पर बंद हुआ। वहीं मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में लार्जकैप के मुकाबले बढ़त रही। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 593 अंक करीब 1.03 फीसदी ऊपर आकर 58,362 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 189 अंक तकरीबन एक फीसदी बढ़कर 19,043 पर बंद हुआ।

आज वाहन , पीएसयू बैंक, फार्मा, मेटल, रियल्टी, एनर्जी और इन्फ्रा शेयर बढ़त के साथ बंद हुए जबकि आईटी, फिन सर्विस और फार्मा के शेयरों में गिरावट दर्ज की गयी। सेंसेक्स के शेयरों की बात करें तो एलएंडटी, बजाज फिनसर्व, एमएंडएम, अल्ट्राटेक सीमेंट, एसबीआई, रिलायंस, इंडसइंड बैंक, सन फार्मा, मारुति सुजुकी और बजाज

फाइनेंस सबसे अधिक लाभ वाले शेयर जबकि टाइटन, भारती एयरटेल, आईटीसी, टेक महिंद्रा और कोटक महिंद्रा बैंक के शेयर नीचे आये। आज कारोबार के दौरान उच्च स्तरों पर होने वाली मुनाफा वसूली हावी रही। इससे पहले आज सुबह वै श्विक बाजारों से मिले अच्छे संकेतों से बाजार खुलते ही रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गया। वैश्विक बाजारों में तेजी के चलते बेंचमार्क निफ्टी-50 और सेंसेक्स आज सुबह शुरुआत में उच्च स्तर पर पहुंच गए। सेंसेक्स 416.62 अंक बढ़कर 81,749.34 के नए सार्वजे निक उच्च स्तर पर पहुंच गया। दूसरी ओर निफ्टी 50 145.6 अंक बढ़कर 24,980.45 के स्तर पर पहुंच गया।

पिछले दो साल में हीरे की कीमत में लगातार आ रही गिरावट

- प्राकृतिक हीरे में भी 25 से 30 फीसदी की गिरावट देखी गई

नई दिल्ली ।

पिछले दो साल के डेटा के आधार पर देखा जाए तो इन दो सालों में लैब में बने हीरे की कीमत में भारी गिरावट आई है। जुलाई 2022 में हीरे की कीमत 300 डॉलर (करीब 35 हजार रुपये) प्रति कैरेट थी जो इस महीने गिरकर 78 डॉलर (करीब 6529 रुपये) प्रति कैरेट पर आ गई है। वहीं प्राकृतिक हीरे की कीमत में भी 25 से 30 फीसदी की गिरावट देखी गई है। हीरा कारोबारियों का कहना है कि पिछले दो साल में हीरे में कीमत में लगातार गिरावट आ रही है। वहीं सोने की कीमतों में वृद्धि, अमेरिकी अर्थव्यवस्था और अन्य पश्चिमी देशों में मंदी और चीनी खरीद पैटर्न में अचानक आए बदलाव से भी मदद नहीं मिली है। हीरा कारोबा रियों ने कहा है कि सूरत में काम करने वाले 38 हजार श्रमिकों से लेकर छोटे और मध्यम व्यवसायों और बड़े उद्यमों तक सभी को नुकसान हुआ है। विशेषज्ञों का कहना है कि भारत में अब हीरे की अधिक आपूर्ति है। प्राकृतिक हीरों की कीमतों में गिरावट के बारे में कहा जा रहा है कि छोटे और सस्ते गुणवत्ता वाले दोषपूर्ण हीरे अपनी चमक खो चुके हैं। इन्हें लैब में बने दोषरहित पत्थरों (हीरों) से कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ रहा है। उच्च स्तर पर वैश्विक बाजार से मांग धीमी है। हीरा कारोबारी कहते हैं कि एक समय चीन दोषरहित खनन किए गए पत्थरों का बड़ा खरीदार हुआ करता था। अब इसने भी इन हीरों से मुंह मोड़ लिया है और इसमें दिलचस्पी दिखानी बंद कर दी है। चीन अब पहले के मुकाबले मात्र 10 से 15 फीसदी ही हीरे खरीद रहा है। इंडिया बुलियन एंड ज्वैलरी एसोसिएशन के गवर्निंग बोर्ड के एक वरिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि सोने का स्टॉक रखने

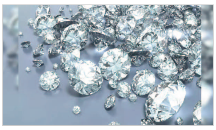

वाले व्यापारियों को अल्पावधि में नुकसान होगा। इन व्यापारियों ने ऊंची कीमत में इसे खरीदा था और अब सस्ते में बेचना होगा। जीजेईपीसी के एक अे धिकारी ने कहा कि रत्न और आभूषण उद्योग में 50 लाख लोग काम करते हैं। इनमें से काफी सीमांत वर्गों से आते हैं। बीकेसी में भारत डायमंड बोर्स में 50,000 लोग और एसईईपीजेड में एक लाख लोग काम करते हैं। यह इतना श्रम-गहन क्षेत्र है कि सरकार जो कुछ भी करेगी, उसका असर लाखों श्रमिकों पर पड़ेगा।

जेएसडब्ल्यू नियो एनर्जी को 192 मेगावाट हाइब्रिड बिजली परियोजना मिली

नई दिल्ली । जेएसडब्ल्यू एनर्जी की शाखा जेएसडब्ल्यू नियो एनर्जी को गुजरात ऊर्जा विकास निगम से 192 मेगावाट की हाइब्रिड बिजली परियोजना का ठेका मिला है। कंपनी के अनुसार जेएसडब्ल्यू एनर्जी की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी जेएसडब्ल्यू नियो एनर्जी को गुजरात ऊर्जा विकास निगम लिमिटेड (जीयूवीएनएल) से 192 मेगावाट की ग्रिड से जुड़ी हाइब्रिड बिजली परियोजना स्थापित करने का ठेका मिला है। इसमें ग्रीनशू विकल्प के तहत अतिरिक्त 96 मेगावाट भी शामिल है। बयान के अनुसार इस ठेके के साथ ही कंपनी की कुल लॉक-इन उत्पादन क्षमता बढ़कर 16.2 गीगावाट हो गई है, जिसमें 2.1 गीगावाट की कुल लॉक-इन हाइब्रिड क्षमता भी शामिल है। जेएसडब्ल्यू एनर्जी ने 2050 तक कार्बन तटस्थता हासिल करने का लक्ष्य रखा है।

अल्ट्राटेक सीमेंट चेन्नई की इंडिया सीमेंट्स में 33 फीसदी हिस्सेदारी खरीदेगी

- यह डील इंडिया सीमेंट्स के 390 रुपये प्रति शेयर पर होगा

नई दिल्ली ।

देश की सबसे बड़ी बिल्डिंग मटीरियल कंपनी के रूप में अपनी स्थिति मजबूत करने के लिए ग्रुप के चेयरमैन कुमार मंगलम बिड़ला ने इंडिया सीमेंट्स में हिस्सेदारी खरीदने के लिए एन श्रीनिवासन और उनके परिवार के साथ 3,954 करोड़ रुपये की एक डील की है। 65 अरब डॉलर के आदित्य बिड़ला ग्रुप की कंपनी अल्ट्राटेक सीमेंट चेन्नई की कंपनी इंडिया सीमेंट्स में लगभग 33 फीसदी हिस्सेदारी खरीदेगी। यह डील इंडिया सीमेंट्स 390 रुपये प्रति शेयर पर होगा। यह जून में अल्ट्राटेक द्वारा खरीदी गई 23 फीसदी हिस्सेदारी से अलग है। अल्ट्राटेक इसके साथ ही इंडिया सीमेंट्स के पब्लिक शेयरहोल्डर्स से अतिरिक्त 26 फीसदी हिस्सेदारी हासिल करने के लिए एक खुली पेशकश लाएगी। इस तरह अल्ट्राटेक का कुल निवेश 7,100 करोड़ रुपये हो जाएगा। अगर इस डील को रेगलेटर्स से हरी झंडी मिलती है तो इससे अल्ट्राटेक को दक्षिण भारत के बाजार में अपनी पैठ जमाने का मौका मिलेगा। खासकर तमिलनाडु में उसकी सीमित उपस्थिति है। तमिलनाडु में अल्ट्राटेक ने अगस्त 1998 में अपनी आखिरी यूनिट का अधिग्रहण किया था लेकिन राज्य में चूना पत्थर की कमी के कारण उसने राज्य में नई यूनिट्स लगाने से परहेज किया है। अल्ट्राटेक तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और राजस्थान में फैली इंडिया सीमेंट्स की 14.5 मिलियन टन क्षमता को अपनी मौजूदा 153 मिलियन टन क्षमता में जोड़ेगी और कंपनी के 1,855 कर्मचारियों को काम पर रखेगी। तमिलनाडु में अल्ट्राटेक की एकमात्र इंटिग्रेटेड यूनिट की क्षमता 1.4 मिलियन टन है, जबकि राज्य में इंडिया सीमेंट्स की क्षमता 6 मिलियन टन है। आदित्य बिड़ला ग्रुप के प्रेजिडेंट कुमार मंगलम बिड़ला ने कहा कि इंडिया सीमेंट्स उनके लिए एक रोमांचक मौका है क्योंकि इससे अल्ट्राटेक की दक्षिणी बाजार में उपस्थिति मजबूत होगी। साथ ही यह 200 मिलियन टन से अधिक क्षमता हासिल करने की हमारी मुहिम में तेजी आएगी।

हनीवेल ने एयर इंडिया के साथ दीर्घकालिक रखरखाव समझौता किया

मुंबई ।

वैश्विक कंपनी हनीवेल ने टाटा समूह की एयर इंडिया के साथ एयरलाइन के मौजूदा तथा नए विमान बेड़े के लिए सहायक बिजली इकाइयों (एपीयू) के रखरखाव के लिए दीर्घकालिक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। अमेरिकी शेयर बाजार नैस्डैक में सूचीबद्ध कंपनी ने कहा कि एपीयू से एयरलाइन को अनियोजित रखरखाव लागत तथा डाउनटाइम (निष्क्रिय समय) को कम करने में मदद मिलेगी। इसके बदले उच्च विमान आपूर्ति और बेड़े की उपलब्धता सुनिश्चित होगी। हनीवेल के अनुसार एयर इंडिया के पास अभी 300 से अधिक विमान हैं। उसके पुराने बेड़े में 100 से अधिक एयरबस ए320 तथा 15 बोइंग बी777 विमान शामिल हैं। नए बेड़े में 190 बी737-8 विमान हैं।

हनीवेल इंडिया के एक अे धिकारी ने कहा कि हम एयर इंडिया के साथ अपने सहयोग को मजबूत कर रहे हैं। उसके बेड़े के

आधुनिकीकरण प्रयासों में मदद कर रहे हैं, जो कि एयरलाइन के नवाचार तथा विकास उद्देश्यों को समर्थन देने की दीर्घकालिक प्रतिबद्धता का हिस्सा है। एयर इंडिया के एक अे धिकारी ने कहा कि यह समझौता हमारी वैश्विक वृद्धि तथा बदलाव योजनाओं का हिस्सा है, जिसका मकसद हनीवेल की उन्नत प्रौद्योगिकी सेवाओं के माध्यम से ज्यादातर बेड़े की उपलब्धता के साथ अधिक कुशल, विश्वसनीय संचालन प्राप्त करना है।

टाटा की कर्व एसयूवी होगी 7 अगस्त को लान्च

नई दिल्ली ।

भारतीय बाजार में स्वदेशी कंपनी टाटा मोटर्स अपनी कर्व एसयूवी को 7 अगस्त को लान्च करने जा रही है। कर्व एसयूवी 3 ऐसे फीचर्स के साथ आएगी, जो अभी तक किसी और सी-सेगमेंट एसयूवी में नहीं मिल रहे हैं। इनमें से पहला फीचर फ्लश डोर हैंडल है। इसके अलावा कार में दूसरा फीचर पावर्ड टेलगेट है जो टाटा सफारी में भी मिलता है। कार में मिलने वाला तीसरा फीचर फुल मैप व्यू है। टाटा कर्व पहली सी-सेगमेंट एसयूवी होगी जिसमें फ्लश डोर हैंडल जैसा फीचर दिया जाएगा। आपको बता दें कि फिलहाल यह फीचर डी-सेगमेंट की महिंद्रा एसयूवी 700 में उपलब्ध है। इसके किफायती वैरिएंट में मैनुअल फ्लश डोर हैंडल मिलते हैं, जबकि ऊंचे वैरिएंट में ऑटोमैटिक एक्सटेंडिंग हैंडल मिलते हैं। संभावना है कि टाटा कर्व के ऊंचे वैरिएंट में फ्लश फिटिंग डिजाइन के साथ ऑटोमैटिक डोर हैंडल दिए जाएंगे। इसके अलावा ऊंचे वैरिएंट में टच-आधारित स्टीयरिंग-माउंटेड कंट्रोल फीचर भी मिलेगा जो सेगमेंट फर्स्ट होगा। टाटा कर्व में मिलने वाला अगला उपयोगी फीचर इलेक्ट्रिक टेलगेट है। टाटा सफारी से लिया गया यह फीचर कार चलाने वालों के लिए ड्राइविंग एक्सपीरियंस को और बेहतर बनाएगा। लॉन्च के समय, कर्व अपने सेगमेंट में सबसे सस्ती और एकमात्र एसयूवी होगी जो यह फीचर प्रदान करेगी।

कंपनी अपनी आगामी एसयूवी में 10.25-इंच का बड़ा डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर दे रही है। यह डिस्प्ले कंपनी अपनी नेक्सन एसयूवी में भी दे रही है, जो आमतौर पर लग्जरी कारों में देखने को मिलती है। एंड्रॉइड ऑटो/एप्पल कारप्ले का उपयोग करने वाले ग्राहक नेविगेशन के लिए गूगल मैप्स/एप्पल मैप्स को मिरर कर सकते हैं।उम्मीद है कि टाटा मोटर्स इस फीचर को केवल ऊंचे मॉडलों में ही पेश करेगी। टाटा कर्व में मिलने वाला इंफोटेनमेंट सिस्टम भी शानदार होगा।

ओला इलेक्ट्रिक का आईपीओ 2 अगस्त को खुलेगा

- ओला इलेक्ट्रिक का इश्यू के जरिये करीब 74 करोड़ डॉलर जुटाने का लक्ष्य

नई दिल्ली ।

ओला इलेक्ट्रिक देश में ई-स्कूटर बाजार में सबसे बड़ी कंपनी में से एक है। ओला इलेक्ट्रिक का आईपीओ सब्सक्राइब करने के लिए दो अगस्त को खुलेगा। ओला का इश्यू के जरिये करीब 74 करोड़ डॉलर जुटाने का लक्ष्य है। ओला इलेक्ट्रिक का लगभग 74 करोड़ डॉलर का आईपीओ किसी भारतीय इलेक्ट्रिक वाहन निर्माता की तरफ से लॉन्च किया जा रहा पहला पब्लिक इश्यू है। एक अखबार में कंपनी के विज्ञापन के अनुसार आईपीओ के प्राइस बैंड 72-76 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। आईपीओ में बोली लगाने वाले एलिजिबल कर्मचारियों के लिए प्रति शेयर 7 रुपये की छूट दी जायेगी। ओला इलेक्ट्रिक का आईपीओ सब्सक्राइब करने के लिए 2 अगस्त को खुलेगा और यह बोली लगाने के लिए 6 अगस्त तक खुला रहेगा। कंपनी अपने आईपीओ नए शेयर और 8.49 करोड़ शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) का मिश्रण है। कंपनी की पिछली पेशकश के मुकाबले ओएफएस का आकार 9.52 करोड़ शेयरों से घटाया गया

है। अग्रवाल इसमें अपने 3.79 करोड़ शेयरों की पेशकश कर रहे हैं, यह कंपनी के डीआरएचपी में बताए गए 4.74 करोड़ के मुकाबले कम है। अग्रवाल के बाद, सॉफ्टबैंक विजन फंड्स-2 इस आईपीओ में सबसे ज्यादा 2.38 करोड़ शेयरों की पेशकश कर रही है। कंपनी ने अपने डीआरएचपी में कहा है कि वह आईपीओ से मिलने वाली राशि में 1600 करोड़ रुपये रिसर्च एवं डेवेलपमेंट) पर, 1227.6 करोड़ रुपये अपनी निर्माण इकाई के विस्तार पर खर्च करेगी। कंपनी पूरी तरह या आंशिक रूप से कर्ज चुकाने के लिए भी 800 करोड़ रुपये की राशि का इस्तेमाल करेगी। ईवी कंपनी का आईपीओ 9 अगस्त को स्टॉक एक्सचेंज पर लिस्ट किया जा सकता है। इसके साथ ही आईपीओ लाने वाली यह पहली भारतीय इलेक्ट्रिक दोपहिया कंपनी बन जाएगी।

श्रीलंका के खिलाफ 3-0 से सीरीज जीतने उतरेगी भारतीय क्रिकेट टीम

पालकेली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम मंगलवार को मेजबान श्रीलंका के खिलाफ तीसरे टी20 को जीतकर सीरीज 3-0 से अपने नाम करने उतरेगी। भारतीय टीम ने पहले दोनो ही मैच आसानी से जीते हैं। ऐसे में उसके हौंसले बुलंद हैं। भारतीय टीम अब तक हुए दोनो ही मैच में मेजबानों पर हर विभाग में भारी पड़ी है।

नये कोच गौतम गंभीर और नये कप्तान सूर्यकुमार यादव अपनी रणनीति पर पूरी तरह से अमल कर रहे हैं। इस मैच में उन खिलाड़ियों का अवसर मिल सकता है जो अभी तक बेंच पर हैं। सूर्यकुमार यादव ने पहले मैच 58 और दूसरे में 26 रन बनाकर दिखाया है कि कप्तानी से उनपर कोई दबाव नहीं है।

भारत ने दूसरे मैच में चोटिल सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल की जगह संजू सैमसन को टीम में रखा था पर सैमसन विफल रहे थे। शुभमन अगर फिट हुए तो वह इस मैच में खेलेंगे अगर नहीं तो सैमसन को फिर अवसर मिल सकता है। वहीं दूसरी ओर श्रीलंका की बल्लेबाजी अब तक विफल रही थी। केवल पथुम निसांका 111 रन और कुसल परेरा 73 रन बना पाए हैं। वहीं मध्यक्रम रनों के लिए जूझ रहा है।

टीम

भारत का स्क्वॉड- सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुभमन गिल, यशस्वी जयसवाल, रिंकू सिंह, रियान पराग, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), संजू सैमसन (विकेटकीपर), हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, वॉशिंगटन सुंदर, रवि बिश्नोई, अर्शदीप सिंह, खलील अहमद, मोहम्मद सिराज

श्रीलंका का स्क्वॉड- चरिथ असलांका (कप्तान), दिनेश चंडीमल, अविष्का फर्नांडो, कुसल मेंडिस (विकेटकीपर), पथुम निसांका, कुसल परेरा, वानिंदु हसरंगा, कामिंडु मेंडिस, दासुन शनाका, चामिंडु विक्रमसिंघे, बिनुरा फर्नांडो, असिथा फर्नांडो, दिलशान मदुशंका, मथीशा पथिराना , महेश तीक्षणा, डुनिथ वेलालेज।

पेरिस ओलंपिक: रमिता 10 मीटर एयर राइफल के फाइनल में सातवें स्थान पर रहीं

-पदक जीतने का सपना टूटा

पेरिस (एजेंसी)। पेरिस ओलंपिक में भारतीय निशानेबाज रमिता जिंदल 10 मीटर एयर राइफल के फाइनल में निराशाजनक प्रदर्शन के कारण 7वें पर रहीं और पदक नहीं जीत पायीं। इस इवेंट में शुरु के 5 शॉट तक रमिता शीर्ष पांच निशानेबाज में शामिल थी पर इसके बाद अगले 5 शॉट में वह पीछे हो गयीं। 14 शॉट्स के बाद वह 7वें स्थान पर खिसक गयीं। इस प्रकार वह पदक की दौड़ से बाहर हो गई। 10 मीटर एयर राइफल फाइनल में रमिता ने अच्छी शुरुआत की और पहले 5 शॉट के बाद चौथा स्थान हासिल किया। उन्होंने पहले 5 शॉट में 10.3, 10.2, 10.6, 10.9, 10.5 का स्कोर किया पर अंतिम 5 शॉट में रमिता ने 10.4, 10.1, 10.7, 10.6, 9.7 अंक हासिल किए। पहले 10 शॉट के बाद वो खिसककर 7वें स्थान पर आ गयीं। पहले 5 शॉट के बाद रमिता ने 52.5 अंक हासिल किए। इसके बाद अगले 5 शॉट के बाद उनके पास 104 अंक थे। रमिता ने एलिमिनेटर राउंड में पहले दो शॉट्स 10.4 और 10.5 के लगाए। इससे वह 5 वें नंबर तक पहुंची। उन्होंने 10.2 और 10.2 अंक हासिल किया और सातवें स्थान पर खिसकर पदक दौड़ से बाहर हो गयीं। रमिता ने क्वालीफाइंग राउंड में शानदार प्रदर्शन करते हुए 631.5 अंक कर फाइनल में जगह बनाई थी पर वह फाइनल मुकाबले में सफल नहीं हो पायीं।

मनिका बत्रा और श्रीजा महिला टेबल टेनिस के दूसरे दौर में, शरत बाहर

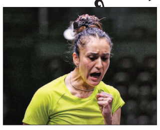

पेरिस (एजेंसी)। भारत की टेबल टेनिस स्टार मनिका बत्रा और श्रीजा अकुला ने रविवार को पेरिस ओलंपिक में महिला टेबल टेनिस स्पर्धा में शानदार खेल का मुजाहिरा करते हुए प्रतिद्वंद्वी खिलाड़ियों को मात देकर अगले दौर में जगह बना ली है। वहीं पुरुष वर्ग में शरत कमल का राउंड ऑफ 64 में हार के बाद अभियान समाप्त हो गया है। भारतीय टेबल टेनिस स्टार मनिका बत्रा ने महिला एकल वर्ग के मुकाबले में ब्रिटेन की अन्ना हर्सी को 4-1 से हराकर दूसरे दौर में जगह बनाई। आज यहां मनिका ने मुकाबले में पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए 11-8, 12-10, 11-9, 9-11, 11-5 से मुकाबला जीत लिया। इसकी के साथ वही महिला एकल वर्ग में राउंड ऑफ 32 में पहुंच गई है। वह राउंड ऑफ 32 में पहुंचने वाली दूसरी भारतीय महिला बन गई हैं।

राउंड ऑफ 32 में मनिका बत्रा का मुकाबला भारतीय मूल की फ्रांसीसी खिलाड़ी पृथिका पावड़े से होगा। इससे पहले भारत की उभरती टेबल टेनिस स्टार श्रीजा अकुला ने पेरिस ओलंपिक में राउंड ऑफ 64 के मुकाबले में स्वीडन की खिलाड़ी क्रिस्टीना कल्बर्ग पर जीत दर्ज करते हुए अगले दौर में प्रवेश किया। श्रीजा ने आक्रामक शुरुआत करते हुए बढ़त बनाई। इसके बाद पहला गेम 11-4 से, दूसरे गेम में 9-11 से, तीसरा गेम 11-7 से जीता और आखिरी गेम को 11-7 से जीतकर दर्ज वह अगले दौर में पहुंच गई। वहीं, भारत के स्टार पेडलर शरत कमल को पुरुष एकल मुकाबले में स्लोवेनिया के कोजुल डेनी से हार का सामना करना पड़ा। 49 मिनट तक चले मुकाबले में स्लोवेनिया के डेनी ने शरत को 4-2 से हराया। इस हार के साथ ही शरत का पेरिस ओलंपिक का सफर समाप्त हो गया है। पहला सेट जीतने के बाद शरत लगातार तीन सेटों में हार मिली। शरत ने पहले सेट में स्लोवेनिया के खिलाफ पर 12-10 से जीत दर्ज की। इसके बाद दूसरे सेट में कोजुल डेनी ने 8 मिनट में शरत को 11-9 से हरा दिया। तीसरे सेट में डेनी ने आठ मिनट में शरत को 11-6 से और चौथे सेट में 11-7 से जीत दर्ज की। 5वें सेट में शरत कमल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए डेनी को 11-8 से हराकर अपनी उम्मीदों को जिंदा रखा।

पेरिस ओलंपिक : लक्ष्य सेन की धीमी शुरुआत के बाद जोरदार वापसी, जूलियन कैरेगी को हराया

पेरिस (एजेंसी)। ओलंपिक में पदार्पण कर रहे भारत के स्टार खिलाड़ी लक्ष्य सेन ने धीमी शुरुआत से उबरकर सोमवार को यहां पेरिस ओलंपिक की पुरुष एकल स्पर्धा के ग्रुप एल में बेल्जियम के जूलियन कैरेगी को सीधे गेम में हरा दिया। लक्ष्य ने ग्रुप के अपने पहले मैच में रविवार को केविन कोर्डन को हराया था लेकिन गुआटेमाला के खिलाड़ी के कोहनी की चोट के कारण प्रतियोगिता से हटने के बाद उनके सभी नतीजों को 'डिलीट% कर दिया गया। इस तरह ग्रुप एल में अब सिर्फ तीन खिलाड़ियों के बीच चुनौती की है जबकि पहले चार खिलाड़ी दावेदारी पेश कर रहे थे।

भारत के दुनिया के 18वें नंबर के खिलाड़ी लक्ष्य ने दुनिया के 52वें नंबर के खिलाड़ी कैरेगी को 43 मिनट में 21-19, 21-14 से शिकस्त दी। विश्व चैंपियनशिप के पूर्व कांस्य पदक विजेता लक्ष्य अब अपने अंतिम ग्रुप मैच में 31 जुलाई को इंडोनेशिया के दुनिया के तीसरे नंबर के खिलाड़ी जोनाथन क्रिस्टी से भिड़ेंगे। यह मुकाबला ग्रुप एल से प्री क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने वाले खिलाड़ी का फैसला करेगा।

कैरेगी के खिलाफ लक्ष्य से आसान जीत दर्ज करने की उम्मीद की जा रही थी लेकिन बेल्जियम के खिलाड़ी से उन्हें कड़ी टक्कर मिली, विशेषकर पहले गेम में। लक्ष्य ने काफी सहज गलतियां भी की जिससे उनकी राह मुश्किल हुई। उन्होंने कई शॉट नेट पर और बाहर मारकर अंक गंवाए। कैरेगी ने पहले गेम में लक्ष्य की गलतियों का फायदा उठाकर अधिकांश समय बढ़त बनाए रखी लेकिन भारतीय खिलाड़ी महत्वपूर्ण लम्हों पर धैर्य

बरकरार रखकर जीत दर्ज करने में सफल रहा।

राष्ट्रमंडल खेल के स्वर्ण पदक विजेता लक्ष्य ने मुकाबले की अच्छी शुरुआत करते हुए 4-2 की बढ़त बनाई लेकिन इसके बाद कुछ सहज गलतियां की जिससे कैरेगी 8-5 से बढ़त बनाने में सफल रहे। लक्ष्य ने इस दौरान कुछ शॉट बाहर मारे जबकि कैरेगी के क्रॉस कोर्ट स्मैश भी दमदार थे। बेल्जियम का खिलाड़ी क्रॉस कोर्ट स्मैश से अंक जुटाकर ब्रेक तक 11-8 से आगे रहा।

लक्ष्य ने वापसी करते हुए 8-12 के स्कोर पर लगातार तीन अंक के साथ स्कोर 11-12 किया। उन्होंने कैरेगी को लगातार दबाव में रखा और स्कोर पहले 14-15 और फिर 16-17 करने में सफल रहे। भारतीय खिलाड़ी ने अंततः 18-18 के स्कोर पर बराबरी हासिल की। लक्ष्य ने कैरेगी के शॉट बाहर मारने पर 20-19 के स्कोर पर गेम प्वाइंट हासिल किया और फिर दमदार स्मैश के साथ पहला गेम 22 मिनट में अपने नाम किया।

दूसरे गेम में लक्ष्य शुरुआत से ही हावी रहे। उन्होंने 7-2 की बढ़त बनाई और फिर ब्रेक तक 11-4 से आगे थे। कैरेगी ने ब्रेक के बाद स्कोर 10-14 किया लेकिन लक्ष्य ने 20-14 के स्कोर पर छह मैच प्वाइंट हासिल किए और कैरेगी ने अगले ही अंक पर बाहर शॉट मारकर गेम और मैच लक्ष्य की झोली में डाल दिया।

पेरिस ओलंपिक में लक्ष्य को झटका, अमान्य घोषित हुई पहली जीत

पेरिस । भारत के शीर्ष बैडमिंटन खिलाड़ियों में शामिल लक्ष्य सेन की पेरिस ओलंपिक के पहले ही दौर में मिली जीत को अमान्य घोषित कर दिया गया है। इसका कारण ये बताया गया है कि लक्ष्य ने जिस खिलाड़ी को हराया था। वह चोटिल होने के कारण ओलंपिक से बाहर हो गया है। ऐसे में अब लक्ष्य को ये मुकाबला एक बार फिर खेलना होगा। गत दिवस बैडमिंटन के एकल मुकाबले में लक्ष्य का मुकाबला ग्वाटेमाला के केविन कॉर्डन से हआ था। इस मुकाबले में लक्ष्य ने 42 मिनट के अंदर ही केविन को 21-8, 22-20 से हराया था। लक्ष्य ने पहले गेम को आसानी से 21-8 से जीत लिया था। इसके बाद केविन ने वापसी के प्रयास किये पर अंत में लगातार छह अंक जीतकर लक्ष्य ने मैच पर कब्जा कर लिया। वहीं अब इस मुकाबले को अमान्य करार दिया गया है। जो लक्ष्य के लिए एक बड़ा झटका है। कहा जा रहा है कि कोहनी की चोट के कारण केविन ओलंपिक से ही बाहर हो गये हैं। इस परिणाम को भी रिकार्ड से हटा दिया गया है। इसका मतलब हुआ कि केविन कॉर्डन पर लक्ष्य की जीत को माना नहीं जाएगा। अब लक्ष्य को ग्रुप स्तर पर बेल्जियम के जूलियन कैरागी से खेलना होगा। इसकके बाद वह इंडोनेशिया के जोनाथन क्रिस्टी से खेलेंगे।

हमारे समय में नहीं थी आज जैसी सुविधाएं : उषा

पेरिस । दिग्गज एथलीट और भारतीय भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की प्रमुख पीटी उषा ने कहा है कि आजकल खिलाड़ियों को काफी अच्छे स्तर की सुविधाएं मिल रही हैं। उषा के अनुसार पिछले एक दशक में खेल सुविधाओं के मामले में देश में काफी सुधार हुआ है। इसी कारण अब खिलाड़ियों को हर प्रकार की सहायता दी जा रही है। उन्हें बेहतर कोच , फिजियो के साथ ही बेहतर प्रशिक्षण भी मिल रहा है। उषा के अनुसार आज जैसी सुविधा पहले के समय में नहीं थी। जहां तक उनके समय की बात है उसकी तुलना आज के माहौल से नहीं की जा सकती है। तब उन्होंने अपने कोच को अपने साथ रखने का प्रबंध किया। इसके अलावा कोई अन्य एक्सपोज़र ही नहीं था। साथ ही कहा कि अगर मुझे यूरोप के बाहर 3 से 4 रेस मिल जाती तो मैं पदक जीत सकती थी। अनुभव और एक्सपोज़र की कमी के कारण ही मैं पदक नहीं जीत पायी थी। उषा के अनुसार आज खेल मंत्रालय खिलाड़ियों को एक्सपोज़र दिलाने पर मोटी रकम खर्च कर रहा है। खिलाड़ियों को विदेशी कोच, फिजियो और मालिश करने वाले, जो कुछ भी वे चाहते हैं दिये जा रहे हैं। इसी के कारण पिछले एक दशक में खिलाड़ियों का प्रदर्शन पहले से कहीं बेहतर हुआ है। इस बार ओलंपिक में हमें अधिक पदकों की उम्मीदें हैं। उन्होंने कहा कि इस बार भारतीय एथलीटों के साथ खेल विज्ञान डॉक्टरों की एक बहुत अच्छी टीम भी भेजी गयी है। इसमें स्लीप थेरेपी और मानसिक कल्याण टीम के विशेषज्ञ भी हैं। इसलिए अब उन्हें अपने इवेंट पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए और अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने का प्रयास करना चाहिए। अगर वे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे तो मुझे उम्मीद है कि उन्हें और पदक मिलेंगे।

हरमनप्रीत का आखिरी क्षणों में किया गोल आया काम, भारत ने अर्जेंटीना से खेला ड्रॉ

पेरिस (एजेंसी)। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने एक बार फिर अपनी टीम की मदद की और सोमवार को पेरिस ओलंपिक में पुरुष हॉकी के दूसरे पूल मैच में अर्जेंटीना के खिलाफ अंतिम क्षणों में बराबरी का गोल करके 1-1 से ड्रॉ बचाया।

लुकास मार्टिनेज ने 22वें मिनट में अर्जेंटीना को बढ़त दिलाई जिसके बाद हरमनप्रीत ने भारत के 10वें और आखिरी पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर मैच से महत्वपूर्ण अंक हासिल किया। भारतीय टीम ने शनिवार को पूल बी के अपने पहले मैच में न्यूजीलैंड को हराया था।

इस मैच में पूर्व भारतीय क्रिकेट कप्तान और मुख्य कोच राहुल द्रविड़ भी मौजूद थे, लेकिन मैच की शुरुआत धीमी रही और फिर इसने गति पकड़ ली। भारतीय टीम को मिडफील्ड के खराब प्रदर्शन के कारण हार का सामना करना पड़ा, क्योंकि उप-कप्तान हार्दिक सिंह और मनप्रीत सिंह जैसे खिलाड़ी मैदान पर नहीं दिखे।

भारत को पेनल्टी कॉर्नर रूपांतरण दर में कमी का भी सामना करना पड़ा क्योंकि उन्होंने पूरे मैच में अर्जित 10 सेट पीस में से केवल एक का ही उपयोग किया। भारत अब मंगलवार को आयरलैंड से खेलेगा, उसके बाद अपने अंतिम दो पूल मैचों में ऑस्ट्रेलिया और मौजूदा चैंपियन बेल्जियम से भिड़ेगा। प्रत्येक पूल से शीर्ष चार टीमें क्वार्टर फाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगी।

आशीष नेहरा ने उड़ाया यशस्वी जायसवाल का मजाक

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टीम के युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल जिस तरह से बल्लेबाजी कर रहे हैं उससे साबित होता है कि वो लंबी रेस का घोड़ा है। श्रीलंका के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज में यशस्वी ने पहले दोनों मैचों में ताबड़तोड़ बल्लेबाजी की है। हालांकि, हाल ही में टी20 वर्ल्ड कप 2024 में भारतीय स्क्वॉड में यशस्वी शामिल थे लेकिन उन्हें खेलने का मौका नहीं मिला। लेकिन अपनी परफॉर्मेंस की बदौलत उन्होंने भारत की प्लेइंग इलेवन में अपनी जगह पक्की कर ली है।

टी20 वर्ल्ड कप 2024 में भारतीय टीम में रोहित-विराट के होने से टीम में यशस्वी जायसवाल की जगह नहीं बन पा रही थी। दोनों के टी20 इंटरनेशनल से संन्यास के बाद यशस्वी का प्लेइंग 11 में स्थान पक्का हो गया है। वहीं श्रीलंका सीरीज के दौरान इस मुद्दे पर आशीष नेहरा ने इस युवा बैटर के जमकर मजे लिए।

सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क ने एक वीडियो शेयर किया है। इसमें आशीष नेहरा कहते हैं कि, अभी अजय जडेजा ने आपको बोला ना, क्या फर्क होता है, जब विराट कोहली होते हैं, रोहित शर्मा होते हैं। तो मेरे हिसाब से एक ही फर्क होता है कि जितने भी हमने स्ट्रोक देखे हैं, तो वो दोनों वहां पर होते इस फॉर्मेट में अभी तक तो आपको वो शॉट्स् नेट में खेलने पड़ते। यहां पर मैच में खेलने को मिल रहे हैं अगर वो नहीं हैं तो, अरे भाई दो ही लोग खेल सकते हैं। नेहरा ये बोलकर खुद तो हंसते ही हैं, उनके साथ यशस्वी जायसवाल भी जोर-जोर से हंसने लगते हैं।

दरअसल, यशस्वी से पूछा गया था कि विराट-रोहित के टी20 इंटरनेशनल स्क्वॉड में रहने और नहीं रहने से क्या फर्क नजर आ रहा है। इसके जवाब में नेहरा जो बोले, उसे सुनकर आप भी अपनी हंसी कंट्रोल नहीं कर पाएंगे। नेहरा अक्सर अपनी बेबाकी के लिए जाने जाते हैं।

फ्रांसीसी लोगों के गुस्से का शिकार हो रहे अर्जेंटीना के खिलाड़ी

पेरिस । पेरिस ओलंपिक में लोग अर्जेंटीना के खिलाड़ियों पर निशाना साधने का कोई अवसर नहीं छोड़ रहे हैं। इससे दोनो देशों के बीच तनाव की स्थिति भी बन सकती है। इसके बाद आयोजकों ने स्थानीय लोगों से कहा है कि इस प्रकार का व्यवहार न करें। इसका कारण फुटबॉल, नस्लवाद और सामाजिक परिवर्तन को कारण बताया गया है। हालात इतने खराब हैं कि अर्जेंटीना के खिलाड़ियों को अपनी फुटबॉल टीम के लिए प्रशंसक तक नहीं मिल रहे। राष्ट्रगान के दौरान भी अर्जेंटीना की रग्बी 7एस टीम (प्यूमास) की जमकर आलोचना हुई थी। इससे प्यूमास के कप्तान गैस्टन रिवोल भी निराश दिखे। रिवोल ने कहा, मैं इस प्रकार के व्यवहार के लिए तैयार नहीं था। भीड़ प्यूमास पर अपना गुस्सा जाहिर कर रही थी पर वास्तव में ये अर्जेंटीना की फुटबॉल टीम के खिलाफ ही था। इसका कारण है है लियोनल मेसी, एंजेल डी मारिया और एंजो फर्नांडीज की अर्जेंटीनाई फुटबॉल टीम ने विश्वकप में फ्रांस को हराया था। हाल ही में अर्जेंटीना कोपा अमेरिका में भी विजेता रही। कोपा अमेरिका की जीत के बाद आरोप है कि एंजो फर्नांडीज ने बस में एक नस्लवादी गाना गाया, जिसमें मुख्य रूप से अफ्रीकी मूल के खिलाड़ियों को रखने के लिए फ्रांसीसी फुटबॉल टीम का मजाक उड़ाया गया था। विविधता से भरे शहर में फुटबॉल खेलने वाले एक खिलाड़ी का यह व्यवहार सभी को हैरानल करने वाला था हालांकि बाद में इसके लिए फर्नांडीज ने माफी मांगी थी पर फ्रांस के लाखों अश्वेत इससे नाराज थे ओर जैस ही अर्जेंटीना के खिलाफ पेरिस पहुंचे उनका विरोध शुरु हो गया। अर्जेंटीना के राष्ट्रपति जेवियर माइली ने भी इस मामले में स्थिति साफ करने के लिए फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों से मुलाकात की। वहीं कई लोग इस आक्रोश को उत्तर और दक्षिण की ऐतिहासिक प्रतिद्वंद्विता, अधिकार और नजरिए के अंतर के रूप में देख रहे हैं। कुछ पुराने विडियो सामने आए जिसमें 2018 फुटबॉल विश्व कप जीतने के बाद फ्रांस की टीम मेसी का मजाक उड़ाते हुए दिखाई दे रही थी।

महिला रिले दौड़ में बेहतर प्रदर्शन के इरादे से उतरेगी प्राची

पेरिस । पेरिस ओलंपिक की एथलेटिक्स स्पर्धा में इस बार प्राची चौधरी भी उतरेंगी। बेहद कमजोर आर्थिक हालातों से उबरकर ओलंपिक तक पहुंची प्राची का लक्ष्य इसमें बेहतर प्रदर्शन करना रहेगा। प्राची 4 गुणा 400 मीटर महिला रिले दौड़ में उतरेंगी। प्राची ने पिछले साल 2023 में खेले गए एशियाई खेलों में भी शानदार प्रदर्शन किया था। पेरिस ओलंपिक 2024 के लिए प्राची को रिले दौड़ में एमआर पूवम्मा, विथ्या रामराजज्योतिका श्री दांडी, सुभा वेंकटेश और किरन पहल के साथ टीम में शामिल किया गया है। इस स्पर्धा के लिए भारतीय महिला टीम का चयन वर्ल्ड एथलेटिक्स की ओर से मई में बहमास में आयोजित प्रतियोगिता में प्रदर्शन के आधार पर हुआ था। चार गुणा चार सौ मीटर रिले दौड़ नौ अगस्त को शुरु होगी। इसमें सेमीफाइनल यानी हीट्स में बेहतर प्रदर्शन के साथ टॉप-आठ में स्थान बनाने पर 10 अगस्त को फाइनल में खिलाड़ी उतरेंगी। साल वर्ष 2021 में प्रतिबंधित दवा का सेवन करने के लिए इस एथलीट को डोप जांच में फेल कर दिया गया था, लेकिन बाद की जांच में सामने आया कि वह दवा गलती से ली गई थी। इसलिए उन पर लगा प्रतिबंध कम कर दिया गया। इसके बाद एशियाई खेलों में सफलता के लिए प्राची ने कड़ी मेहनत की और सफल रहीं।

नई टीमों और राष्ट्रव्यापी शुरूआत के साथ श्राची स्पोर्ट्स ने अपनी नई टीम के साथ विस्तार किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। खेल और विकास के क्षेत्र में एक प्रमुख नाम श्राची स्पोर्ट्स ने राजस्थान यूनाइटेड के एकीकरण की घोषणा की है, जिसे श्राची राजस्थान टाइगर्स के रूप में पुनः ब्रांडेड किया गया है। यह रणनीतिक कदम फुटबॉल में अपनी मौजूदगी का विस्तार करता है और प्रतिभा और खेल की बेहतरी के के लिए अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत करता है। अधिग्रहण एआईएफएफ, फीफा और अन्य नियामक निकायों से सभी वैधानिक मंजूरी के अधीन है। कार्यक्रम का आयोजन प्रेस क्लब ऑफ इंडिया में किया गया था।

एक अभूतपूर्व पहल में, श्राची स्पोर्ट्स ने ''एथलीड' लॉन्च किया, जो जमीनी स्तर पर खेलों को ऊपर उठाने के लिए समर्पित एक राष्ट्रीय कार्यक्रम है। एथलीड का उद्देश्य खेल कोचिंग में क्रांति लाना, खेल विज्ञान को बढ़ावा देना और खेल प्रबंधन में अवसर पैदा करना है, श्राची स्पोर्ट्स ने एथलीड का गठन यह सुनिश्चित करने के लिए किया है कि एथलीट भारत में खेलों को अगले स्तर तक ले जाएं, हमें यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता है कि भारत सभी खेलों और खेलों के सभी क्षेत्रों में एक प्रतियोगी बन सके।

मुख्य अतिथि पूर्व दिग्गज क्रिकेटर संदीप पाटिल ने कहा, 'समय के साथ क्रिकेट में बदलाव आया है। कोचिंग और खेलों के प्रति दृष्टिकोण में भी बदलाव आया है। श्राची स्पोर्ट्स ने एथलीड का गठन यह सुनिश्चित करने के लिए किया है कि एथलीट भारत में खेलों को अगले स्तर तक ले जाएं, हमें यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता है कि भारत सभी खेलों और खेलों के सभी क्षेत्रों में एक प्रतियोगी बन सके।'

जबकि भारतीय पैरालंपिक समिति के अध्यक्ष देवेंद्र झाझरिया ने कहा, 'श्राची स्पोर्ट्स भारत के खेल इतिहास में एक नया अध्याय लिख रहा है।' श्राची स्पोर्ट्स ने उच्च प्रदर्शन, खेल विज्ञान और चिकित्सा केंद्र और खेल पुनर्वास केंद्र विकसित करने के लिए ड्ड्हस स्पोर्ट्स हेल्थ स्पेशलिस्ट के साथ सहयोग किया है। श्राची समूह के प्रबंध निदेशक राहुल टोडी ने नवाचार और एक्सिलेंस के माध्यम से भारत के खेल परिदृश्य को बदलने के दृष्टिकोण पर जोर दिया, एक पारिस्थितिकी तंत्र बनाने के लिए हम प्रतिबद्ध है जो प्रतिभा की खोज, पोषण और

सशक्तिकरण करता है। यह भारत के युवाओं की नर्वस ऊर्जा को राष्ट्र के उत्पादक मूल्य में बदलने का एकमात्र तरीका है। श्राची स्पोर्ट्स के अध्यक्ष तमल घोषाल ने कहा, 'हम इस विचार से प्रेरित थे कि बदलते भारत को खेलों के प्रति अपने दृष्टिकोण को बदलने की जरूरत है - स्कूलों में, जिस तरह से खेल सिखाए जाते हैं, और खेल उद्योग में भी। एथलीड भारत में खेल में क्रांति लाने और खेलों को बढ़ावा देने के लिए तैयार है'।

सूरत में बिजनेस आइकन अवॉर्ड समारोह का आयोजन किया गया

सुरत भुमि, सूरत। प्रबंधन गुरु जय पांडे और टीम ने अजीत झोन और इवाना ज्वैलर्स के सहयोग से लघु और मध्यम स्तर के उद्यमियों को प्रोत्साहित करने और उनके द्वारा किए गए उत्कृष्ट कार्यों को मान्यता देने के उद्देश्य से द अमोर होटल सूरत में बिजनेस आइकन अवार्ड समारोह का आयोजन किया। जिसमें मशहूर बॉलीवुड अभिनेत्री अमृता राव के हाथों उद्योगपतियों और व्यवसायियों को पुरस्कारों से सम्मानित किया गया।

बिजनेस आइकॉन अवार्ड समारोह के आयोजक एवं मैनेजमेंट गुरु के प्रबंधक जय पांडे ने कार्यक्रम की जानकारी देते हुए बताया कि गुजरात राज्य में बिजनेस इंडस्ट्री के लिए गुजरात सरकार एवं भारत सरकार द्वारा सर्वोत्तम वातावरण उपलब्ध कराया जाता है. लेकिन गुजरात राज्य के विकास में लघु और मध्यम स्तर के उद्यमियों का बहुत महत्वपूर्ण योगदान है, इसे प्रोत्साहित करने के लिए हमने एक पुरस्कार समारोह का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में 25 से अधिक विभिन्न श्रेणियों के 45 से अधिक सर्वश्रेष्ठ उद्योगपति और व्यवसायीयो के उत्कृष्ट प्रदर्शन को सराहने के लिए प्रसिद्ध बॉलीवुड अभिनेत्री अमृता राव उपस्थित रही इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के तौर पर सूरत की मशहूर कंपनी यूरो फूड के प्रबंध निदेशक मनहर सासपारा मौजूद रहे और उन्होंने अपनी सफलता की यात्रा साझा कर उद्यमियों का हौसला बढ़ाया.

मैनेजमेंट गुरु कंपनी के बारे में- मैनेजमेंट गुरु विभिन्न उद्योगों में व्यक्तियों और संगठनों को उच्च गुणवत्ता वाली सलाह और परामर्श और प्रशिक्षण सेवाएं प्रदान करता है। हमारा मुख्य लक्ष्य अपने ग्राहकों को विशेषज्ञ सलाह, व्यावहारिक समाधान और संपूर्ण प्रशिक्षण सत्र प्रदान करके उनकी आवश्यकताओं और लक्ष्यों से मेल खाने वाले लक्ष्यों तक पहुंचने में मदद करना है।

मैनेजमेंट गुरु टीम में अत्यधिक अनुभवी पेशेवर शामिल हैं जिनके पास अपने संबंधित क्षेत्रों में व्यापक ज्ञान और विशेषज्ञता है। वे मानव संसाधन परामर्श, प्रबंधन परामर्श, प्रौद्योगिकी परामर्श, वित्तीय परामर्श, विपणन परामर्श और बहुत कुछ सहित सेवाओं की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करते हैं। कंपनी की परामर्श सेवाएँ ग्राहकों को उनकी चुनौतियों से निपटने और उनके विशिष्ट के अनुरूप अनुकूलित रणनीतियाँ और समाधान विकसित करके अवसरों का लाभ उठाने में मदद करती हैं। आवश्यकताओं और लक्ष्यों के लिए डिज़ाइन किया गया है।

दीप दर्शन विद्या संकुल में कक्षा 10 और 12 के छात्रों के लिए "मेकिंग ऑफ रैंकर" सेमिनार आयोजित किया गया

सुरत भुमि, सूरत।

उमियाधाम डिंडोली स्थित दीप दर्शन विद्या संकुल के वर्ष 2023-24 में कक्षा 10वीं एवं 12वीं में ए1 एवं ए2 ग्रेड प्राप्त करने वाले 112 विद्यार्थियों एवं वर्तमान वर्ष के कक्षा 10वीं एवं 12वीं के विद्यार्थियों एवं अभिभावकों के लिए वक्ता डॉ. परेश सवानी एवं पीयूष द्वारा सम्मान कार्यक्रम जोशीसर ''मेकिंग ऑफ रैंकर" शीर्षक के तहत छात्रों को वांछित परिणाम प्राप्त करने के लिए उचित योजना और कड़ी मेहनत के महत्व पर जोर देते हुए उचित मार्गदर्शन दिया गया और छात्रों और अभिभावकों की भूमिका को भी स्पष्ट किया गया।

पिछले वर्ष 2023-24 में कक्षा 10 और 12 वाणिज्य और विज्ञान में ए1 और ए2 ग्रेड प्राप्त करने वाले छात्रों को संस्थान के प्रशासनिक सदस्यों द्वारा ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय प्रबंधक श्री दशरथ पटेल, तुषार पटेल, प्राचार्य श्री भावेश आर. जोशी, विज्ञान विभाग के एचओडी। प्राथमिक विभाग के श्री पंकज पंसुरिया सर प्राचार्य श्री रसीला मैम, प्राथमिक विभाग की पर्यवेक्षक श्री आशाबेन उपस्थित विद्यार्थियों के प्रेरक एवं प्रेरक बने। अपने विषय में शत प्रतिशत परिणाम लाने वाले शिक्षकों को ट्रॉफी एवं उपहार देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन 12 वाणिज्य छात्र भावनगरिया ध्रुवी एवं खेर हेतवी ने किया। आचार्यश्री भावेश सर ने अतिथियों का स्वागत एवं परिचय कराया। धन्यवाद ज्ञापन शिक्षक श्री कुमुदबेन ने किया। युवा मोटिवेटर डॉ. परेश सवानी एवं श्री पीयूष जोशी सर द्वारा दी गई प्रेरणा के रंग में रंगने के बाद सभी ने मंगलकामना एवं कल्याण की कामना के साथ विदाई ली।

इंदौर की प्रख्यात जनदानी ज्वैलर्स की मास्टर फ्रेंचाइजी बोनारो के निदेशक राजेश कोठारी ने लिया

सुरत भुमि, सूरत। शहर के पार्ले पॉइंट क्षेत्र में राजहंस ऑर्नेट कॉम्प्लेक्स में इंदौर की प्रख्यात एवं चार पीढ़ियों के अनुभव वाली जनदानी ज्वैलर्स की मास्टर फ्रेंचाइजी बोनारो के निदेशक राजेश कोठारी ने शुरु की है। 120 साल यानी चार पीढ़ियों के अनुभव के साथ, इंदौर की जनदानी ज्वैलर्स ने सूरत शहर में अपनी चौथी फ्रेंचाइजी लॉन्च की है। यह मास्टर फ्रेन्चाइजी बोनारो उत्सव के डायरेक्टर राजेश कोठारी ने लिया है। पार्ले पॉइंट क्षेत्र में राजहंस ऑर्नेट कॉम्प्लेक्स में जनदानी ज्वैलर्स का भव्य शुभारंभ किया गया था।

जनदानी ज्वेलर्श का शुभारंभ सूरत शहर की प्रतिष्ठित महिलाओं के हाथों किया गया। जिनमें सुशीला देवी कोठारी, लता खेतान शामिल हैं, जिन्होंने आभूषण के क्षेत्र में घर से काम किया और आज एक व्यवसायी वुमन बन गईं हैं। इनके साथ नयनाबेन जो 25 वर्षों से महिलाओं के लिए जिम चला रही हैं। सुंदर लाहोटी जो कथा वाचक हैं और भाविका जो दस वर्ष की उम्र से ही भागवत था राम कथा का भी विभिन्न कथाओं के माध्यम से सनातन धर्म की प्रचार-प्रसार कर रहीं हैं। इन सभी महिलाओं के हाथों भव्य रूप से शुभारंभ किया था। जनदानी ज्वैलर्स के निदेशक अमोल भाई, मास्टर फ्रेंचाइज़ बोनारो के निदेशक राजेश कोठारी अपने परिवार के साथ उपस्थित थे और सूरत शहर को आभूषण क्षेत्र में नवीनतम तकनीक प्रदान करेंगे।

चिकित्सा सेवाओं के क्षेत्र में महावीर हॉस्पिटल की एक और उपलब्धि, श्रीमती आर बी शाह महार अस्पताल में पहला किडनी ट्रांसप्लांट किया गया था

सूरत। श्री महावीर हेल्थ एंड मेडिकल रिलीफ सोसाइटी पिछले 45 वर्षों से दक्षिण गुजरात के लोगों को अपनी चिकित्सा सेवाएं प्रदान कर रही है, अस्पताल हर साल अपनी सुविधाओं को उन्नत कर रहा है। अब महावीर हॉस्पिटल को लिवर और किडनी ट्रांसप्लांट की भी अनुमति मिल गई है। अब महावीर में ऐसे सभी मरीजों को इस सुविधा का लाभ मिलेगा. अब उन्हें किडनी और लिवर ट्रांसप्लांट के लिए मुंबई, अहमदाबाद या नडियाद नहीं जाना पड़ेगा। हार्ट और लंग्स की अनुमति 2 साल पहले ही मिल गई थी.

40 साल की एक महिला लंबे समय से किडनी की बीमारी से पीडि़त थी. उनकी दोनों किडनी काम नहीं कर रही थीं. उसने डॉ. वरिष्ठ नेफ्रोलॉजिस्ट सिद्धार्थ जैन से सलाह ली तो डॉक्टर ने उन्हें किडनी ट्रांसप्लांट कराने की सलाह दी। मरीज को महावीर हॉस्पिटल में किडनी ट्रांसप्लांट कार्यक्रम की सुविधाओं के बारे में पता चला। सारी जांच और समझ के बाद मरीज डॉ. सिद्धार्थ जैन, डॉ. अनिल पटेल, जेनिस पुरोहित (नेफ्रोलॉजिस्ट) और डॉ. जिग्नेश घेवरिया, डॉ. कुमार नायक एवं डॉ. कपिल ठक्कर (यूरोलॉजिस्ट) की टीम के तहत महावीर अस्पताल में किडनी प्रत्यारोपण कराने का निर्णय लिया। मरीज को 16/07/2024 को भर्ती कराया गया था।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि यह एक लाइव डोनर ट्रांसप्लांट था, यानी मरीज की मां ने खुद अपनी एक किडनी अपनी बेटी को दान की थी। सर्जरी के 6 दिन बाद मां को छुट्टी दे दी गई और जिस मरीज को किडनी मिली थी, उसे आज छुट्टी दी जा रही है. दोनों मरीज बिल्कुल सामान्य हैं और अपना सारा काम नियमित रूप से स्वतंत्र रूप से कर सकते हैं। अब तक महावीर हॉस्पिटल में 6 हृदय, 1 लीवर, 1 किडनी और 43 अस्थि मज्जा प्रत्यारोपण सफलतापूर्वक किये जा चुके हैं।

इसके साथ ही महावीर में किया गया पहला कैडेवर लिवर ट्रांसप्लांट 25 मार्च 2024 को सफलतापूर्वक किया गया। इसका जिक्र करना बहुत जरूरी है. जिसे सर एचएन रिलायंस टीम डॉ. रवि मोहनका टीम डॉ. नरेश गबानी ने किया। इसके अलावा, महावीर हॉस्पिटल ने स्ट्राइकर माको द्वारा रोबोटिक घुटना रिप्लेसमेंट लॉन्च किया है जो सीटी आधारित योजना, एक्यूस्टॉप हैप्टिक तकनीक और डेटा विश्लेषण के साथ सही योजना बनाकर सर्जरी में डॉक्टर की मदद करता है ताकि सटीक सर्जरी दर्द रहित हो और मरीज जल्द ही अपने पैरों पर वापस आ जाए।

वर्तमान में अस्पताल ने एक बायोफायर सिस्टम खरीदा है जो एक घंटे के भीतर विभिन्न वायरल और बैक्टीरियल संक्रमणों का निदान करता है और उपचार करने वाले डॉक्टर को जल्द से जल्द उपचार शुरू करने और रोगी के अस्पताल में रहने की अवधि को कम करने में मदद करता है। एआई आधारित एमआरआई मशीन को अपग्रेड किया गया है जो हृदय, किडनी आदि की भी जांच कर सकती है।

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक का वित्त वर्ष 25 की पहली तिमाही का पीएटी 681 करोड़ रुपए है

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के निदेशक मंडल ने आज अपनी बैठक में 30 जून, 2024 को समाप्त तिमाही के लिए गैर-ऑडिट फाइनेंशियल रिजल्ट्स को मंजूरी दे दी।

मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ की टिप्पणियाँ

श्री वी वैद्यनाथन, मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ, आईडीएफसी फर्स्ट बैंक,ने कहा, "आज बैंकिंग में सबसे बड़ी जरुरत, जमा राशि जुटाने की क्षमता है। इस मोर्चे पर, हम शीर्ष गुणवत्ता सेवा स्तरों, श्रेणी में शीर्ष मोबाइल ऐप और उत्कृष्ट कॉर्पोरेट प्रशासन के आधार पर जमा राशि में मजबूत वृद्धि जारी रख रहे हैं। हमारा सीएएसए अनुपात 46.6त्न पर कायम है। हमारी ग्राहक जमा राशि में सालाना 38% की वृद्धि हुई है। हम अपने ग्राहकों को हमारे प्रति उनकी सद्भावना के लिए धन्यवाद् देते हैं। कुल मिलाकर सकल एनपीए 1.90% पर स्थिर रहा और शुद्ध एनपीए 0.59% पर रहा। इंडस्ट्री के अनुरूप इस तिमाही में प्रावधान सामान्य रहे। तमिलनाडु में भारी बाढ़ और मौसमी परिस्थितियों के कारण हमने एमएफआई व्यवसाय के लिए अतिरिक्त प्रावधान किए। हमें उम्मीद है कि वित्त वर्ष 2025 की दूसरी छमाही में क्रेडिट लागत सामान्य हो जाएगी, जैसा कि पहले निर्देशित किया गया था।"

उन्होंने आगे कहा, "लाभप्रदता के संबंध में, व्यापारिक लाभ को छोड़कर, कोर ऑपरेटिंग प्रॉफिट (आय कम ओपेक्स) में सालाना आधार पर 31त्न की वृद्धि हुई। यह वित्तीय वर्ष 24 में एक मजबूत कोर ऑपरेटिंग प्रॉफिट रहा है, जो 31% बढ़कर 6,030 करोड़ रुपए हो गया है, जबकि वित्तीय वर्ष 23 में यह 4,607 करोड़ था।"

एयरटेल ने 5जी ट्रैफ़िक में तीव्र वृद्धि को पूरा करने के लिए अपने मिड-बैंड स्पेक्ट्रम को फिर से व्यवस्थित किया

नईदिल्ली।

भारत के अग्रणी दूरसंचार सेवा प्रदाताओं में से एक, भारती एयरटेल ("एयरटेल") ने आज घोषणा की कि उसने अपने 5जी नेटवर्क पर बढ़ती ट्रैफिक मांग को समायोजित करने के लिए अपने मौजूदा मिड-बैंड स्पेक्ट्रम का पुन- उपयोग शुरू कर दिया है। . अधिक ग्राहकों के 5जी नेटवर्क की ओर बढ़ने के साथ, एयरटेल देशभर में अपने 1800, 2100, 2300 मेगाहर्ट्ज बैंड पर 5जी सेवाओं का विस्तार करने के लिए अपने मिड-बैंडस्पेक्ट्रम को फिर से बढ़ा रहा है।

मिड-बैंडस्पेक्ट्रम के उपयोग के परिणाम स्वरूप, ग्राहक बेहतर इनडोर कवरेज के अलावा बढ़ी हुई ब्राउज़िंग गति का आनंद ले सकते हैं। जैसे-जैसे डेटा की मांग बढ़ रही है, एयरटेल अपने ग्राहकों को शानदार 5त्न अनुभव प्रदान करने के लिए और भी तेजगति से अपने मौजूदा स्पेक्ट्रम को फिर से विकसित कर रहा है।

भारती एयरटेल के सीटीओ, रणदीप से खोंने कहा, "जैसे-जैसे अधिक ग्राहक हमारी 5जी सेवाओं की ओर रुख कर रहे हैं, हमने अपने मिडबैंड स्पेक्ट्रम को फिर से उपयोग में लाया है, जिसका उपयोग 4जी सेवाओं के लिए किया गया था।इसके साथ ही हम स्टैंड-अलोन टेक्नोलॉजी भी लॉन्च करने के लिए तैयार हैं। इसका मतलब यह होगा कि एयरटेल नेटवर्क भारत में स्टैंड-अलोन और नॉन-स्टैंडअलोन दोनों मोड पर चलने वाला पहला नेटवर्क होगा जो हमें बाजार में सबसे अच्छा अनुभव प्रदान करने की अनुमति देगा।

रेवाडी, चेन्नई और भुवनेश्वर में एसए और एनएसए स्विच पर एक पायलट परीक्षण किया गया है और परिणाम उत्साहजनक रहे हैं। 5जी नेटवर्क पर यह क्षमता एयरटेल को ओपन एपीआई, विभेदित कनेक्टिविटी और सेवा-आधारित वास्तु कला के माध्यम से नए अभिनव अनुप्रयोगों, सेवाओं और समाधानों को पेश करने में सक्षम बनाएगी।

पिछले वर्ष में, एयरटेल ने कई शक्तिशाली उपयोग मामलों के साथ 5जी की शक्ति का प्रदर्शन किया है, जिसने ग्राहकों के रहने और व्यवसाय करने के तरीके को बदल दिया है। एयरटेल का 5जी रोल-आउट देश में सबसे तेज़ रहा है और अब यह सभी 28 राज्यों और 8 केंद्र शासित प्रदेशों में उपलब्ध है।

उत्सव सीजेड गोल्ड ज्वैल्स लिमिटेड का आईपीओ 31 जुलाई, 2024 को खुलेगा

सूरत।

भारत के ज्वेलरी बाजार की एक विशिष्ट ब्रांड, उत्सव सीजेड गोल्ड ज्वैल्स लिमिटेड ने 31 जुलाई 2024 को इनिशियल पब्लिक आफरिंग (आईपीओ) के साथ पब्लिक में जाने की अपनी योजना की घोषणा की है. कंपनी का इरादा अपर बैंड पर रू 69.50 करोड़ एकत्र करने का है. कंपनी के शेयर्स सेट एनएसई इमर्ज प्लेटफार्म पर लिस्ट होंगे.

इश्यू साइज रू10 प्रत्येक सम भाव पर 63,18,000 इक्विटी शेयर्स तक है.

इक्विटी शेयर आवंटन

- क्यूआईबी एंकर पोर्शन: 18,00,000 इक्विटी शेयर्स तक
- क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) : 12,00,000 इक्विटी शेयर्स से अधिक नहीं
- नान-इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) : 9,00,000 इक्विटी शेयर्स से कम नहीं
- रिटेल इंडिविजुअल इन्वेस्टर्स (आरआईआई) : 21,00,000 इक्विटी शेयर्स से कम नहीं
- मार्केट मेकर: 3,18,000 इक्विटी शेयर्स तक

इश्यू से प्राप्त होने वाली शुद्ध धनराशि का उपयोग कंपनी की कार्यशील पूंजी की जरूरत पूरी करने और आम कॉर्पोरेट कार्यों का वित्त पोषण करने के लिए किया जाएगा. एंकर पोर्शन की बिडिंग 30 जुलाई 2024 को खुलेगी. रिटेल अभिदान के लिए इश्यू 31 जुलाई 2024 को खुल रहा है और 2 अगस्त 2024 को बंद होगा.

इश्यू की लीड मैनेजर चॉइस कैपिटल एडवाइजर्स प्राइवेट लिमिटेड है. इश्यू की रजिस्ट्रार बिगशेयर सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड है.

उत्सव सीजेड गोल्ड ज्वैल्स लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर और प्रमोटर, श्री पंकजकुमार एच. जगावत ने कहा, " हम हमारे आगामी आईपीओ की घोषणा करते हुए अति हर्षित हैं. किफायती लग्जरी ज्वेलरी की बढ़ती मांग से उत्सव निरंतर सफलता के लिए बेहतर स्थिति में है. हमारी आधुनिक उत्पादन सुविधाएं, कुशल श्रम तथा व्यवस्थापन सुविज्ञता ने हमारे उच्च उत्पादकता को आगे बढ़ाया है . हम टॉप क्वालिटी ज्वेलरी की डिलीवरी करने के प्रति प्रतिबद्ध हैं, जो युवाओं की पसंद पूरी करने के साथ दैनिक उपयोग के लिए उपयुक्त है .इनोवेशन के प्रति हमारा समर्पण 15 कैड डिजाइनर की हमारी टीम का प्रमाण है, जो बाजार के रुझान से आगे बने रहने के लिए हर महीने लगभग 400 नई डिजाइन का निर्माण करते हैं. पिछले कुछ वर्षों में ऑपरेशन की हमारी आय में उल्लेखनीय वृद्धि दिखाई दी है, जो हमारे मजबूत बाजार प्रदर्शन और मांग को दर्शाती है। यह आईपीओ हमारे ब्रांड की इमेज और विजिबिलिटी को बढ़ाकर उत्सव के लिए एक नई शुरुआत को दर्शाता है. गोल्ड ज्वेलरी विशेष रूप से 18 कैरेट पीस की मजबूत मांग से हमने उल्लेखनीय बिजनेस ग्रोथ और सुधारित लाभप्रदता हासिल की है."

चॉइस कैपिटल एडवाइजर्स प्राइवेट लिमिटेड के डायरेक्टर एवं सीईओ, श्री रतिराज टिंबरेवाल ने कहा, "उत्सव सीजेड गोल्ड ज्वैल्स लिमिटेड को उसके इनिशियल पब्लिक आफरिंग (आईपीओ) में सपोर्ट करना एक उल्लेखनीय सुअवसर है. अपनी स्थापना से उत्सव ने स्वयं को खूबसूरती से निर्मित, हल्के वजन के पीस का विस्तृत रेंज ऑफर करते हुए सीजेड गोल्ड ज्वेलरी क्षेत्र में एक प्रमुख फोर्स के रूप में स्थापित किया है. कंपनी की अत्याधुनिक सुविधाओं और समर्पित डिजाइन टीम ने उसकी सफलता और बाजार लीडरशिप में योगदान दिया है. वैश्विक ज्वेलरी बाजार में तेजी का रुख होने और लालित्यपूर्ण लेकिन किफायती लग्जरी की बढ़ती मांग से उत्सव निरंतर ग्रोथ के लिए अच्छी स्थिति में है।यह आईपीओ एक तेजी से विस्तारित उद्योग में एक उल्लेखनीय माइलस्टोन और शानदार निवेश सुअवसर को प्रस्तुत करता है. हम इस डायनेमिक बाजार में उत्सव के भविष्य और परिणाम के बारे में आशावादी हैं."

बल्ककॉर्प इंटरनेशनल का आईपीओ 30 जुलाई 2024 को खुलेगा

2009 में स्थापित बल्ककॉर्प इंटरनेशनल लिमिटेड एक ISO 9001:2015, ISO 14001:2015, ISO 45001:2018 और BRC प्रमाणित कंपनी है, जो फूड ग्रेड फ्लेक्सिबल इंटरमीडिएट बल्क कंटेनर बैग के निर्माण और आपूर्ति में लगी हुई है। कंपनी की विनिर्माण इकाई चांगोदर, अहमदाबाद में स्थित है। कंपनी अनुकूलित पैकेजिंग समाधान स्नद्ब्रष्ट बैग (जंबो बैग) की एक विस्तृत श्रृंखला पेश करती है। कंपनी बीआरसी द्वारा निर्दिष्ट मुख्य सुरक्षा और स्वच्छता मानकों का पालन करके संयंत्र परिसर में उच्च सुरक्षा और स्वच्छता बनाए रखने का प्रयास करती है। बल्ककॉर्प इंटरनेशनल रु. 10 प्रत्येक 19,78,800 अंकित मूल्य के नए इक्विटी शेयर प्रदान करता है।

बल्ककॉर्प इंटरनेशनल लिमिटेड आईपीओ उद्देश्य:

शुद्ध निर्गम आय का उपयोग निम्नलिखित उद्देश्यों के लिए किया जाएगा:

1) सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने के लिए पूंजीगत लागत

2) कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए

3) सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्य

इश्यू के बुक रनिंग लीड मैनेजर स्वास्तिक इन्वेस्टस्मार्ट लिमिटेड हैं और इश्यू के रजिस्ट्रार फिन टेक्नोलॉजीज लिमिटेड हैं।

बल्क कॉर्प इंटरनेशनल- कंपनी मुख्य रूप से कच्चा माल गुजरात से खरीदती है। कंपनी की विनिर्माण इकाई रणनीतिक रूप से राष्ट्रीय राजमार्ग से जुड़ी हुई है और एक विकसित औद्योगिक क्षेत्र के बीच में स्थित है, इससे कंपनी को परिचालन लाभ मिलता है क्योंकि परिवहन प्रक्रिया समय पर कुशल हो जाती है। वे कृषि, रसायन, निर्माण, खाद्य, दवा और खनन जैसे महत्वपूर्ण उद्योगों की जरूरतों को पूरा करते हैं। बल्ककॉर्प इंटरनेशनल का ग्राहक आधार संयुक्त राज्य अमेरिका, कनाडा, यूनाइटेड किंगडम, दक्षिण अफ्रीका, आइवरी कोस्ट, दक्षिण कोरिया, स्पेन, यूरोप, मिस्र आदि देशों में उपस्थिति के साथ दुनिया भर में फैला हुआ है।

ट्रांसपोर्ट कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड ने वित्त वर्ष 25 की पहली तिमाही के दमदार नतीजों की घोषणा की

गुरुग्राम।

भारत की अग्रणी इंटीग्रेटेड सप्लाई चेन और लॉजिस्टिक्स सेवा मुहैया कराने वाली कंपनी ट्रांसपोर्ट कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (टीसीआई) ने आज 30 जून, 2024 को समाप्त पहली तिमाही के वित्तीय नतीजों की घोषणा कर दी है।

वित्त वर्ष 2025 की पहली तिमाही के वित्तीय आंकड़ें:

- राजस्व: टीसीआई ने 9844 मिलियन रुपये का एकीकृत राजस्व अर्जित किया, जो पिछले वर्ष की समान अवधि के 8875 मिलियन रुपये की तुलना में 10.9% की वृद्धि है।

- एबिटा: ब्याज, कर, मूल्यह्रास और परिशोधन से पहले कंपनी की कमाई (एबिटा) 1452 मिलियन रुपये रही, जो वित्त वर्ष 2025 की पहली तिमाही के 1244 मिलियन रुपये से 16.7% अधिक है।

- कर पश्चाति लाभ (पीएटी) : पीएटी 26.3% बढ़कर 1052 मिलियन रुपये हो गया, जो पिछले वर्ष की इसी तिमाही में 833 मिलियन रुपये था।

ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर विनीत अग्रवाल ने कहा, 卐हमने वित्त वर्ष 2025 की पहली तिमाही में मजबूत प्रदर्शन किया है। विभिन्न उद्योग क्षेत्रों में सेवा प्रदान करने वाले हमारे सभी उत्पाद सेगमेंट विशेष रूप से कोस्टजल शिपिंग, रेल मल्टीमोडल समाधान, 3पीएल/ वेयरहाउसिंग और कोल्ड चेन लॉजिस्टिक्स में वृद्धि हुई है। हमारा ध्यान अपने ग्राहकों को मूल्यवर्धित और तकनीकी रूप से उन्नत व उनकी जरूरतों के मुताबिक सेवा प्रदान करने पर बना हुआ है।

आशापुरा लॉजिस्टिक्स का आईपीओ 30 जुलाई 2024 को खुलेगा

आशापुरा लॉजिस्टिक्स भारत में एक एकीकृत लॉजिस्टिक्स कंपनी है। जो मुख्य रूप से कार्गो हैंडलिंग और माल अग्रेषण खंड, परिवहन (प्रोजेक्ट लॉजिस्टिक्स और थर्ड-पार्टी लॉजिस्टिक्स सहित), वेयरहाउसिंग और वितरण और अन्य सेवाओं (तटीय आंदोलन सहित) में संचालित होता है। कंपनी पूरे भारत में काम करती है। वे 9 शाखा कार्यालयों के नेटवर्क के माध्यम से इक्विटी बाजार में प्रवेश कर रहे हैं और 30 जुलाई 2024 को आरंभिक सार्वजनिक पेशकश खोलने की घोषणा की है।

इश्यू से प्राप्त आय का उपयोग निम्नलिखित उद्देश्यों के लिए किया जाएगा:

1. ट्रकों की खरीद के लिए कंपनी की पूंजीगत व्यय आवश्यकता को पूरा करना और सहायक उपकरण खरीदना।

2. मुंद्रा, गुजरात में गोदाम सुविधाओं का निर्माण

3. कंपनी की बढ़ती कार्यशील पूंजी की आवश्यकता को पूरा करना

4. सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्य

स्थापना के बाद से 20 से अधिक वर्षों के परिचालन अनुभव के साथ कंपनी अपनी अखिल भारतीय उपस्थिति एकीकृत सेवा पेशकश, प्रौद्योगिकी के माध्यम से सेवा में सुधार पर ध्यान केंद्रित करने और वाहन बेड़े के विशाल नेटवर्क के साथ विभेदित लॉजिस्टिक्स समाधान प्रदान करती है। यह एक 'परिसंपत्ति-आधारित' व्यवसाय मॉडल पर निर्भर करता है जिसमें अपने ग्राहकों को गुणवत्तापूर्ण सेवाओं के लिए आवश्यक संपत्ति जैसे वाणिज्यिक वाहन, कंटेनर और गोदाम, या तो स्वामित्व में हैं या पट्टे के आधार पर व्यापार भागीदारों के नेटवर्क द्वारा प्रदान की जाती हैं। तदनुसार, कंपनी ने अपने वाहनों के बेड़े के साथ-साथ व्यावसायिक साझेदारों का एक नेटवर्क भी बनाए रखा है, जिनसे वह आवश्यकतानुसार आवश्यक वाहन किराये पर लेती है। इसके अतिरिक्त इसकी सामग्री सहायक कंपनी जय अंबे ट्रांसमूवर्स प्राइवेट लिमिटेड भी परिवहन सेवा व्यवसाय में शामिल है।

ashapura always ahead

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)